हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 10 अगस्त 2025

> मप्र सहित देश भर में रक्षाबंधन पर्व पूरे उल्लास से मनाया गया

60 डिब्बे देसी घी और 40 क्विंटल बेसन से 4 दिन में तैयार हुए लड्डू

सबसे पहले महाकाल को बंधी राखी सवा लाख लड्डुओं का भी लगा भोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶उज्जैन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में महाकाल को राखी बंधने के साथ ही रक्षाबंधन पर्व की शुरुआत हो गई। अमर पुजारी के परिवार की महिलाओं द्वारा तैयार की गई खास राखी उन्हें अर्पित की गई है। महाकाल को जो राखी बांधी गई है उसमें मखमल का कपड़ा, रेशमी धागा और मोती का उपयोग हुआ है।

राखी पर भगवान गणेश जी विराजित हैं। शनिवार को सबसे पहले तड़के 3 बजे भस्म आरती के लिए पट खोले गए। इसके बाद पंचामृत से अभिषेक किया गया। भस्म आरती के दौरान ही उन्हें विशेष श्रृंगार के साथ राखी अर्पित की गई। भगवान महाकाल को राखी बांधने बाद भस्मारती के दौरान ही ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

पीएम मोदी ने ब्रह्माकुमारी दीदी और छोटी-छोटी बहनों से राखी बंधवाई, दिल को छूने वाली तस्वीरें खिंचवाई, बच्चियों ने कहा

मातृभूमि करती अभिनंदन... भारत भाल के आप हो 'चंदन' हमारे देश में ऐसा कर्मयोगी, जिसकी मिसाल कहीं नहीं होगी

- एक बच्ची पीएम के लिए नंदी जी वाली राखी लाई। उसने पीएम को बताकर बांधी
- एक छोटी बच्ची ने पीकॉक वाली राखी बांधी और पीएम को गले लगकर दुलार किया

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया। स्कूली बच्चों और आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारी की सदस्यों ने उनकी कलाई पर राखी बांधी। यह त्यौहार भाई-बहन के पारंपरिक बंधन का उत्सव है। इससे पहले पीएम मोदी ने इस पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में उन्होंने भाई-बहन के बीच के बंधन को मजबूत करने में इस त्योहार के महत्व पर जिक्र ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

बच्ची बोली-मैं पीएम बनना चाहती हूं

एक बच्ची ने कहा कि मैं पीएम बनाना चाहती हूं। पीएम ने कहा कि भई वाह। बहुत बढ़िया। बच्चियों ने कहा-नई सोच नई राह दिखाई, आशा की नव किरण दिखाई। स्वच्छ भारत, मन की बात, उज्ज्वला का दीप जलाया, हर घर चूल्हा तब जल पाया, अटल पेंशन और जीवन ज्योति-हर नागरिक का भविष्य मोदी, डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया से हर युवा को मिला आत्मबल। बेटियों को लौटाया उनका घर, अब न कोई डर, कोई सफर, ऑपरेशन सिंदूर से भारत का शौर्य दिखाया। यह सुनते ही पीएम बोले कि इतनी सारी योजनाओं का नाम आपको याद है। एक बच्ची ने कहा कि आप हमारे वॉरियर व सेवियर दोनों हैं।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एनएसए लगाने में नहीं हुआ प्रक्रिया का पालन

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करते हुए एनएसए की कार्यवाही को अनुचित करार दिया है। जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस एके सिंह की युगलपीठ ने कलेक्टर और शासन के आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को अनुचित तरीके से जेल में रखा गया था। 50 हजार का जुर्माना भी लगाया।

ग्वालियर की सबसे बड़ी लूट का पर्दाफाश

ग्वालियर। शहर की सबसे बड़ी और सनसनीखेज लूट की वारदात का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने महज 48 घंटे में 29 लाख 50 हजार रुपए की लूट में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। विशेष ऑपरेशन स्विफ्ट 48 के तहत पुलिस ने बाइक, एक टोयोटा ग्लैंजा कार और 20 लाख 35 हजार 500 नकदी बरामद की है।

ढाबे से डोडा चूरा, शराब की बड़ी खेप बरामद

बुरहानपुर। महाराष्ट्र बॉर्डर पर एक ढाबा नशे का अड्डा बना हुआ था। यहां ट्रक चालकों और स्थानीय लोगों को डोडा चूरा और शराब बेची जा रही थी। शाहपुर पुलिस ने छापा मारकर 34 किलो से ज्यादा डोडा चूरा और 64 लीटर शराब बरामद की। यह जिले में अब तक की सबसे बड़ी खेप मानी जा रही है। इंदौर-एदलाबाद हाइवे पर देवा ढाबे में कारोबार था।

एयर डिफेंस सिस्टम 'आकाश' व एस-400 गेमचेंजर साबित हुए

◆ *भारतीय वायु सेना प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने बेंगलुरु में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर पहली बार बड़ा खुलासा किया*

'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारत ने 6 पाकिस्तानी विमान 'मार' गिराए

> सिंह ने बताया कि 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि पाक को साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी

एजेंसी ▶▶बेंगलुरू

एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत (एपी) सिंह ने बताया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत ने पांच पाकिस्तानी फाइटर जेट और एक एयरक्राफ्ट को मार गिराया था। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) प्रमुख अमर प्रीत सिंह ने बेंगलुरु में ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा खुलासा किया है।

एपी सिंह ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान घुटने पर आ गया था, जिसकी वजह से वो सीजफायर के लिए मजबूर हुआ। एपी सिंह ने कहा कि यह एक उच्च तकनीक वाला युद्ध था। 80 से 90 घंटे के युद्ध में हम इतना नुकसान कर पाए कि उन्हें साफ पता चल गया था कि अगर वे इसे जारी रखेंगे तो उन्हें इसकी और भी अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी इसलिए वे आगे आए और हमारे डीजीएमओ ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

- *भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के दो कमांड सेंटर, छह रडार उड़ाए, साथ ही तीन हैंगर को भी ध्वस्त कर दिया*
- *ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान घुटने पर आ गया था, जिसकी वजह से वो सीजफायर के लिए मजबूर हुआ*

ठीक 3 महीने 2 दिन बाद किया गया यह खुलासा

एयर डिफेंस सिस्टम आकाश की तारीफ की

भारतीय वायु सेना चीफ ने एयर डिफेंस सिस्टम आकाश की तारीफ की। साथ ही कहा कि उसने पाकिस्तानी हमले का करारा जवाब दिया। हमने पाकिस्तान के रडार सिस्टम को तबाह कर दिया। हमारे किसी मिलिट्री स्टेशन पर नुकसान नहीं पहुंचा। उन्होंने ड्रोन सिस्टम की भी तारीफ की और कहा कि हमारे ड्रोन सिस्टम ने शानदार काम किया।

हमने सिर्फ टारगेट को तबाह किया, बाकी सब सेफ रहा

सिंह ने बहावलपुर की तस्वीरें दिखाई और कहा कि जैश-ए-मोहम्मद के मुख्यालय पर किए गए हमले में आसपास की इमारतें बिल्कुल सुरक्षित हैं। केवल जैश के मुख्यालय को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि हमारे पास न केवल सैटेलाइट की तस्वीरें थीं, बल्कि स्थानीय मीडिया की भी तस्वीरें थीं, जिनके जरिए हम अंदर की तस्वीरें प्राप्त कर सकते थे। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुरीदके-लश्कर-ए-तैयबा मुख्यालय पर हमले की पहले और बाद की तस्वीरें दिखाते एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने वहां हुए नुकसान के बारे में बताया।

◆ ये सफलता राजनीति इच्छाशक्ति का परिणाम

सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का एक प्रमुख कारण राजनीतिक इच्छाशक्ति रही। उन्होंने कहा कि हमें बहुत साफ निर्देश दिए गए थे। हम पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाए गए थे। अगर कोई बाधाएं थीं, तो वे स्व-निर्मित थीं। हमने तय किया कि कितना आगे बढ़ना है। हमें योजना बनाने और उसे ▶▶ *शेष पेज 4 पर*

बौखलाया पाक बोला-जांच करा लो

एजेंसी, नई दिल्ली। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर लिखा कि हमारे एक भी विमान को नुकसान नहीं हुआ है। अगर दुनिया को सच्चाई दिखाना है तो दोनों देश अपने विमान बेड़े की स्वतंत्र जांच के लिए खोल दें। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान को नहीं, बल्कि एलओसी पर भारत को अपेक्षाकृत नुकसान ज्यादा पहुंचा है।

डीआरडीओ प्रमुख कामत ने कहा

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रमुख आक्रामक हथियार था 'ब्रह्मोस'

> ऑपरेशन सिंदूर केवल एक मिशन नहीं था, यह भारत की आत्मनिर्भरता रणनीतिक सोच और स्वदेशी तकनीक की ताकत का ऐलान था

एजेंसी ▶▶पुणे

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के प्रमुख समीर कामत ने शनिवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भरता, रणनीतिक दूरदर्शिता और स्वदेशी तकनीकी क्षमता के जरिए अपनी ताकत का उद्घोष था।

कामत पुणे में रक्षा उन्नत तकनीकी संस्थान (डीआईएटी) के 14वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। कामत ने कहा कि पश्चिमी सीमाओं पर बेहद समन्वित और बहुआयामी अभियान केवल सैनिकों की वीरता नहीं दिखाता, बल्कि उस तकनीकी आधार को भी सामने लाता है, जो उनकी मदद कर रहा था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक मिशन नहीं था, यह भारत की आत्मनिर्भरता, रणनीतिक सोच और स्वदेशी तकनीक की ताकत का ऐलान था। यह दुनिया को यह बताने के लिए था कि भारत अपनी सीमाओं की रक्षा अपने ही उपकरणों और तकनीक से कर सकता है।

सैन्य अभियान में इन हथियारों का हुआ इस्तेमाल

डीआरडीओ प्रमुख ने कहा कि इस अभियान में सेंसर, ड्रोन, सुरक्षित संचार व्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर आधारित सहायता प्रणाली और सटीक मार करने वाले हथियार जैसे स्वदेशी उपकरणों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस ऑपरेशन के लिए जिन तकनीकों और प्रणालियों का इस्तेमाल हुआ, उनमें शामिल सतह से हवा में मार करने वाली आकाश मिसाइलें, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, डी4 एंटी-ड्रोन प्रणाली, एडब्ल्यूएनसी हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली और आकाशतीर प्रणाली थे। ये सभी भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन ने विकसित किए हैं। वहीं, ऑपरेशन सिंदूर पर बात करते हुए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के अध्यक्ष डीके सुनील ने कहा कि एयर चीफ मार्शल लक्ष्मण माधव कात्रे ने भारतीय वायुसेना पर एक गहरी छाप छोड़ी है।

1800 करोड़ की लागत से बनेगी रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग इकाई

मप्र को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात रक्षा मंत्री राजनाथ आज करेंगे भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶भोपाल

- भोपाल मेट्रोपोलिटन सिटी के विकास को भी मिलेगी गति स्वदेशी के मंत्र पर हो रहा अमल

मप्र को रेल कोच इकाई की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। भोपाल जिले की सीमा के पास रायसेन के ग्राम उमरिया में 60 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर 1800 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली ब्रह्मा परियोजना (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) से राजधानी भोपाल सहित रायसेन, सीहोर और विदिशा

आदि जिलों को लाभ होगा। इस परियोजना का भूमिपूजन रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 10 अगस्त को औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर प्रदेश को यह सौगात मिल रही है। परियोजना का शुरूआती उत्पादन क्षमता 125 से 200 कोच प्रतिवर्ष होगी, जिसे पांच वर्षों में बढ़ाकर 1100 कोच प्रतिवर्ष किया जाएगा। इससे भोपाल व आसपास के जिलों के मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को परियोजना से बहुत लाभ होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, रक्षा उत्पाद सचिव संजीव कुमार, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष सतीश कुमार, भारत अर्थ मूवर्स परियोजना के अध्यक्ष शांतनु राय शामिल हो रहे हैं। इस अवसर पर बीईएलएल परियोजना पर केंद्रित लघु फिल्म, प्रस्तावित प्लांट का 3डी वॉक थ्रू और नए संयंत्रों के मॉडल प्रदर्शित किए जाएंगे।

रेलवे ने फेस्टिव सीजन में एक्सपेरिमेंटल बेस पर शुरू की स्कीम

आने और जाने का ट्रेन टिकट बुक करने पर 20% डिस्काउंट

> जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट कराना होगा

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने दिवाली और अन्य फेस्टिवल में घर जाने वालों के लिए एक एक्सपेरिमेंटल बेस पर एक स्कीम शुरू की है।

इसमें अगर कोई आने और जाने का टिकट एकसाथ बुक करता है तो रिटर्न टिकट पर 20% का डिस्काउंट मिलेगा। इससे उन लोगों को फायदा मिलेगा जो घर जाने और वापस आने के लिए ट्रेन का इस्तेमाल करते हैं। रेलवे ने त्योहारों के समय टिकट के लिए भीड़ और लोगों की परेशानी को देखते हुए यह फैसला एक्सपेरिमेंटल बेस पर लिया है। अगर आप

अहमदाबाद एक्सप्रेस से पटना जाते हैं, तो इसी जोड़ी की वापसी ट्रेन से रिटर्न टिकट करना होगा। जैसे- अहमदाबाद-बरौनी (19484) से जाते हैं तो रिटर्न इसी जोड़ी की ट्रेन बरौनी-अहमदाबाद (19483) से रिटर्न होना होगा। टिकट में दी गई सभी ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी

इस छूट का फायदा लेने के लिए 13 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक के लिए जाने वाले टिकट और वापसी के लिए 17 नवंबर से 1 दिसंबर 2025 के बीच यात्रा का टिकट बुक करना होगा। बुकिंग 14 अगस्त से शुरू होगी।

सीडीपीओ नीलम पटेरिया को पोहरी से हटाया गया

वीडियो वायरल: आंगनबाड़ी कार्यकताओं की नियुक्ति के लिए मांगे 25 हजार रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶शिवपुरी

महिला एवं बाल विकास विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नियुक्तियों में रिश्वतखोरी के मामले सामने आने लगे हैं। पहले, बाल परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) दफ्तर नरवर में पर्यवेक्षक को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते लोकायुक्त टीम ने पकड़ा था।

अब पोहरी की महिला बाल परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ)

का नियुक्तियों में रिश्वत की बातचीत का वीडियो सामने आया है। पोहरी की सीडीपीओ नीलम पटेरिया का शुक्रवार को सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आया है। वीडियो में सीडीपीओ पटेरिया दो ग्रामीणों से आंगनबाड़ी में नियुक्ति के संबंध में बातचीत कर रही हैं। उनमें से एक व्यक्ति ने 25 हजार रु. की बात कही। पटेरिया कहने लगीं कि एसडीएम, साहब के लिए, सीईओ के साइन कराएंगे तो लिफाफे तो देना पड़ेंगे। वहां से फाइनल होना नहीं है, ऑर्डर जिले से निकलना है। फिर जिले वाले नाग बनकर बैठे हैं। सबसे बड़ी परेशानी यही है। वीडियो में पटेरिया ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

हैवी टैरिफ पर अमेरिका के साथ बढ़ रहे तनाव पर बोले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

> भारत का दृष्टिकोण शुल्क रियायतों की मांग से आगे बढ़ चुका

भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा... देश अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा, सालाना 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

अमेरिका की ओर से 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने के ऐलान के बाद बढ़ते तनाव के बीच केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने पीयूष गोयल ने भारत का स्टैंड साफ किया है। केंद्रीय मंत्री ने एक कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कहा कि भारत किसी के आगे नहीं झुकेगा।

वैश्विक व्यापार समूहों के साथ भारत के भविष्य के जुड़ाव के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने कहा कि आज देश बहुत अधिक मजबूत और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। यह सालाना साढ़े छह प्रतिशत ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

- *भारत इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा निर्यात करेगा*
- *सभी देश अब अपने लिए व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे*
- *ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत*

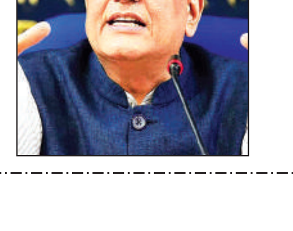

लगभग 50 लाख नौकरियां पैदा होंगी

उन्होंने कहा कि ईएफटीए के सदस्य देश भारत में 100 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने पर सहमत हुए हैं, जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार और कुल मिलाकर लगभग 50 लाख नौकरियां पैदा होंगी। अक्तूबर से ईएफटीए समझौता लागू हो जाएगा और इसके लाभ दिखाई देने लगेंगे। गोयल ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत कहने के लिए कांग्रेस सांसद की भी आलोचना की और कहा कि देश कांग्रेस के उत्तराधिकारी को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष के नेता की ओर से नकारात्मक कहानी को दोहराना शर्म की ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

नौकरियां पैदा करने का श्रेय आईटी उद्योग को दिया

भारत की आर्थिक मजबूती के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि देश की मुद्रा, विदेशी मुद्रा भंडार, शेयर बाजार और बुनियादी बातें मजबूत बनी हुई हैं और महंगाई अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में दुनिया में सबसे कम है। गोयल ने कहा कि पूरी ▶▶ **शेष पेज 4 पर**

उद्योग एवं रोज़गार वर्ष 2025 इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

बी ई एम एल BEML Beyond Possibilities

MPIDC MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

स्वदेशी अभियान विकास की नई पहचान

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

₹1800 करोड़ की लागत के अत्याधुनिक रेल कोच निर्माण केन्द्र का भूमिपूजन

मुख्य अतिथि
राजनाथ सिंह
केन्द्रीय मंत्री, रक्षा मंत्रालय

अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

गरिमामयी उपस्थिति

शिवराज सिंह चौहान
केन्द्रीय मंत्री, कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय

अश्विनी वैष्णव
केन्द्रीय मंत्री, रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (वर्चुअल माध्यम से)

10 अगस्त 2025 | दोपहर 12:00 बजे | ग्राम उमरिया, जिला रायसेन

उच्च प्रौद्योगिकी युक्त निर्माण क्षमता, आधुनिक रेल तकनीक का केन्द्र
- यात्री कोच, मेट्रो कार, ईएमयू, वंदे भारत ट्रेन सेट्स एवं हाई-स्पीड रेल प्रणालियों की डिज़ाइन, निर्माण, असेम्बली तथा परीक्षण
- घरेलू एवं अंतर्राष्ट्रीय मांग के अनुरुप उत्पादन

हरित ऊर्जा और नवाचार पर आधारित
- सौर ऊर्जा और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से संचालित
- ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज, वर्षा जल संचयन, हरित परिसर और पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री का प्रयोग
- भारत के ग्रीन फैक्ट्री मानकों के अनुरुप

विस्तार योग्य निर्माण क्षमता
- प्रारंभ में 125–200 कोच प्रति वर्ष निर्माण क्षमता
- पांच वर्षों में 1,100 कोच प्रति वर्ष तक विस्तार संभव

स्थानीय विकास को बल
- क्षेत्रीय एमएसएमई और आपूर्ति इकाइयों को बढ़ावा
- 5,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोज़गार अवसर
- निर्माण, लॉजिस्टिक्स और संबंधित क्षेत्रों में मजबूती

'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में ठोस कदम
- "ब्रह्मा" (बीईएमएल रेल हब फॉर मैन्युफैक्चरिंग) सिर्फ एक संयंत्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर, आधुनिक और वैश्विक स्तर का रेल निर्माण केन्द्र होगा
- BEML की अग्रणी तकनीकी क्षमता का प्रतीक

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhypradesh @jansamparkMP JansamparkMP

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

D-11078/25

भोपाल
रविवार, 10 अगस्त 2025
भाद्रपद मास कृष्ण पक्ष-01
वर्ष : 12, अंक : 131
पृष्ठ : 14 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 29
न्यून. 23

हरिभूमि
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

प्रदेश में अब सामान्य से 32% अधिक बारिश

एमपी नगर का दृश्य

14 अगस्त से फिर प्रदेशभर में बारिश का दौर लौटेगा

- प्रदेश में अब तक 737.2 मिमी बारिश
- 560 मिमी है सामान्य वर्षा
- आज आधा दर्जन जिलों में अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में मौसम का मिजाज फिर बदल रहा है। बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम से अगले चार दिन प्रदेशभर में मौसम का ऐसा ही मिजाज रहेगा।

इसके बाद बारिश में तेजी आएगी। भोपाल में 14 से 16 अगस्त के बीच मध्यम से तेज बारिश का अनुमान है। रविवार को भिंड, दतिया सहित ग्वालियर, चंबल संभाग के कुछ जिलों में तेज से मध्यम बारिश हो सकती है। भोपाल सहित ▶▶ शेष पेज 4 पर

सुबह से शाम तक यहां बारिश

शनिवार को सुबह से शाम 5:30 बजे के बीच कुछ जिलों में बारिश हुई। भोपाल में शाम 6 बजे के करीब हल्की बूंदाबांदी रही। श्योपुर, मुरैना, पन्ना, कटनी, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिवनी और बालाघाट में कुछ स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश की खबर है। कुछ जिलों में गरज-चमक और बादलों के साथ हल्की बौछारें पड़ी हैं।

उज्जैन सहित मालवा के जिलों में अच्छी बारिश के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सपत्नीक महाकाल में कराया अनुष्ठान

66 पंडितों ने नंदी हॉल में कराया पर्जन्य अनुष्ठान, तीन घंटे तक चला महारुद्र पाठ

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

उज्जैन सहित मालवा के जिलों में बारिश कम हुई है, वहां अच्छी बारिश के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पत्नी के साथ भगवान महाकाल में अनुष्ठान कराया। शनिवार को रक्षाबंधन पर्व के मौके पर शुरू हुए इस पर्जन्य अनुष्ठान में 66 पुजारी शामिल हुए। कम बारिश से पैदा संकट को दूर करने और उत्तम वर्षा एवं अमृत वृष्टि की कामना के लिए महाकाल मंदिर के नंदी हॉल में यह विशेष अनुष्ठान आयोजित किया गया। अनुष्ठान के दौरान महारुद्र पाठ किया गया, जो लगभग तीन घंटे तक चला। नंदी हॉल में मौजूद पुजारियों ने शिवलिंग का महापूजन किया। इस दौरान गर्भगृह में सतत जलधारा भगवान महाकाल को अर्पित की गई और नंदी हॉल में मंत्रोच्चार के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया गया। ▶▶ शेष पेज 4 पर

भगवान महाकाल को अर्पित की गई सतत जलधारा

उज्जैन में स्थिति चिंताजनक

उज्जैन में बारिश की स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। शहर को जलापूर्ति करने वाले एकमात्र गंभीर डैम में केवल 10 दिन का जल भंडारण शेष है। पहले से ही उज्जैन में एक दिन छोड़कर पेयजल आपूर्ति की जा रही है।

खबर संक्षेप

चयनित हुई आदिवासी युवाओं की रील

खंडवा। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक स्वच्छ मध्य प्रदेश रील प्रतियोगिता आयोजित की गई। खालवा ब्लॉक के दो युवाओं द्वारा बनाई गई रील का चयन पूरे प्रदेश के क्रिएटर्स द्वारा भेजी गई रीलों में से किया गया। प्रदेश के ग्रामीण एवं पंचायत विकास विभाग के मंत्री प्रह्लाद पटेल ने मोह रोकड़े और उनके साथी को प्रशस्ति पत्र और 25आदिवासी अंचल के इन युवाओं ने यह रील निमाड़ी बोली में बनाई थी, हजार रुपए की राशि भेंट की।

कोर्ट में लड़ी लड़ाई, अब मिलेगा सम्मान

इंदौर। दो खूंखार डकैतों का एनकाउंटर करने वाले अफसर विवेक सिंह चौहान को 22 साल

बाद राष्ट्रपति पुलिस पदक मिलने का रास्ता साफ हुआ। वीरता का सम्मान पाने के लिए विवेक सिंह को लंबी कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी। साल 2003 में उन्होंने दो डकैतों को मार गिराया था। उस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेरिट के आधार पर उनके पक्ष में फैसला सुनाया। वर्तमान में चौहान इंदौर में एसीपी पद पर पदस्थ हैं। सिंह एसआई थे तब मुठभेड़ में डकैतों को घेरकर मार गिराया था।

अपराध से दूरी बनाने का मांगा बहन ने वचन

कटनी। भाई-बहनों के अटूट स्नेह का प्रतीक कहलाने वाले रक्षाबंधन पर्व की एक अलग ही तस्वीर

कटनी जिला जेल से सामने आई है, जहां राखी बांधने पहुंची बहनों ने अपने भाइयों से रक्षा के वचन की जगह अपराध की दुनिया से दूरी बनाने का वचन लिया। दरअसल, यह नजारा कटनी जिला जेल का है, जहां रक्षाबंधन पर्व को लेकर जेल प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के बीच खुशनुमा माहौल बना दिया था।

बड़ी कोशिश : यूक्रेन युद्ध खत्म करने का बड़ा दांव, क्या थम जाएगी गोलियों की गूंज?

ट्रंप-पुतिन 15 को मिलेंगे अलास्का में जेलेंस्की: यूक्रेन के हिस्से नहीं छोड़ूंगा

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक अहम मुलाकात 15 अगस्त को अलास्का में होने जा रही है। यह बैठक यूक्रेन युद्ध के शांति समझौते की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर इसकी जानकारी दी है और बताया कि सुरक्षा कारणों से इस मुलाकात को कुछ देर से आयोजित किया जा रहा है। यह पहली बार होगा जब अमेरिकी और रूसी नेता 2021 के बाद आमने-सामने मिलेंगे, जो इस युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में एक बड़ी उम्मीद जगाता है।

ट्रंप के अनुसार यह मुलाकात दोनों देशों के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित संवाद का हिस्सा है। इसका उद्देश्य यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एक समझौता निकालना है। उधर, ट्रंप और पुतिन की मुलाकात से पहले व्लादीमिर जेलेंस्की ने रौद्र रूप दिखाते हुए कहा कि वे रूसी कब्जे वाला यूक्रेनी क्षेत्र को नहीं छोड़ेंगे। चाहे कुछ भी हो। मगर, ट्रंप के बुलावे पर क्या पुतिन अमेरिका जाएंगे, इस बारे में रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक ▶▶ शेष पेज 4 पर

यह पहली बार होगा जब अमेरिकी और रूसी नेता 2021 के बाद आमने-सामने मिलेंगे, जो इस युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में एक बड़ी उम्मीद जगाता है

सुरक्षा कारणों से इस मुलाकात में कुछ देर हुई

ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि शांति समझौते में कुछ क्षेत्रों का आदान-प्रदान हो सकता है। हालांकि, उन्होंने विस्तार से नहीं बताया कि कौन-कौन से क्षेत्र इस समझौते में शामिल होंगे।

ट्रंप के बुलावे पर क्या पुतिन अमेरिका जाएंगे, इस बारे में रूस की ओर से कोई आधिकारिक बयान अब तक सामने नहीं आया

शांति समझौते में क्या हो सकता है शामिल?

ट्रंप ने संकेत दिए हैं कि शांति समझौते में कुछ क्षेत्रों का आदान-प्रदान हो सकता है। हालांकि, उन्होंने विस्तार से नहीं बताया कि कौन-कौन से क्षेत्र इस समझौते में शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि हम कुछ इलाकों को वापस पाने और कुछ को स्वैप करने की कोशिश कर रहे हैं, यह मुश्किल मामला है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि रूस संभवतः उन इलाकों को छोड़ने के लिए तैयार हो सकता है, जो उसने चार क्षेत्रों में कब्जा कर लिए हैं, लेकिन अभी तक इस पर कोई पक्का फैसला नहीं हुआ है।

क्या यह अंतिम मौका है शांति के लिए?

ट्रंप ने इस सवाल पर कि क्या यह युद्ध को खत्म करने का अंतिम मौका है, कहा कि वह अंतिम मौका शब्द का उपयोग पसंद नहीं करते। उन्होंने बताया कि जब गोलियां चलनी शुरू हो जाती हैं, तो उन्हें रोकना बहुत मुश्किल हो जाता है। इस बात से साफ होता है कि युद्ध की स्थिति अभी भी नाजुक है और शांति के रास्ते पर कई चुनौतियां बनी हुई हैं।

जेलेंस्की बोले

वार्ता में हम शामिल नहीं तो 'समाधान मृत' ही होंगे

एजेंसी ▶▶ कीव

रूस-यूक्रेन युद्ध पर अगले हफ्ते होने वाली अमेरिका और रूस के राष्ट्रपति के बीच संभावित वार्ता से पहले ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अपना रौद्र रूप दिखा दिया है। जेलेंस्की ने स्पष्ट तौर पर किसी भी समझौते के तहत रूस द्वारा कब्जा किए गए यूक्रेन के क्षेत्रों को छोड़ने से साफ इनकार कर दिया है। जेलेंस्की ने यूक्रेन का क्षेत्र औपचारिक रूप से छोड़ने से इनकार करने के साथ ही कहा कि युद्ध समाप्त करने पर केंद्रित किसी भी वार्ता का यूक्रेन को हिस्सा बनाया जाना चाहिए। यूक्रेन के राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने शनिवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीआईएसएफ जवान मोहित सेन की मणिपुर में ड्यूटी के दौरान संदिग्ध मौत

भाई की 'कलाई' पर बहनों ने बिलखते हुए बांधी राखी

रक्षाबंधन पर जवान का पार्थिव शरीर शाजापुर के बड़ोद पहुंचा

स्थानीय हाई स्कूल का नाम मोहित सेन के नाम पर रखा जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शाजापुर

शाजापुर जिले के ग्राम रानी बडोद निवासी सीआईएसएफ के जवान मोहित सेन (22) का मणिपुर में ड्यूटी के दौरान निधन हो

गया। रक्षाबंधन पर शनिवार को जब उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा तो बहनें और परिवार के लोग बिलख पड़े। यह दुखद नजारा देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों की आंखें भी नम हो गईं। इस दौरान अंतिम यात्रा में हाथों में तिरंगा थामकर बड़ी संख्या में युवा और ग्रामीण शामिल हुए। मोहित सेन मणिपुर में सीआरपीएफ की ▶▶ शेष पेज 4 पर

पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

शनिवार सुबह 7:30 बजे मोहित का पार्थिव शरीर भोपाल से अकोदिया थाने पहुंचा, जहां से अंतिम यात्रा की शुरुआत हुई। इस दौरान बस स्टैंड पर जनप्रतिनिधियों और नगरवासियों ने पुष्प वर्षा कर मोहित को नमन किया। बड़ी संख्या में लोग बाइक पर तिरंगा लेकर शामिल हुए। डीजे पर देशभक्ति गीतों के बीच यात्रा शहीद के निवास स्थान पहुंची, जहां माता-पिता और परिजन रो-रोकर बेहाल थे। इसके बाद अंतिम यात्रा मुक्ति धाम पहुंची, जहां पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया। इस अंतिम ▶▶ शेष पेज 4 पर

टैक्सी वे से रनवे पर जा रहा था, तभी विमान में हल्का झटका लगा

लखनऊ से देहरादून जा रहे इंडिगो के विमान में आई गड़बड़ी... पौने दो घंटे विलंब से उड़ा

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

रक्षाबंधन वाले दिन यानि शनिवार सुबह लखनऊ से देहरादून जा रही इंडिगो की फ्लाइट तकनीकी खराबी के कारण रोक दी गई। लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से यह फ्लाइट कुछ मिनटों में ही टेकऑफ करने वाली थी। इंडिगो की फ्लाइट 6ई-515 लखनऊ से सुबह 8:55 बजे रवाना होकर 10:15 बजे देहरादून पहुंचनी थी। विमान में सफर करने वाले एक यात्री के मुताबिक इस विमान की बोर्डिंग पूरी हो चुकी थी और उसमें क्रू मेंबर सहित 158 यात्री सवार थे। जब विमान उड़ान भरने के लिए टैक्सी वे से रनवे पर जा रहा था, तभी विमान में हल्का झटका लगा, पायलट ने तकनीकी गड़बड़ी पहचान ली। पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना देते हुए विमान को रोक दिया। इसके बाद विमान को वापस टैक्सीवे पर लाया गया। विमान की खराबी दूर करने के लिए तत्काल इंजीनियरों की टीम बुलाई गई।

यहां पर इंजीनियरों की टीम ने लगभग पौने दो घंटे की मशक्कत के बाद विमान की खराबी दूर किया। इसके बाद विमान को रवाना किया। 8:55 पर रवाना होने वाला विमान सुबह 10.50 बजे उड़ान भर सका। विमान का देहरादून पहुंचने का समय 10.15 बजे है।

- क्रू मेंबर सहित 158 यात्री विमान में सवार थे

रक्षाबंधन मनाने गांव जा रहे थे

रक्षाबंधन पर हुए कई हादसे, करीब आधा दर्जन की हुई मौत

मंडला में बाइक आपस में भिड़ीं पिता-दो बच्चे और साले की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

मंडला में दो बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में एक युवक उसके दो बच्चे और साले की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं युवक की पत्नी समेत एक अन्य बाइक सवार घायल हैं। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र में जरगी गांव में शनिवार शाम 4.30 बजे की है। मृतक सिवनी जिले के रजरवाड़ा गांव के रहने वाले हैं। सूचना मिलने पर एसपी रजत सकलेचा और महाराजपुर थाना प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मी पहुंचे। पुलिस ने घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शवों को जिला अस्पताल भिजवाया ▶▶ शेष पेज 4 पर

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, दो की मौत

देवास के चापड़ा-बागली मार्ग पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। बाइक सवार दो युवक सड़क किनारे खड़े सरियों से लदे मिनी ट्रक से टकरा गए। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो ▶▶ शेष पेज 4 पर

पलटी बस 6 गंभीर, 30 घायल

अनूपपुर जिले में शनिवार दोपहर यात्रियों से भरी बस पलट गई। बस में 30 से ज्यादा यात्री सवार थे। इनमें 20 के करीब महिलाएं थीं। ये अपने भाईयों को राखी बांधने जा रही थीं। छह महिलाओं की हालत गंभीर ▶▶ शेष पेज 4 पर

रक्षाबंधन के दिन चार परिवारों में मातम

सागर की बेबस नदी के घाट पर हादसा

5 बहनों के इकलौते भाई समेत डूबने से चार दोस्तों की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

सागर के सानौधा थाना क्षेत्र से निकली बेबस नदी के घाट पर पांच दोस्त पिकनिक मनाने गए थे, पानी में नहाते वक्त चार दोस्त बेबस नदी में डूब गए दूसरे दिन रेस्क्यू करने पर शव बरामद किए गए है। इस घटना से पूरा गांव दहल उठा है रक्षाबंधन के दिन एक साथ चार परिवार से चार अर्थियों से पूरे क्षेत्र में मातम पसर गया।

इस हादसे ने डूबने वालों के परिवार को सदमा दे डाला। जिसमें एक परिवार में पांच बहनों में इकलौता भाई भी इस दुनिया को अलविदा कह गया। सागर के नरयावली विधानसभा के ग्राम रिछावर में हरसिद्धि माता मंदिर के पास बेवस नदी में चार युवकों के डूबने की खबर मिलते ही प्रशासन तुरंत हरकत में आ गया था देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला था। सुबह होते ही रेस्क्यू शुरू किया गया जिसके बाद निखिल अहिरवार पिता महेंद्र अहिरवार रिछावर उम्र 22 साल, सुनीत पिता मूलचंद लडिया खुशीपुरा मोती नगर उम्र 23 साल, सनी पिता रमेश अहिरवार उम्र 22 साल खुशीपुरा मोती नगर, राज पिता साहब अहिरवार खुशीपुरा मोती नगर उम्र 22 साल के शव नदी से निकाले गए। वहीं जानकारी के मुताबिक ▶▶ शेष पेज 4 पर

दिल्ली में बड़ा हादसा: यहां एक पुराना मंदिर और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां

हरी नगर गांव के पीछे झुग्गियों पर समाधि की 50 फीट ऊंची दीवार गिरी, 8 लोगों की मौत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली के हरीनगर में शनिवार को बारिश के दौरान दीवार गिरने से हादसा हो गया। जैतपुर थाना स्थित हरीनगर के बाबा मोहन राम मंदिर के पास समाधि स्थल की दीवार गिर गई है। जिसके नीचे करीब आठ लोग दब गए। इस हादसे में सभी आठ घायलों की मौत हो चुकी है। हादसे में आठ लोगों में तीन पुरूष हैं, दो महिलाएं हैं और दो लड़कियां और एक लड़का है। सात की मौत के बाद एक घायल हाशिबुल का अस्पताल में इलाज चल रहा था। उसने भी दम तोड़ दिया है। दिल्ली दमकल विभाग ने जानकारी देते हुए बताया कि जैतपुर हादसे में सभी आठ लोगों ▶▶ शेष पेज 4 पर

रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई

पुलिस ने झुग्गियों को खाली करा लिया है

नागपुर के कोराडी मंदिर में बड़ा हादसा

अंडर कंस्ट्रक्शन गेट का स्लैब गिरा, 17 घायल

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में स्थित कोराडी के महालक्ष्मी जगदंबा देवस्थान में शनिवार रात करीब 8 बजे एक दर्दनाक हादसा हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारी बारिश के चलते मंदिर के निर्माणाधीन गेट की स्लैब अचानक गिर जाने से 17 मजदूर घायल हो गए। जिनमें से कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है। सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया है। स्थानीय पुलिस, फायर ब्रिगेड और आसपास के लोगों ने फौरन राहत और बचाव कार्य शुरू किया। एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गई।

रक्षाबंधन पर्व पर राजधानी के बाजार रहे गुलजार, बहनों ने खरीदी राखियां तो भाइयों ने लिया बहनों का पसंदीदा उपहार

शुभ संयोग में बहनों ने अपने भाइयों की कलाइयों पर बांधी स्नेह की डोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भाई-बहन के अटूट प्रेम का रक्षाबंधन पर्व राजधानी भोपाल सहित जिले भर में उत्साह के साथ मनाया गया। शनिवार को सुबह लोगों ने अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की। इसके बाद शुभ संयोग में सुबह से दिनभर बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी। रक्षाबंधन पर्व के चलते सुबह से ही बाजारों में रोनक दिखाई दी। बहनें भाइयों को नए वस्त्र दिलाती हुई दिखाई दीं तो वहीं भाई भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने बहनों को उपहार दिलाए। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि शोभन योग सर्वार्थ सिद्धि योग श्रवण नक्षत्र के विशेष संयोग में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया नहीं रहने से कई बहनों ने शुभ मुहूर्त सुबह से दोपहर 1 बजकर 24 मिनट के बीच राखी बांधी।

मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि शोभन योग सर्वार्थ सिद्धि योग श्रवण नक्षत्र के विशेष संयोग में रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। अड़चन नहीं बना भद्रा का साया।

आनंदमयी पलों को कैमरे में किया कैद

रक्षाबंधन पर घर-घर उत्सव का नजारा था। रक्षाबंधन पर्व पर परिवार के सभी लोग साथ थे। खासकर बच्चे काफी खुश नजर आ रहे थे, सुबह से ही नए कपड़े पहनकर राखी बंधवाने के लिए उत्सुक थे। ऐसे में कई लोगों ने छोटे बच्चों को सुबह भी राखी बंधवाई, साथ ही कई लोगों ने शुभ मुहूर्त में राखी बांधी। दोपहर बाद बहनों ने भाईयों की आरती उतारी, तिलक लगाया और रक्षासूत्र बांधा। इस मौके पर भाईयों ने भी अपनी बहनों को उपहार भेंट किए। इन आनंदमयी पलों को सेल्फी और फोटो लेकर मोबाइल कैमरे में कैद करते नजर आए।

सुरक्षित रूप से उतारकर रखें राखी

पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि राखी बांधने और उतारने के कुछ नियम है। राखी बांधने के बाद उसे निकालकर यहां वहां नहीं फेंकना चाहिए। जन्माष्टमी के अगले दिन गोगा नवमी पर विधिवत पूजन करने के बाद राखी गोगावीर को समर्पित करनी चाहिए और इसे जल में प्रवाहित करना चाहिए। ऐसा करने से भाई बहन का रिश्ता मजबूत होता है।

रंग-बिरंगी राखियों से सजी भाइयों की कलाई

बहने अपने भाई के घर तो भाई बहनों के घर पहुंचकर राखी बंधवाने पहुंचे। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उसकी सुरक्षा का वचन लिया है। भाईयों की कलाई रंग-बिरंगी राखियों से सजी नजर आई। इस बार व्यापार भी अच्छा रहा। राखी की दुकानों पर भी पूरे दिन भीड़ नजर आई। साथ ही ज्वेलरी, कपड़े बाजार में भी अच्छी खासी रोनक देखने को मिली है।

रक्षाबंधन अर्थात पवित्रता के संकल्प लेने का पर्व- बीके डॉ. रीना दीदी

ब्रह्माकुमारीज, ब्लेसिंग हाउस सेवाकेंद्र में रक्षाबंधन का महान पावन पर्व बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। जिसमें बीके डॉ. रीना दीदी ने कहा कि विश्व एकता और विश्वास रूपी विचारों के बंधन में बंधकर रक्षाबंधन का पावन पर्व मनाया जा रहा है। दीदी ने कहा कि रक्षाबंधन अर्थात पवित्रता के संकल्प लेने का पर्व, रक्षाबंधन अर्थात नारी के प्रति सम्मान का पर्व, रक्षाबंधन अर्थात ईश्वरीय नियमों एवं मर्यादा के बंधन का पर्व है।

भैया को राखी बांधकर लिया नशा नहीं करने का वादा

गायत्री शक्तिपीठ पर श्रावणी पर्व के अंतर्गत सुबह 8 बजे से परिजनों ने दस स्नान कर नया जनेऊ धारण किया और गायत्री यज्ञ के उपरांत एक दूसरे को आपस में रक्षा सूत्र बांधे। वहीं गायत्री परिवार के सदस्यों ने रक्षा बंधन पर्व सार्थकता के साथ मनाया। यहां बहनों ने भाईयों को स्वदेशी राखी बांधकर रक्षा बंधन संकल्प पत्र भरवाया और कभी नशा न करने का वादा लिया। बहनों ने कहा कि भाई नशे से दूर रहें और सुखी रहें यही बहनों के लिए बहुत है। इसके साथ ही भाइयों से नशा या कोई बुराई छोड़ने और एक अच्छे कार्य जैसे पौध रोपण, दीन दुखी पीड़ित मानवता की सेवा कार्य की शपथ के साथ भाई बहन के पवित्र पुनीत पर्व को भी हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर एक छोटे बहन भाई दृश्या और गर्वित ने संकल्प पत्र के साथ राखी बांधी।

निर्भया आश्रय गृह में बहनों ने मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

जवानों को निर्भया की बहनों ने बांधी सुरक्षा की डोर

देश की सरहद पर दिन-रात हिफाजत में मुस्तैद रहने वाले एसएसबी के जवानों ने रक्षाबंधन के मौके पर राजधानी के शक्ति सदन निर्भया महिला आश्रय गृह की बहनों से सुरक्षा की डोर बंधवाई। शनिवार को निर्भया की बहनें सशस्त्र सीमा बल के जवानों से मिलने पहुंचीं, जहां उन्होंने जवानों की आरती उतारकर रक्षा का वचन भी लिया। दरअसल, एसएसबी के जवानों ने निर्भया की बहनों को राखी बांधने के लिए विशेष आमंत्रण भेजा था। जवानों के बीच बहनों ने उनकी कलाई पर डोर बांधते हुए कहा कि यह सिर्फ राखी नहीं, हमारी दुआ और भरोसे की गांठ है। उन्होंने जवानों के सुरक्षित और लंबे जीवन की कामना की। जवाब में जवानों ने न सिर्फ उपहार देकर बहनों का सम्मान किया।

बहनों ने सेलिब्रेट किया रक्षाबंधन

इस मौके पर निर्भया फाउंडेशन की डायरेक्टर समर खान, आश्रय गृह की अधीक्षिक इंद्रा मौर्य, केस वर्कर और कंप्यूटर ऑपरेटर भारती नरवरे, मल्टीपर्पज वर्कर गुलशाद बेगम सहित स्टाफ मौजूद रहा। सभी ने इस भावुक पल को कैमरे में कैद किया और इसे एक यादगार दिन बताया।

मंत्री सारंग ने राजधानी के वार्ड 70 की स्वच्छता मित्र बहनों से बंधवाई राखी

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने शनिवार को नरेला विधानसभा में वार्ड 70 के जोन 11 की स्वच्छता मित्र बहनों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। इस अवसर पर स्वच्छता मित्र बहनों ने मंत्री सारंग की कलाई पर स्नेह का पवित्र रक्षासूत्र बांधकर उन्हें दीर्घायु, स्वास्थ्य और सफलता का आशीर्वाद दिया। मंत्री सारंग ने भी सभी बहनों को रक्षाबंधन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं और उनके अथक परिश्रम, अनुशासन और कर्मठता की सराहना कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर वार्ड 70 के पार्षद और एमआईसी अशोक वाणी भी उपस्थित थे। मंत्री सारंग ने कहा कि बहनों की

सजगता और कर्मठता के कारण ही भोपाल ने देश के सबसे स्वच्छ शहरों में अपनी पहचान बनाई है। स्वच्छता मित्र बहनें न केवल स्वच्छता की जिम्मेदारी निभा रही हैं, बल्कि अपने अथक परिश्रम से शहर को गौरव भी दिला रही हैं। ये बहनें स्वच्छता प्रहरी हैं, जिनका योगदान समाज के हर नागरिक के लिए प्रेरणा है।

रक्षाबंधन पर झुग्गी बस्ती में किया मिष्ठान वितरण

भोपाल। सृष्टि शिक्षा एवं जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों ने राजधानी के कोटरा सुल्तानाबाद स्थित गंगानगर झुग्गी बस्ती में बच्चों को मिठाई बांटी और रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र दवे ने कहा कि हमने इन बस्तियों के बच्चों के साथ रक्षाबंधन त्योहार मनाया तथा हम आज के पावन दिवस पर इन बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते है। इस अवसर समिति के राजेंद्र गुप्ता, प्रकाश मोटवानी, हरीश शर्मा सोनू जगत,आनंद जगत, डॉ.राकेश राय, कैलाश गुप्ता राजेश हिरवे समिति के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नरेला में बहनों ने मनाई अनोखी राखी

लव जिहाद के संरक्षण के खिलाफ भगवान भोलेनाथ को बांधी राखी

भोपाल। राजधानी में बिगड़ती कानून व्यवस्था से नाराज महिलाओं ने रक्षाबंधन के मौके पर अनोखे तरीके से राखी मनाकर अपना विरोध जताया। हाउसिंग बोर्ड ऐशबाग स्थित भगवान भोलेनाथ मंदिर में बहनों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर लव जिहाद और नशे के संरक्षण करने वाले नेताओं के खिलाफ भगवान भोलेनाथ को राखी बांधकर उनकी सद्बुद्धि के लिए प्रार्थना की। इस दौरान कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने वहां पहुंचकर महिलाओं से सुरक्षा के मुद्दे पर चर्चा की। शुक्ला ने कहा कि पिछले दिनों अन्ना नगर में अतिक्रमण का विरोध करने वाली एक महिला को सरेआम खौलते तेल से जला दिया गया।

विकास के नाम पर पेड़ न कटें कर्मचारी मंच ने बांधे रक्षा सूत्र

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के नेतृत्व में रक्षाबंधन पर्व पर अयोध्या बायपास क्षेत्र में वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर उनकी रक्षा का संकल्प लिया। मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि भोपाल सहित प्रदेश भर में विकास के नाम पर पेड़ों को काटा जा रहा है। राजधानी के रत्नागिरी अयोध्या बायपास क्षेत्र में बनने वाली दस लेन सड़क के लिए 12 हजार पेड़ों को काटने का निर्णय सरकार ने लिया है। जिस पर एनजीटी ने भी आपत्ति दर्ज कराते हुए विभाग को नोटिस जारी किए हैं। वृक्षों की कटाई वन संरक्षण अधिनियम का उल्लंघन करके एवं सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करके की जा रही है। यह विकास पर्यावरण के लिए घातक साबित हो रहा है। पांडे ने कहा कि पहले सड़क निर्माण के साथ सड़क किनारे वृक्षों को लगाया जाता था। अब सड़क बनाने के लिए वृक्षों को काटा जा रहा है। कर्मचारी मंच ने निर्णय लिया है कि वृक्षों की रक्षा के लिए जन जागरण अभियान चलाकर रक्षा सूत्र बांधकर पौधरोपण करके वृक्षों की रक्षा की जाएगी।

पहले दशविधि स्नान, फिर ब्राहाणों ने बदले यज्ञोपवीत

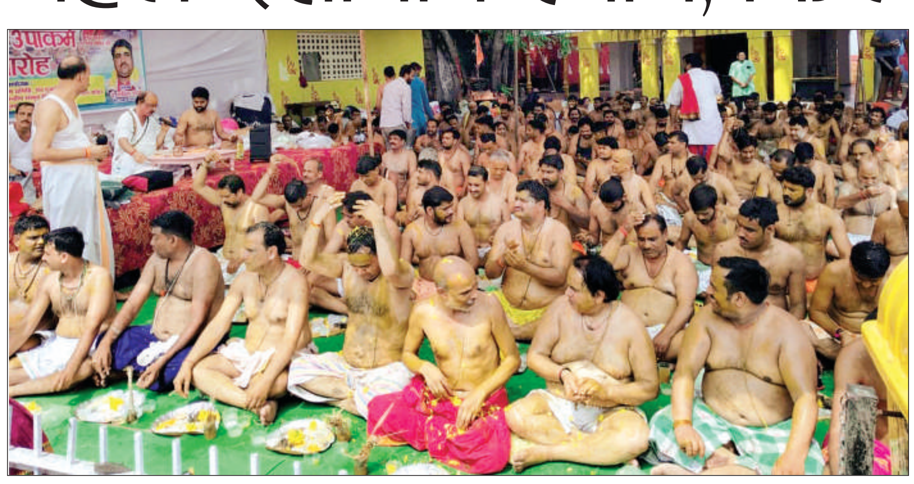

श्रावण पूर्णिमा पर शीतलदास की बगिया व तालाब के अन्य घाटों, गुफा मंदिर और गायत्री शक्तिपीठ आदि स्थानों पर ब्राहणों समेत कई अन्य समाजों के लोगों ने हेमाद्रि संकल्प के साथ नवीन यज्ञोपवीत धारण किया। गुफा मंदिर में सैकड़ों की संख्या में ब्राह्मण व बटुकों ने उपाकर्म किए। इसी तरह ब्राह्मण एकता अस्मिता सहयोग एवं संस्कार मंच के तत्वावधान में ब्राह्मणों ने बड़ा तालाब स्थित शीतलदास की बगिया में पंचगव्य स्नान, उपाकर्म के बाद जनेऊ बदले। सूर्य की आराधना की।

पंडित राकेश चतुर्वेदी ने बताया कि श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला श्रावणी उपाकर्म वेद पाठी ब्राह्मणों व द्विजों का सबसे बड़ा पर्व है। इस दिन नदी अथवा सरोवर में स्नान व अंतःकरण की शुद्धि का महत्व है। ब्राह्मणों ने पंचगव्य, दूध, दही, घृत, गोबर, गोमूत्र से उपाकर्म संस्कार कर शरीर के अंतःकरण शुद्धि के बाद हेमाद्रि संकल्प किया।

वैदिक विद्वान ब्राह्मणों द्वारा वैदिक एवं पौराणिक मंत्रों से अभिमंत्रित आत्मरक्षा, धर्मरक्षा और राष्ट्ररक्षा के सूत्र संकल्पबद्ध किए गए। श्रावणी पूर्णिमा ज्ञान की साधना का पर्व माना गया है। प्राचीन काल में ऋषि-मुनि इसी दिन से वेद पारायण आरंभ करते थे।

केंद्रीय संस्कृत विवि में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन

सनातन कर्मकाण्ड अध्यात्म समिति भोपाल, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसर, महर्षि वैदिक परिवार एवं संत पुजारी संघ, भोपाल के संयुक्त तत्वावधान में श्रावणी उपाकर्म का आयोजन श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर शीतल दास की बगिया, कमला पार्क, बड़ा तालाब भोपाल पर किया गया। इस आयोजन में दो सौ से अधिक वैदिक ब्राह्मणों ने पुण्यलाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के आयोजक आचार्य डॉ रामकुमार देवलिया ने विश्वविद्यालय परिसर में वैदिक विधि-विधान से संकल्प एवं पूजन संपन्न करवाया।

भाइयों ने बहनों से मांगा आशीर्वाद, कहा-प्रार्थना करो जल्द रिहा हो जाऊं ताकि जी सकूं नया जीवन

बहनों ने सेंट्रल जेल में बंद भाइयों को राखी बांध दिलाया संकल्प, अब गलत काम मत करना...

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

भोपाल सेंट्रल जेल में कैदियों और बहनों ने मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

भोपाल सेंट्रल जेल में बड़ी संख्या में महिलाएं अपने भाइयों को राखी बांधने पहुंची। इस दौरान जेल प्रबंधन ने बंदियों की सहूलियत के लिए पुख्ता इंतजाम किए ताकि रक्षाबंधन का त्यौहार अच्छी तरह से मना सके। राखी बंधवाने के वक्त भाई और बहन भावुक हो गए। एक ओर जहां भाइयों ने बहनों से राखी बंधवाकर आशीर्वाद लिया तो दूसरी ओर बहनों ने भी भाइयों से संकल्प लिया कि गलत काम कभी नहीं करना। ताकि जेल में फिर से कभी न आना पड़े।

सुबह 7 बजे से ही महिलाओं की लंबी कतारें जेल परिसर में लग गई थीं। इस दौरान जेल प्रबंधन ने रक्षाबंधन को लेकर विशेष इंतजाम किए थे ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। इस दौरान एक महिला सावित्री जो पूरे पांच महीने बाद अपने भाई से मिली तो भावुक हो गई। उसने मीडिया से बात करते हुए कहा कि भाई सावन में हमेशा

लेने आते थे लेकिन इस बार वो जेल में है। इसलिए भाई को राखी बांधने दो बस बदलकर आई हैं। महिला राखी बांधते समय भावुक हुई और भाई से कहा कि मुझे कुछ नहीं चाहिए बस जल्दी घर वापिस आ जाओ, यही मेरा सबसे बड़ा गिफ्ट होगा। इधर एक भाई ने अपनी बहन से राखी बंधवाते वक्त कहा कि मुझे तुम ऐसा आशीर्वाद दो बहन कि मैं जल्दी यहां से बाहर आ जाऊं। 12 अगस्त को यहां पूरे 6 महीने हो जाएंगे मै एक-एक दिन गिनता हूं। भाई की बात सुनकर बहन की आंखों से आंसू छलक उठे। विदित हो कि जेल प्रबंधन ने सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक बंदियों को राखी बांधने की अनुमति दी थी। वहीं जेल केंटीन से ही राखी बांधने पहुंची महिलाओं को सामग्री उपलब्ध कराई गई। बाहर से कोई भी सामान ले जाना प्रतिबंधित था।

हरिभूमि

भोपाल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, रविवार 10 अगस्त 2025

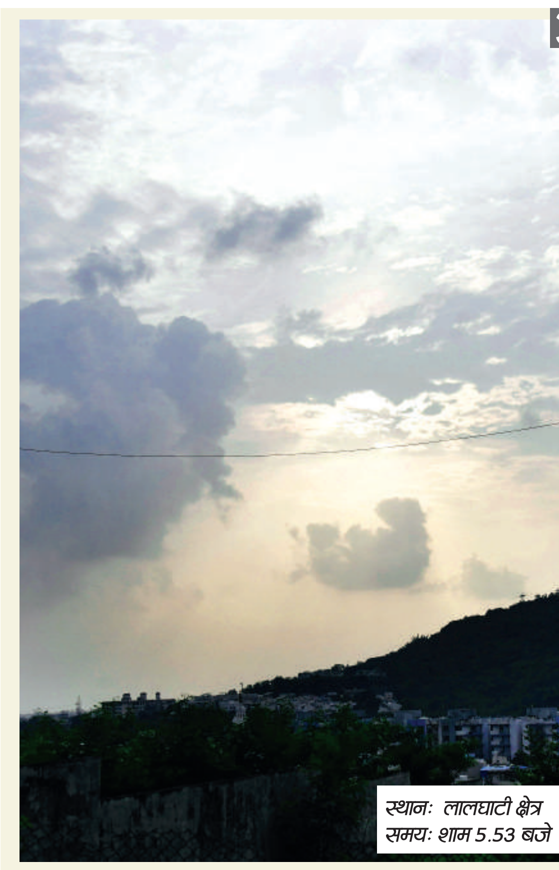

बादल, धूप से गर्मी का असर बढ़ा

दिन में उमस और गर्मी ने सताया शाम को बूंदाबांदी ने दिलाई राहत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में शनिवार को सुबह से शाम तक बादल, धूप और गर्मी का असर रहा। शाम 4 बजे के बाद बादलों की जमावट बढ़ी। 6 बजे के करीब शहर के कुछ हिस्सों में बादल 500 मीटर तक नीचे आ गए। इससे कई हिस्सों में बूंदाबांदी और कुछ हिस्सों में बौछारें पड़ गईं। बौछारों और बूंदाबांदी के बाद उमस से कुछ राहत मिली। इस बीच रायसेन रोड क्षेत्र के पटेल नगर, अयोध्या नगर, करोंद, भेल, पिपलानी इलाके के साथ ही एमपी नगर, अरेरा कॉलोनी सहित कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी और कुछ जगह हल्की बौछारें पड़ीं। इससे तापमान में भी 3 डिग्री तक कमी दर्ज की गई। दिन का पारा दशमलव दो डिग्री गिरकर 31 डिग्री रहा, जो शाम 7 बजे 28 डिग्री के करीब पहुंच गया।

धूल का असर दिखा

दिन में गर्मी और धूप बादलों के बीच धूल उड़ती रही। लेकिन इससे शहर का एक्यूआई ज्यादा नहीं बदला। एमपी पीसीबी की ऑनलाइन मॉनिटरिंग के अनुसार टीटी नगर में यह 87, पर्यावरण परिसर अरेरा कॉलोनी में 82 और कलेक्ट्रेट इलाके में 65 तक रहा है। यह हवा में प्रदूषण का स्तर संतोषजनक श्रेणी में दर्ज हुआ है। बारिश के बाद इसमें और कमी आने की उम्मीद है।

जिन्हें बस मिली, वे बहने काफी खुश नजर आईं

पंद्रह हजार बहनों ने फ्री में किया सिटी बसों में सफर, 62 बसों ने लगाए फेरे, ई रिक्शा वालों ने जमकर चांदी काटी, वसूला मनमाना किराया

बहनें करती रहीं इंतजार...नहीं आई बस तो ई रिक्शा कर किसी तरह पहुंचीं भाई के घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रक्षाबंधन पर इस बार भी सिटी बसों में बहनों ने फ्री में सफर किया। हालांकि कई रूटों पर बहनें बसों का इंतजार करती रहीं, लेकिन उन्हें जब इंतजार के बाद भी बस नहीं आई तो उन्हें ई रिक्शा में सफर कर अपने भाई के घर जाना पड़ा। वहीं, कई रूटों पर प्रतिबंधित ई-रिक्शा वालों ने शहर में बसों की कमी का जमकर फायदा उठाते हुए बहनों से मनमाना किराया वसूला। दरअसल, नगर निगम ने रक्षाबंधन पर बहनों को सिटी बसों में फ्री में घूमने का यह गिफ्ट दिया था। शहर के 25 रूट पर वर्तमान में 68 बसें ही चल रही हैं, जिसकी वजह से महिलाओं को बसों में सफर करने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा।

जिन महिलाओं को बस मिल गई वे निगम के इस गिफ्ट को लेकर खुश नजर आईं। रात नौ बजे तक बसों ने अपने-अपने रूट पर दो से तीन फेरे लगाए। रात तक करीब 15 हजार महिलाओं ने फ्री सफर किया। राजधानी में पहले 25 रूट पर 368 सिटी बसें दौड़ती थी। इनमें से ढाई सौ से ज्यादा बसें पिछले एक साल में बंद हो गई। ऐसे में शेष बची 68 बसों में शनिवार को महिलाओं ने सफर किया। महापौर मालती राय ने बताया कि हर साल रक्षाबंधन पर बहनों को भाई को राखी बांधने के लिए एक जगह से दूसरी जगह पर जाना पड़ता है। बहनों को नगर निगम की तरफ से सौगात दी जाती है। इस बार भी यह सौगात दी गई है। बहनों से किराया नहीं लिया गया है।

एक दिन में 50 हजार यात्री करते हैं सफर

भोपाल में जब सभी बसें दौड़ती थीं, तब एक दिन में डेढ़ लाख से ज्यादा लोग सफर करते थे। इनमें 40 फीसदी पुरुष और करीब 60 हजार महिला यात्री शामिल थीं। वर्तमान में यात्रियों की संख्या करीब 50 हजार है। इनमें से आधी महिला यात्री हैं। किराए के रूप में उन्हें न्यूनतम 7 और अधिकतम 42 रुपए लगते हैं।

कम संख्या में चली बसें घंटों के इंतजार के बाद मिली

कटारा हिल्स जाने वाली नीलम निगम ने कहना था कि सरकार की ओर से महिलाओं को रक्षाबंधन राखी का तोहफा देने के लिए सिटी बसों में फ्री में यात्रा करने की अच्छी योजना चलाई। लेकिन बसों की संख्या कम रही है। इसके चलते बसों के इंतजार में परेशान होना पड़ा।

छह बजे के बाद नहीं मिली बस

बस स्टैंड से एम्स जाने वाली अनीता ने बताया कि यह गिफ्ट अच्छा है, लेकिन बस संचालकों ने पूरी बसें चलाई नहीं। इसके चलते शाम करीब छह बजे के बाद 404 नंबर बस नहीं मिली। ऐसे में आधा सफर दूसरी बस से करके बोर्ड ऑफिस से ऑटो आदि से जाना पड़ेगा।

8 रूट पर दौड़ीं बसें

पहले सिटी पहले पूरे शहर को कवर करती थी। इनमें बैरागढ़ के पास चिरायु हॉस्पिटल से लेकर अवधपुरी, न्यू मार्केट, अयोध्या बायपास, करोंद, एमपी नगर, मिसरोद, मंडीदीप, भोजपुर, होशंगाबाद रोड, आदि लेकिन अभी 8 रूटों पर ही बसें दौड़ रही है।

देर तक किया इंतजार

रक्षाबंधन पर्व में नगर निगम ने सिटी बसों में फ्री सफर करने की सौगात से रुपए तो बचे, लेकिन बस का काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। शहर में कई रूट पर बसे ही नहीं चली। कोलार में सुबह 10 बजे एक बस आई थी। उसके चार घंटे बाद दोपहर दो बजे बस आई। कम बसें चलने के कारण महिलाओं को बसों का काफी देर तक इंतजार करना पड़ा।

राखी दुबे, निवासी कोलार

आरकेएमपी से लापता युवती का नहीं लगा सुराग

भोपाल। इंदौर से कटनी के लिए ट्रेन से सफर कर रही युवती रानी कमलापति स्टेशन से रहस्यमय तरीके से लापता हो गई। पुलिस को अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। दरअसल, सिविल जज परीक्षा की तैयारी कर रही अर्चना तिवारी (27) गुरुवार शाम इंदौर स्टेशन से निकली थी। वह इंदौर-बिलासपुर नर्मदा एक्सप्रेस के एसी 3 श्रेणी में बी 3 कोच की बर्थ नंबर तीन पर सफर कर रही थी। उसके भाई अंकुश तिवारी का कहना है कि अर्चना की आखिरी बातचीत मां से रात करीब सवा दस बजे हुई थी। इसके बाद से उसका मोबाइल लगातार बंद है। उनकी आखिरी लोकेशन रानी कमलापति स्टेशन पर थी। वहीं, बी 3 कोच की एक महिला यात्री के अनुसार अर्चना रानी कमलापति स्टेशन पर उतरी थी और उसके बाद दोबारा ट्रेन में नहीं चढ़ीं। वहीं, उनकी बर्थ पर बैग रखा मिला है।

- सह यात्री ने बताया अर्चना रानी कमलापति स्टेशन पर उतरी थी

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व की टीम को मिली सफलता

तीन लोगों पर हमला करने वाला बाघ पहुंचा वन विहार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल/सोहागपुर

कॉलर आईडी लगाने के बाद भी नहीं आ रहा था नियंत्रण में

जिले की शान तथा पहचान सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में पिछले ढाई माह से एक उद्दंड बाघ प्रबंधन के लिए चिंता का कारण बना था। इस बाघ ने तीन बार मनुष्यों पर हमले किए थे। जिसके कारण अंततः प्रबंधन को बाघ को वन विहार भोपाल पहुंचाना पड़ा है।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व प्रबंधन से प्राप्त जानकारी अनुसार टूरिज्म जोन मढ़ई के आसपास कोर क्षेत्र में लगभग ढाई वर्षीय बाघ ने दो बार रिजर्व कर्मियों पर हमले किए थे। वहीं गत दिनों मछली का शिकार करने पहूंचे एक ग्रामीण युवा को भी बाघ ने बुरी तरह घायल कर दिया था।

रिजर्व कर्मियों सहित ग्रामीणों में भय का कारण बन चुका बाघ भविष्य मेन भी मनुष्यों को क्षति पहुंचा सकता था या किसी की जान ले सकता था।

इसलिए शुक्रवार को बाघ को सफल रूप से ट्रैंक्यूलाइज़ किया गया तथा सुरक्षित रूप से वन विहार भोपाल पहुंचाया गया है। बाघ को ट्रैंक्यूलाइज़ करने व इसे बाहर पहुंचाने की प्रक्रिया दौरान रिजर्व की एफडी राखी नंदा, एडी अंकित जामोद, डॉ. जीडी शर्मा व स्टाफ कर्मी उपस्थित रहे।

चार दिन चला ऑपरेशन

रिजर्व सूत्रों के अनुसार कोर क्षेत्र में इस नर बाघ ने दो चौकीदारों और एक युवक पर हमला किया था। अतः जन सुरक्षा व बाघ की सुरक्षा के दृष्टिकोण से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर राखी नंदा के निर्देश अनुसार शुरू किया गया रेस्क्यू ऑपरेशन चार दिन चला। तीन दिन तक रेस्क्यू टीम बाघ को ट्रैंक्यूलाइज करने प्रयास करती रही। शुक्रवार को बाघ को ट्रैंक्यूलाइज कर इसे पकड़ा गया। अब इसे वन विहार भोपाल भेजा गया है, जहां इसके व्यवहार की लगातार मॉनिटरिंग भी की जाएगी।

खाद्य विभाग ने पीडीएस राशन के रेशों में किया बदलाव

सितंबर से बीपीएल परिवारों को मिलेगा चार किलो गेहूं और एक किलो चावल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

गरीब की थाली में आने वाले राशन के रेशो में सरकार ने एक बार फिर बदलाव कर दिया है। जिसके तहत वर्तमान में तीन किलो चावल और दो किलो गेहूं दिया जा रहा था, जिसमें बदलाव करते हुए चार किलो गेहूं और एक किला चावल प्रति सदस्य कर दिया है। जिससे सितंबर माह के राशन में उपभोक्ताओं को इसी रेशो से राशन दिया जाएगा। पिछले तीन सालों से चावल बढ़ाकर दिया जा रहा था। वहीं अन्तयोदय अन्य योजना के तहत प्रति परिवार को 30 किलो गेहूं, 5 किलो चावल दिया जाएगा। दो साल पहले तक ये रेशों 28 किलो चावल और 7 किलो गेहूं कर दिया था। चावल और गेहूं के रेशों में बदलाव के लिए राज्य सरकार ने केंद्र से मंजूरी ले ली है। जिसके बाद अब हर महीने बीपीएल परिवारों को तय मात्रा में राशन दिया जाएगा। इस बदलाव का असर भोपाल के 3 लाख 42 हजार परिवार के 14 लाख 28 हजार सदस्यों को होगा।

- पहले था तीन किलो चावल और दो किलो गेहूं

यूक्रेन युद्ध के समय बढ़ा था निर्यात

तीन साल पहले यूक्रेन युद्ध के दौरान विदेशों में जब गेहूं की मांग बढ़ी तो मध्यप्रदेश से बेहिसाब निर्यात कार्य किया गया। इसका नतीजा ये हुआ कि गेहूं की सरकारी खरीद लक्ष्य से 35 फीसदी कम हो गई थी। इसका असर ये हुआ कि गरीब की थाली से राशन के रेशों में बदलाव कर दिया गया था। ऐसा पहली बार मध्यप्रदेश में हुआ था।

स्कूलों में प्रभावित हो रही पढ़ाई-लिखाई

स्कूली शिक्षा: 10 हजार से अधिक शिक्षक कर रहे गैर शैक्षणिक कार्य

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग में पर्याप्त शिक्षक होने के बावजूद उन्हें गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाने से कई स्कूल शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल हैं, जो एक शिक्षक के भरोसे चल रहे हैं। वहीं, कई स्कूलों में प्राचार्य नहीं है, इस कारण प्रभारी प्राचार्य प्रबंधन का कार्य देख रहे हैं। विभागीय जानकारों के अनुसार, वहीं प्रदेश के करीब 10 हजार शिक्षक पढ़ाना छोड़कर गैर शैक्षिणक कार्य में लगे हैं।

कई शिक्षक विभागीय कार्यालयों में बाबूगिरी कर रहे हैं। वहीं बड़ी संख्या में शिक्षकों को बीएलओ, डीपीआई, राज्य शिक्षा केंद्र सहित अन्य कार्यालयों में लगा रखा है। वहीं शिक्षकों को भी कार्यालयों में कार्य करना ज्यादा पसंद है। कई शिक्षक जो मंत्री, विधायक या अन्य विभागीय कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं, वे अब अपने मूल संस्था में लौटना नहीं चाहते हैं।

आदेश कई बार, लेकिन पालन नहीं

हालांकि विभाग की ओर से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति व अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल संस्था में लौटने का आदेश कई बार जारी किया गया है, लेकिन फिर भी पालन नहीं हो रहा है। अभी हाल में स्कूल खुलने से पहले स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी कर शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल संस्था में संलग्नीकरण करने के निर्देश जारी किए गए लेकिन कुछ नहीं हुआ।

पीसीसीएम-डीआरएम ने सुविधाओं व भीड़ प्रबंधन की भी ली जानकारी

आरकेएमपी पर लगे साइनेज बोर्ड तय मापदंडों के अनुरूप नहीं, तो भोपाल स्टेशन पर स्वच्छता में सुधार की जरूरत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

रानी कमलापति (आरकेएमपी) स्टेशन पर लगे साइनेज बोर्ड तय मापदंडों के अनुरूप नहीं है। इनको जल्द से जल्द बदलने के पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) मनीष तिवारी ने शनिवार को निर्देश दिए हैं, तो वहीं भोपाल स्टेशन पर प्लेटफार्मों की स्वच्छता व्यवस्था में कमी मिलने पर और बेहतर करने के निर्देश दिए।

दरअसल शनिवार को यात्रियों की सुविधा व स्टेशन परिसर की समग्र व्यवस्था को और अधिक सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से शनिवार को पमरे जोन प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (पीसीसीएम) मनीष तिवारी एवं मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने भोपाल मंडल के दो प्रमुख स्टेशनों रानी कमलापति और भोपाल का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मंडल के वरिष्ठ अधिकारी एवं पर्यवेक्षक भी मौजूद थे।

प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक व डीआरएम ने किया आरकेएमपी व भोपाल का निरीक्षण

सबसे पहले आरकेएमपी पहुंचे

पीसीसीएम व डीआरएम सबसे पहले आरकेएमपी स्टेशन पहुंचे। जहां पर प्लेटफार्म, फुट ओवरब्रिज, सर्कुलेटिंग एरिया, वीआईपी लाउंज, सबवे का निरीक्षण किया। स्टेशन पर लगे साइनेज बोर्ड और अधिक स्पष्ट, व यात्री-अनुकूल बनाए जाएं। इसके बाद प्लेटफार्म, फुट ओवर ब्रिज, वीआईपी लाउंज का जायजा लेते हुए प्लेटफार्मों की स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने त्योहारों के समय भीड़ प्रबंधन के लिए उचित रणनीति बनाने के निर्देश दिए।

जनरल वेटिंग एरिया में व्यवस्था सुधार करने के दिए निर्देश

श्री तिवारी ने जनरल वेटिंग एरिया की स्थिति में सुधार पर विशेष जोर दिया। प्लेटफार्म क्रमांक 1 की ओर स्थित इंटीग्रेटेड पार्किंग सिस्टम को सुविधाजनक बताते हुए सराहना की। इस मौके पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक रोहित मालवीय, मंडल वाणिज्य प्रबंधक पंकज कुमार दुबे, सहायक वाणिज्य प्रबंधक नवल अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पर्यावरणीय दृष्टिकोण बच्चों के स्वस्थ और सुरक्षित विकास में हो सकता है सहायक

एम्स भोपाल की नर्सिंग छात्रा प्रगति ने खिलौनों के चयन पर किया अध्ययन

बच्चों के लिए इको-फ्रेंडली खिलौनों को नजरअंदाज करते हैं माता-पिता व पालक

हरिभूमि न्यूज ⏭ सचिन सिंह बैस

अलग खबर

यदि खिलौनों के चयन में पर्यावरणीय दृष्टिकोण (इको-फ्रेंडली) को भी शामिल किया जाए, तो यह न केवल बच्चों के सुरक्षित और स्वस्थ विकास में सहायक होगा, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देगा।

यह कहना है कि एम्स भोपाल नर्सिंग महाविद्यालय में एमएससी पीडियाट्रिक नर्सिंग की छात्रा प्रगति कुमारी का। नर्सिंग छात्रा प्रगति ने पांच वर्ष तक के बच्चों के लिए खिलौनों के चयन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान पर अध्ययन किया। अध्ययन में पाया गया कि अधिकांश माता-पिता बच्चों के लिए खिलौने चुनते समय उनके पर्यावरणीय प्रभाव को बहुत कम महत्व देते हैं।

माता-पिता जहां कीमत, टिकाऊपन, दृश्य आकर्षण और सुरक्षा जैसे पहलुओं को प्राथमिकता देते हैं, वहीं पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) खिलौनों का चयन अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं।

रिसर्च में बरखेड़ा पठानी के 251 अभिभावकों को किया शामिल

नर्सिंग छात्रा प्रगति द्वारा यह अध्ययन भोपाल के बरखेड़ा पठानी क्षेत्र में किया गया, जिसमें सुविधाजनक नमूनाकरण के माध्यम से कुल 251 अभिभावकों को शामिल किया गया। अध्ययन में माता-पिता के निर्णय बच्चे की आयु, लिंग, स्वयं माता-पिता की आयु, घर में निर्णय लेने वाला व्यक्ति, बच्चों की संख्या, पारिवारिक संरचना और सामाजिक-आर्थिक स्थिति जैसे पहलुओं से भी प्रभावित पाए गए।

66.9 प्रतिशत लोग कीमत देखकर खरीदते हैं खिलौने

अध्ययन में पाया गया कि खिलौनों के चयन में माता-पिता के लिए प्रमुख कारक था कीमत 66.9, टिकाऊपन 56.6, दृश्य आकर्षण 48.2, आयु उपयुक्तता 45.4, सुरक्षा संबंधी चिंताएं जैसे छोटे पुर्जे या नुकीले किनारे 43.4, सौंदर्यात्मक मूल्य 37.8, बच्चे की क्षमताएं 36.7 और उसकी रुचियां 34.7 प्रतिशत। वहीं विकासात्मक और शैक्षिक पहलुओं में शारीरिक गतिविधि को बढ़ावा देना 34.3 और सामाजिक मेलजोल 32.7 प्रतिशत भी शामिल थे। हालांकि केवल 64.1 प्रतिशत मामलों में ही पर्यावरणीय प्रभाव को प्राथमिकता दी गई, जो दर्शाता है कि अधिकांश अभिभावक इस पहलू को गंभीरता से नहीं लेते। अन्य कारकों में बच्चे का लिंग 33.1 प्रतिशत, खिलौने की लोकप्रियता 33.5 प्रतिशत और आकार 32.3 प्रतिशत का प्रभाव अपेक्षाकृत कम था।

---

25 हजार से कम शुल्क लेने वाले स्कूलों को देना है एफिडेविट

निजी स्कूलों ने अंतिम तारीख तक भी नहीं दिए शपथ पत्र, बढ़ेगी तारीख

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग की ओर से कई बार आदेश जारी होने के बाद भी प्रदेश में निजी स्कूलों की मनमानी जारी है। स्थिति यह है कि बड़ी संख्या में निजी स्कूलों की ओर से अब तक पोर्टल पर फीस का ब्यौरा नहीं दिया है।

इसके अलावा 25 हजार से कम शुल्क लेने वाले स्कूलों की ओर से भी शपथ पत्र दिए जाने को लेकर लेटलतीफी की जा रही है। इसके लिए 8 अगस्त अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी, लेकिन बड़ी संख्या में अब भी निजी स्कूलों ने शपथ पत्र नहीं दिया है। पालक महासंघ के महासचिव प्रबोध पंडया के अनुसार, निजी स्कूलों की फीस को लेकर शासन की ओर से कई बार आदेश जारी किए गए हैं, लेकिन इनका पालन नहीं किया जा रहा है।

स्थिति यह है कि निजी स्कूलों की फीस का ब्यौरा पोर्टल पर दिया जाना था। अब तक प्रदेश में मात्र 10 हजार 205 स्कूलों की ओर से पोर्टल पर जानकारी दी गई है। जबकि प्रदेश में 34 हजार से अधिक स्कूल हैं। वहीं 25 हजार से कम फीस वाले स्कूलों के ओर से शपथ पत्र दिया जाना है।

जैकेट का शेष....

मातृभूमि करती अभिनंदन...

किया। प्रधानमंत्री मोदी ने दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर रक्षाबंधन मनाया। छोटी-छोटी बच्चियों ने भी पीएम मोदी को राखी बांधी। स्कूल यूनिफॉर्म में स्कूली छात्राओं के साथ पीएम मोदी ने दिल छू लेने वाली तस्वीरें खिंचवाईं। प्रधानमंत्री मोदी को बच्चियों के साथ हंसी ठिठोली करते देखा गया। वे उनके साथ बात करते, उन्हें दुलार करते नजर आए। मासूम बच्चियों में पीएम मोदी को राखी बांधने की होड़ दिखाई दी। पीएम मोदी ने भी किसी को निराश नहीं किया और सभी से बहुत ही प्यार से राखी बंधवाई। बच्चियों ने कहा- मातृभूमि करती अभिनंदन, भारत भाल के आप हो चंदन, हमारे देश में ऐसा कर्मयोगी, जिसकी मिसाल कहीं नहीं होगी।

सबसे पहले महाकाल ...

सवा लाख लड्डुओं का महाभोग लगाया गया। इस महाभोग की तैयारी पिछले चार दिनों से चल रही है। मंगलवार से ही मंदिर में पुजारी कक्ष के पीछे भट्टी पूजन के साथ लड्डू बनाना शुरू हो गया था। लड्डू निर्माण करने वाले हलवाई ओम प्रकाश शर्मा ने बताया कि वे पिछले 12 वर्षों से रक्षाबंधन पर्व पर महाकाल के लिए लड्डू बना रहे हैं।
गौर हो कि रक्षाबंधन का त्योहार शनिवार को देशभर में धूमधाम से मनाया गया। इस पर्व पर बहनें अपने भाइयों को उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। बदले में भाई बहन को उसकी रक्षा का वचन देते हैं। भाई की कलाई पर बंधती राखी महज एक डोर नहीं है, बल्कि बहन का अपने भाई के लिए निस्वार्थ प्रेम, विश्वास और समर्पण का बंधन है।

'ऑपरेशन सिंदूर'...

को संदेश भेजा कि वे बात करना चाहते हैं। हमारी ओर से इसे स्वीकार कर लिया गया। इस पूरे ऑपरेशन में एस-400 गेमचेंजर साबित हुआ। भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने शानदार काम किया।
उन्होंने कहा कि भारतीय सेना पाकिस्तान को लाउड एंड क्लीयर मैसेज देना चाहती थी कि अगर पाकिस्तान ने भारत पर हमला किया तो भारत मुंहतोड़ जवाब देगा। यह पहली बार है कि जब भारतीय वायुसेना ने इस बात को लेकर क्लीयर किया है कि भारत ने पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमान को मार गिराया।
नूर खान बेस के साथ बुरारी बेस पर मौजूद एयरक्राफ्ट को भी ध्वस्त किया। एयरफोर्स चीफ ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के दो कमांड सेंटर, छह रडार उड़ाए साथ ही तीन हैंगर को भी ध्वस्त कर दिया।

ये सफलता ....

क्रियान्वित करने की पूरी स्वतंत्रता थी। हमने सभी अटैक सोच समझकर किए। उन्होंने कहा कि इस दौरान तीनों सेनाओं के बीच एक बढ़िया को-ऑर्डिनेशन था। सीडीएस के पद ने वास्तव में अंतर पैदा किया।
एनएसए ने भी सभी एजेंसियों को एक साथ लाने में बड़ी भूमिका निभाई। गौर हो कि 29 जुलाई को संसद में मानसून सत्र के दौरान राहुल गांधी ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केंद्र सरकार से सवाल किए थे और सरकार पर भारतीय सशस्त्र बलों को बांधने का आरोप लगाया था।

आने और जाने...

डिटेल्स एक समान होनी चाहिए। यानी सोर्स और डेस्टिनेशन (कहां से कहां तक जाना है), यात्री का नाम, उम्र, दूरी और क्लास (स्लीपर, 3 एसी, 2 एसी) जैसी चीजें दोनों टिकट में एक होनी चाहिए।

वीडियो वायरल: आंगनबाड़ी....

कह रही हैं कि हमें मेरिट बनानी होती तो 50 लोगों की पहले से सेटिंग करके बैठे होते। डीपीओ धीरेंद्र जादौन ने बताया कि शिकायत और वीडियो के आधार पर सीडीपीओ नीलम पटेरिया को पोहरी से हटा दिया गया है। उनके खिलाफ कलेक्टर ने एसडीएम को जांच सौंपी है। भर्ती प्रक्रिया ऑनलाइन है।

भारत किसी के ...

की दर से बढ़ रहा है और इसमें तेजी आने की संभावना है। केंद्रीय मंत्री इस विचार को नकारते हुए कि दुनिया विभूमंडलीकरण का सामना कर रही है, तर्क दिया कि देश अब अपने लिए व्यापार मार्गों और साझेदारों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि भारत इस साल पिछले साल की तुलना में ज्यादा निर्यात करेगा।
उन्होंने आगे कहा कि व्यापार बाधाओं से निपटने के लिए पहले से ही उपाय किए जा रहे हैं। भविष्य के मुक्त व्यापार समझौतों पर, गोयल ने कहा कि भारत का दृष्टिकोण केवल शुल्क रियायतों की मांग से आगे बढ़ चुका है। चार देशों के ईएफटीए समूह के साथ हुई बातचीत को याद करते हुए, उन्होंने उनसे कहा कि हम 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। हमारे पास युवाओं की शक्ति है, जबकि आपकी आबादी बूढ़ी होती जा रही है।

लगभग 50 ....

बात है। देश राहुल गांधी को भारत की ओर से दुनिया के सामने रखी जा रही इन अपमानजनक टिप्पणियों के लिए कभी माफ नहीं करेगा।

नौकरियां पैदा ....

दुनिया हमें सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में मानती है, जो वैश्विक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब युवा, कुशल और महत्वाकांक्षी नागरिक वैश्विक साझेदारों के लिए एक शक्तिशाली आकर्षण हैं। उन्होंने वर्ष 2000 के बाद से भारत में हुए बदलावों का भी जिक्र किया और हजारों नौकरियां पैदा करने का श्रेय आईटी उद्योग को दिया। गोयल ने कहा कि भारत आने वाले वर्षों में संयुक्त अरब अमीरात, मॉरीशस, ऑस्ट्रेलिया, ईएफटीए ब्लॉक, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ, चिली, पेरू, न्यूजीलैंड, अमेरिका और अन्य देशों के साथ व्यापार समझौतों को सक्रियता से आगे बढ़ा रहा है या उन्हें अंतिम रूप दे रहा है।

पेज एक का शेष....

66 पंडितों ने नंदी हॉल...

महाकाल से हर जगह आनंद बरसाने की प्रार्थनाः डॉ. यादव ने रक्षाबंधन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना के अनुष्ठान में शामिल हुआ। प्रदेश में कहीं अधिक तो कहीं कम बारिश हो रही है। मैं बाबा महाकाल से प्रार्थना करता हूं कि हर जगह आनंद बरसाएं। उन्होंने उम्मीद की बाबा महाकाल यज्ञ को सफल बनाएंगे। मंदिर के पुजारी आशीष ने कहा कि रक्षाबंधन पूर्णिमा महापर्व के अवसर पर प्रदेश में उत्तम वर्षा की कामना के लिए भगवान महादेव के दरबार में महा-रुद्राभिषेक किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा पूजन किया गया है। ब्राह्मणों के द्वारा सतत जलधारा और दूधधारा से अभिषेक किया गया है।

14 अगस्त से फिर...

अधिकांश हिस्सों में बादल, गरज-चमक के साथ बौछारों का अनुमान है। मौसम केंद्र ने रविवार तक दतिया, भिंड में कहीं-कहीं भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। प्रदेश में अब तक सामान्य से 32 प्रतिशत अधिक बारिश हो चुकी है। अब तक कुल 737.2 मिमी बारिश हुई, जबकि 560 मिमी है सामान्य वर्षा है। रविवार को भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, धार, इंदौर, शाजापुर, गुना, अशोकनगर, शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, शहडोल, जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, पन्ना, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ आदि जिलों में गरज-चमक के साथ बौछारों का यलो अलर्ट है। मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार 8 अगस्त को खाड़ी में जो सिस्टम बना है, उसके असर से अभी नमी बढ़ी है। कुछ जिलों में हल्की बारिश का दौर है। यह क्रम तीन- चार दिन रहेगा। इसके बाद नया सिस्टम 12 से 13 अगस्त के बीच बनेगा, जिससे प्रदेशभर में तेज से मध्यम और कुछ जगह भारी बारिश हो सकती है।

ट्रंप-पुतिन 15...

सामने नहीं आया है।
ट्रंप ने तोड़ी परंपराः ट्रंप द्वारा पुतिन को अमेरिका के अलास्का में बैठक करने के लिए बुलाने की घोषणा करने से यह परंपरा भी टूटी है कि ऐसे सम्मेलन आमतौर पर किसी तटस्थ तीसरे देश में आयोजित होते हैं। पुतिन की मांग भी थी कि यह मीटिंग वह संयुक्त अरब अमीरात में चाहते हैं। मगर ट्रंप के इस कदम को पुतिन की वैधता को मजबूती देने वाला माना जा रहा है, जबकि अमेरिका और उसके सहयोगी देश अब तक उन्हें यूक्रेन युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास करते रहे हैं।

वार्ता में हम...

बीच प्रस्तावित बैठक की कोई भी शर्तें मानने से खारिज कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस शांति वार्ता में कीव को शामिल नहीं किया गया, तो ऐसे किसी भी समझौते के परिणाम केवल मृत समाधान होंगे। दरअसल, व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया था कि किसी समझौते में कुछ क्षेत्रों की अदला-बदली संभव हो सकती है, लेकिन उन्होंने इसके बारे में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।

भाई की 'कलाई' पर...

120 बटालियन में तैनात थे। गुरुवार रात को संदिग्ध हालत में उनकी मौत हो गई, जिसकी जानकारी शुक्रवार सुबह उनके भाई अंकित सेन को दी गई। मोहित के पिता आनंदीलाल सेन और भाई अंकित हेयर सैलून चलाते हैं। दो साल उनकी मणिपुर में पोस्टिंग हुई थी।

पूरे सैन्य सम्मान...

यात्रा में सैकड़ों लोग शामिल हुए। उनकी चचेरी बहनों मोनिका, राधिका और सोनिका ने राखी बांधकर अपने दिवंगत भाई को अंतिम विदाई दी। 120 बटालियन के जवानों ने सलामी देकर मोहित सेन को अंतिम विदाई दी।
इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक घनश्याम चंद्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिसोदिया, पूर्व सैनिक और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। श्रद्धांजलि सभा में विधायक ने घोषणा की कि स्थानीय हाई स्कूल का नाम मोहित सेन के नाम पर रखा जाएगा और उनकी स्मृति में एक स्मारक भी बनाया जाएगा।

मंडला में बाइक ...

गया है। शकुन कुशराम का मायका मंडला जिले के सेमिकोल में है। वह अपने पति राजेंद्र कुशराम, बेटा सोहेल (10) और रविंद्र (7) और अपने भाई शिवप्रसाद मरावी के साथ रक्षाबंधन मनाने सेमिकोल जा रही थी। इसी दौरान हादसा हो गया। हादसे में घायल शकुन बेहोशी की हालत में है। दूसरी बाइक पर सवार विवेक काकोडिया निवासी अंडिया के चेहरे पर गंभीर चोट है।

खड़े ट्रक से ....

गई। जानकारी के अनुसार, मुकेश पिता मोहनलाल (40) और लोकेश पिता जयपाल (26), दोनों निवासी निमलाय, शनिवार रात बाइक से चापड़ा से बागली की ओर जा रहे थे। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

पलटी बसः 6....

है। हादसा जिले के चचाई थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत चिल्हारी में हुआ। जानकारी के अनुसार, यात्रियों से भरी बस (नंबर सीजी 15 एबी 0499) शहडोल जिले के बुढार से अनूपपुर की ओर जा रही थी।

5 बहनों के ...

पांचवे दोस्त अभिषेक ने फोन पर परिवार और पुलिस को सूचना दी थी। तुरंत एस डी आर एफ की टीम पहुंची और रेस्क्यू शुरू किया गया था। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देश पर घटना स्थल पर एसडीएम रोहित वर्मा तहसीलदार, नायब तहसीलदार संगीता सिंह, सहित नरयावली विधायक प्रदीप लारिया, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार सागर सहित अन्य अधिकारी मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का जायजा लिया था।

हरी नगर गांव....

की मौत हो चुकी है।
शनिवार सुबह 9:30 बजे हादसाः जैतपुर थाना इलाके में शनिवार सुबह 9:30 बजे के करीब हरी नगर गांव इलाके के पीछे झुग्गियों के ऊपर समाधि की दीवार गिर जाने से दो बच्चे समेत आठ लोग अंदर दब गए थे, जिन्हें अस्पताल ले जाया गया। वहीं इस घटना के बाद तमाम विभाग मौके पर मौजूद हैं। एडिशनल डीसीपी साउथ ईस्ट ऐश्वर्या शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि यहां एक पुराना मंदिर है और उसके बगल में पुरानी झुग्गियां हैं। जहां कबाड़ी रहते हैं। रात भर हुई भारी बारिश के कारण दीवार गिर गई। हादसे के दौरान आठ लोग फंस गए, जिन्हें बचाकर अस्पताल ले जाया गया। हमने अब इन झुग्गियों को खाली करा दिया है ताकि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो। इससे पहले, दक्षिण पूर्वी दिल्ली के जैतपुर इलाके में स्थित हरि नगर में एक इमारत गिरने की सूचना मिली थी। बाद की जांच में पता चला कि यह घटना इमारत गिरने की नहीं, बल्कि दीवार गिरने की थी।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना तलैया जिला भोपाल
क्रमॉक/थाप्र./तलैया./ मर्ग क्र-02/25 दिनॉक - 7/8/25
जाहिर सूचना
सर्वजन को सूचित किया जाता है की थाना तलैया के मर्ग क्र 02/25 मृतक अज्ञात उम्र करीब 45 साल निवासी अज्ञात की की तलाश हेतु जाहिर सूचना का प्रकाशन समाचार पत्रो मे किया जाना है।
मृतक व्यक्ति का हुलिया -पुरुष उम्र करीब 45 वर्ष , निवासी- अज्ञात

जिसका कद करीबन 5 फिट 5 इंच, रंग गोरा, सिर के बाल काले है, चहरे पर हल्की मूछे है। शरीर दुबला पतला है थाना प्रभारी तलैया के मो, 9479990560, -0755 2677364-24433230 एवं जाचँकर्ता 9826527740 है तो तत्काल संपर्क करें ।
थाना प्रभारी
थाना-तलैया, जिला-भोपाल
जी -16994/25 स्वच्छता ही सेवा

हरिभूमि क्लासीफाइड
आवश्यकता है | खरीदना है | बेचना है | व्यापार | चिकित्सा | ज्योतिष | डिस्प्ले विज्ञापन
संपर्क सूत्र : 9407279644

हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी **भोपाल बाजार** विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें मो. 9407279644

JAWAHARLAL NEHRU COLLEGE
56-C, Shyamla Hills, Opp. Khushbu Park, Civil Lines, Bhopal
Mob.: 9826264575, 8889560478, 8085377716, 0755-2660949 Web.: www.jncbpl.com
★ M.Sc. (Physics, Chemistry, Botany, Zoology, Micro bio., Biotech., Computer Sc., Maths) ★ PGDCA ★ B.Sc. (Bio Group & Maths, Chemistry, Computer Sci., Env.Sc., Biology, Micro Bio., Biotech) ★ B.Com. Plain & Computer ★ M.Com ★ BCA ★ BA ★ BBA ★ M.A. (Eng., Polt. Sc., Socio., Eco. & Urdu) ★ B. Lib ★ M. Lib. ★ B.P.E.S. ★ PG Diploma in Yoga ★ D.El. Ed. ★ B.Ed. ★ B.P.Ed. ★ M.Ed. ★ M.P.Ed.
DIRECT ADMISSION* College Offering Best Career Options With Minimum Fee Structure
** Note : All Admission According to MP Higher Education Guide line and Rules 2023-24

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई
डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड
आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग गारंटेड इलाज
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें। M : 9425006131, 9827249409
5/4, संजय कॉम्पलेक्स माता मंदिर, टी.टी. नगर भोपाल | सौलत मंजिल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

वैवाहिकी वधु चाहिए
Vishwakarma Boy DOB: June 1980 / 5'7" Own Business In Noida seeks homely girl, no dowry, caste no bar
Whtsapp: 9407984000, 9995552924

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330
R- 03/08/25 to 13/08/25

www.ratnawala.com
Ratnawala
रत्नवाला
समय से पहले - किस्मत से ज्यादा
हम पुराने पहने हुए रत्न नहीं बेचते हैं
PRATEESH SAXENA Gemologist & Govt. Valuer
◆ शुद्ध - प्रामाणिक असरदार रत्न उपलब्ध
◆ रत्न तराशने की फैक्ट्री
◆ अनुभवी ज्योतिषाचार्य से सलाह
◆ ग्रहों के अनुसार उपयुक्त रत्न की सलाह
विश्वास का साथ सेवा के 30+ वर्ष
जब हुबहू नकली रत्न बन सकते हैं तो कागज का नकली 'टेस्टिंग सर्टिफिकेट' भी बन सकता है। सजग रहें
89-89-678-678
City Trade Center, 141, Malviya Nagar, Bhopal || ज्योतिषम्™ ||

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड उठावना, शोक संदेश, जन्मदिन, आमसूचना आम/कोर्ट नोटिस

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

शब्द पहेली - 5954

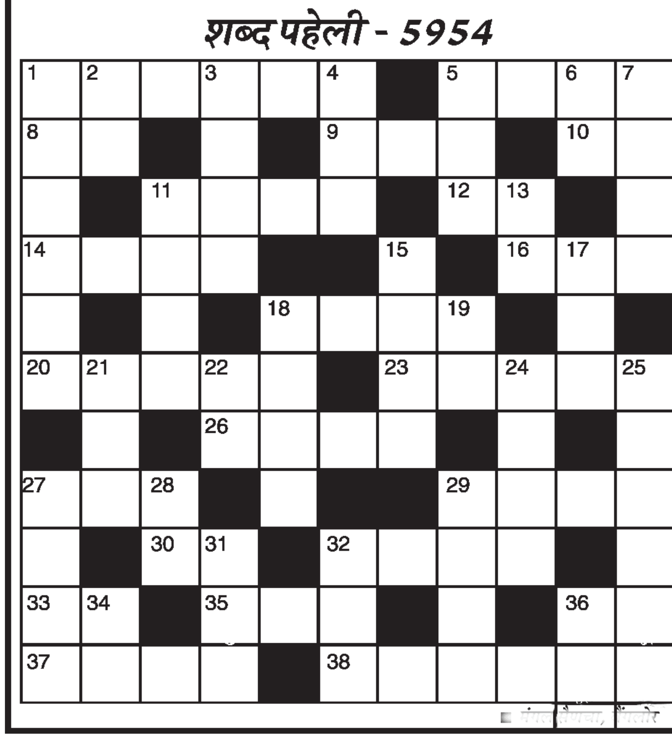

बाएँ से दाए
1. पवनपुत्र, हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब, तमीज-3
10. सत्य, तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम, आदर्शवादी-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
20. पागलपन, सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी, अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान, गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला, एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा, रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे
1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा, जीभ-3
5. घर, भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खीजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच, उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित, सही-3
22. पंख, पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद, सरूर-2
29. अनुसार, समान-4
31. निगाह, दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी, नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना, सुट्टा-2

शब्द पहेली- 5953 का हल

उ	प	चा	र		नि		वि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

सूडोकु नवताल - 5964

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5963 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

राशिफल

मेष मन में नकारात्मक विचारों से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है। माता का सानिध्य मिलेगा।

वृष व्यर्थ के क्रोध से बचें। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। संगीत में रुचि हो सकती है।

मिथुन भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अनियोजित खर्चों में वृद्धि हो सकती है। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

कर्क क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

सिंह नौकरी में तरक्की के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। यात्रा पर जाना हो सकता है। संयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

कन्या धार्मिक संगीत में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार का विस्तार हो सकता है। परिश्रम अधिक रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

तुला व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। स्वभाव में चिड़चिड़ापन रहेगा। धन की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। माता से धन की प्राप्ति हो सकती है।

धनु पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आलस्य की अधिकता रहेगी। कारोबार का विस्तार होगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बहन-भाइयों का सहयोग मिलेगा।

कुंभ कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। कुटुम्ब के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। बातचीत में संयत रहें।

मीन शैक्षिक कार्यों में मन लगेगा, परन्तु शैक्षिक कार्यों में कठिनाई भी आ सकती है। जीवनसाथी से मतभेद बढ़ सकते हैं। सुखद समाचार मिलेगा।

तय कर सही स्कीम में निवेश करने से मिलेगा फायदा | म्यूचुअल फंड और गोल्ड निवेश करके बड़ा फंड तैयार करें | अपनी पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें, विविधता रखें

प्लानिंग बनाकर करें निवेश, 10 साल में बन सकते हैं करोड़पति

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

जब भी बात करोड़पति बनने की आती है तो ऐसा लगता है कि यह बहुत मुश्किल है। काफी लोग एक लाख रुपये महीने की सैलरी होने के बावजूद एक करोड़ रुपये का फंड इकट्ठा नहीं कर पाते हैं। हालांकि यह प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो यह कुछ मुमकिन है। आप सही प्लानिंग के जरिए निवेश करके मात्र 10 साल में ही करोड़पति बन सकते हैं। अगर आपकी उम्र 35 साल है और आप अगले 10-12 सालों में 1 करोड़ रुपये का फंड बनाना चाहते हैं, तो ये जानकारी आपके लिए काफी अहम हो सकती है।

जानकारों के अनुसार म्यूचुअल फंड और गोल्ड आदि जगह निवेश करके बड़ा फंड तैयारी किया जा सकता है। म्यूचुअल फंड का रिटर्न शेयर मार्केट के प्रदर्शन पर निर्भर करता है। जानकारों के मुताबिक पूरी रकम एक ही जगह निवेश न करें। पोर्टफोलियो में विविधता होनी चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार करोड़पति बनने के लिए जल्द से जल्द निवेश शुरू कर देना चाहिए। अगर कोई शख्स 35 साल की उम्र में निवेश शुरू करता है तो वह 10 से 12 साल में करोड़पति बन सकता है। हालांकि इस दौरान निवेश में रिस्क लेना भी जरूरी होगा। इसके लिए कुछ रिश्क लें और लंबी अवधि के निवेश का प्लान तैयार कर आगे बढ़ें। इससे आप आसानी से करोड़पति बना पाएंगे और अपने धन से भविष्य को सुरक्षित कर पाएंगे। एक्सपर्ट कहते हैं कि कम जोखिम वाले निवेश से बहुत ज्यादा रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। उदाहरण के लिए, लार्जकैप स्कीम्स ने पिछले पांच सालों में 14.02% का रिटर्न दिया है। इसका मतलब है कि अगर आप कम जोखिम लेंगे, तो आपको रिटर्न भी थोड़ा कम मिलेगा।

कहां करें निवेश

आप अपने पैसे को अलग-अलग जगहों पर निवेश कर सकते हैं। जैसे कि 20% ग्रोथ वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% वैल्यू वाले फ्लेक्सी कैप फंड में, 20% कॉन्ट्रा फंड में, 20% ग्रोथ वाले मिडकैप फंड में और 20% ग्रोथ वाले स्मॉल कैप फंड में निवेश कर सकते हैं। इस तरह से निवेश करने से आप अलग-अलग मार्केट कैप और स्टाइल में निवेश कर पाएंगे। इससे आपके पैसे के डूबने का खतरा कम होगा और आपको अच्छा रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाती है।

करोड़पति बनने के लिए कितना निवेश करें

अगर आप 10 साल में 12% सीएजीआर (कंपाउंडेड एनुअल ग्रोथ रेट) के साथ 1 करोड़ रुपए का फंड तैयार करना चाहते हैं, तो आपको हर महीने 45,000 रुपए एसआईपी के जरिए म्यूचुअल फंड में निवेश करनी होगी। वहीं, 12 साल में करोड़पति बनना चाहते हैं तो यह निवेश 35,000 रुपए महीने का होगा। हालांकि 10 से 12 साल बाद एक करोड़ रुपए की वैल्यू कम हो जाएगी। इसलिए एक्सपर्ट कहते हैं कि हर साल एसआईपी की रकम 5 से 10 फीसदी बढ़ाते जाएं।

गोल्ड कितना जरूरी

सोने में निवेश को लेकर अलग-अलग एक्सपर्ट की राय अलग-अलग है। कुछ जानकार सोने में निवेश को अच्छा मानते हैं तो कई का कहना है कि इसमें रिटर्न कोई फिक्स नहीं है। इतिहास में ऐसे कई मौके आए हैं जब सोने ने नेगेटिव रिटर्न दिया है। यानी इसने निवेशकों का नुकसान किया है। वहीं कई बार पॉजिटिव रिटर्न न के बराबर रहा है।

ऐसे करें निवेश की प्लानिंग

चरण 1 : वित्तीय लक्ष्यों का निर्धारण

1. **लक्ष्यों की पहचान:** अपने वित्तीय लक्ष्यों को निर्धारित करें, जैसे कि रिटायरमेंट के लिए बचत, बच्चों की शिक्षा, या घर खरीदना।
2. **लक्ष्यों की प्राथमिकता:** अपने लक्ष्यों को प्राथमिकता दें और उनकी समय सीमा निर्धारित करें।

चरण 2 : जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन

1. **जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन:** अपनी जोखिम सहनशक्ति का मूल्यांकन करें और यह निर्धारित करें कि आप कितना जोखिम उठाने को तैयार हैं।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 3 : निवेश विकल्पों का चयन

1. **निवेश विकल्पों की जानकारी:** विभिन्न निवेश विकल्पों की जानकारी प्राप्त करें, जैसे कि स्टॉक, म्यूचुअल फंड, ईटीएफ, और बॉन्ड।
2. **निवेश विकल्पों का चयन:** वित्तीय लक्ष्यों व जोखिम सहनशक्ति के अनुसार निवेश विकल्पों का चयन करें।

चरण 4 : निवेश योजना का निर्माण

1. **निवेश योजना का निर्माण:** अपने वित्तीय लक्ष्यों और निवेश विकल्पों के अनुसार योजना बनाएं।
2. **निवेश की राशि:** निवेश की राशि निर्धारित करें और नियमित निवेश करने का निर्णय लें।

चरण 5 : निवेश की निगरानी और समीक्षा

1. **निवेश की निगरानी:** अपने निवेश की निगरानी करें और आवश्यकतानुसार बदलाव करें।
2. **निवेश की समीक्षा:** यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर रहे हैं।

अतिरिक्त सुझाव

1. **विविधीकरण** : अपने निवेश को विविध बनाएं और एक ही निवेश विकल्प में अधिक जोखिम न उठाएं।
2. **नियमित निवेश** : नियमित निवेश करने से आपके निवेश की राशि बढ़ सकती है।

स्पेशियलाइज्ड इन्वेस्टमेंट फंड

चढ़ते व गिरते दोनों शेयरों पर दांव लगाने का मौका

काम की बात
बिजनेस डेस्क

स्पेशियलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) गिरते बाजार में भी पैसे कमाने का मौका देता है। लेकिन, यह फंड कमजोर दिल वाले इनवेस्टर्स के लिए नहीं है। हाल में सेबी ने एसआईएफ की नई कैटेगरी शुरू की थी। क्वांट इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड (क्यूएसआईएफ) इस कैटेगरी का इंडिया का पहला फंड है। यह इनवेस्टमेंट के लिए हेज-फंड स्टाइल की स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। इसका मतलब है कि यह एक ही समय में लॉन्ग पोजीशन और शॉर्ट पोजीशन या इसके ऑपोजिट पोजीशन लेने की इजाजत देता है। यह म्यूचुअल फंड के फ्रेमवर्क के तहत आता है। इसका मतलब है कि इस पर रेगुलेटर की नजर रहती है। यह इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा का भी ध्यान रखता है। उतारचढ़ाव वाले बाजार में शॉर्टिंग से मुनाफा कमाने की गुंजाइश होती है। क्वांट म्यूचुअल फंड के फाउंडर और सीआईओ संदीप टंडन ने कहा, अगर आपके पास स्ट्रॉन्ग रिसर्च है, अच्छा एनालिटिक्स है और सॉलिड माइक्रो व्यू है तो शॉर्टिंग से आप मार्केट में दोनों तरह की स्थितियों में पैसे कमा सकते हैं। आपको स्टॉक के चढ़ने का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। गिरते स्टॉक्स से मुनाफा कमाना सेबी के फ्रेमवर्क के तहत लीगल है। यह उन इनवेस्टर्स के लिए अहम टूल है जो इसके इस्तेमाल का तरीका जानते हैं।

यह किस स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है

यह फंड लॉन्ग-शॉर्ट स्ट्रेटेजी का इस्तेमाल करता है। यह ऐसे स्टॉक्स को खरीदता है, जिनकी कीमतें चढ़ने की उम्मीद होती है और साथ ही उन स्टॉक्स को शॉर्ट करता है जिनकी कीमतें गिरने के आसार होते हैं। इस स्ट्रेटेजी की वजह से मार्केट किसी भी दिशा में जाए इनवेस्टर्स को मुनाफा होता है। गिरने वाले और चढ़ने वाले शेयरों की पहचान फंड मैनेजर करता है। इसके लिए फंडामेंटल और टेक्निकल एनालिसिस का इस्तेमाल होता है।

टैक्स के कौन से नियम लागू होते हैं

टैक्स के मामले में एसआईएफ पर म्यूचुअल फंड्स के नियम लागू होते हैं। इस वजह से यह एआईएफ या पीएमएस के मुकाबले ज्यादा फायदेमंद हो जाता है। सहजमनी के फाउंडर और चीफ इनवेस्टमेंट एडवाइजर अभिषेक कुमार ने कहा, क्यूएसआईएफ जैसे इक्विटी ओरिएंटेड एसआईएफ के शॉर्ट टर्म गेंस पर 20 फीसदी टैक्स लगता है, जबकि लॉन्ग टर्म गेंस पर 12.5 फीसदी टैक्स लगता है। एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपए का गेंस टैक्स-फ्री है।

न्यूनतम इनवेस्टमेंट कितना है

एसआईएफ में कम से कम 10 लाख रुपये का निवेश जरूरी है। यह पीएमएस में न्यूनतम 50 लाख रुपए और एआईएफ में न्यूनतम 1 करोड़ रुपए के निवश के मुकाबले कम है। सैंक्टम वेल्थ में इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट्स के हेड अलख यादव ने कहा कि न्यूनतम निवेश कम होने से यह ज्यादा इनवेस्टर्स के दायरे में आ जाता है। इसके अलावा चूंकि यह सेबी के नियम और कानून के तहत ऑपरेट होता है, जिससे इस पर रेगुलेटर की नजर बनी रहती है। इससे इनवेस्टर्स के हितों की सुरक्षा होती है।

क्या आपको इनवेस्ट करना चाहिए?

एसआईएफ का इस्तेमाल इनवेस्टर को अपने सैटेलाइट पोर्टफोलियो की तरह करना चाहिए न कि कोर पोर्टफोलियो के एक हिस्से के रूप में। अगर कोई स्मार्ट इवेस्टर रिस्क और रिटर्न को बैलेंस करना चाहता है तो वह कुछ पैसा एसआईएफ में लगा सकता है। अगर वह 50 रुपये म्यूचुअल फंड में निवेश करना चाहता है तो वह इसमें से 15 रुपये एसआईएफ में लगा सकता है। इसका मतलब है कि म्यूचुअल फंड में कुल निवेश का 30 फीसदी वह एसआईएफ में इनवेस्ट कर सकता है।

क्या है एसआईएफ

स्पेशलाइज्ड इनवेस्टमेंट फंड (एसआईएफ) एक नया निवेश विकल्प है जो म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विस (पीएमएस) के बीच का ऑप्शन है। यह निवेशकों को अधिक जोखिम लेने और विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग करने की अनुमति देता है, जैसे कि लॉन्ग-शॉर्ट फंड। एसआईएफ में निवेश करने के लिए कम से कम 10 लाख की आवश्यकता होती है।

एसआईएफ की विशेषताएं

- **लॉन्ग-शॉर्ट फंड** : एसआईएफ में निवेशक दोनों तरह के स्टॉक खरीद और बेच सकते हैं, जिससे जोखिम कम करने और बेहतर लाभ पाने का मौका मिलता है।
- **अधिक जोखिम** : एसआईएफ में निवेश करने वाले निवेशकों को अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है, लेकिन इससे अधिक रिटर्न भी मिल सकता है।
- **टैक्स लाभ** : एसआईएफ में टैक्स की व्यवस्था म्यूचुअल फंड जैसी ही है, जो निवेशकों के लिए फायदेमंद हो सकती है।

एसआईएफ में निवेश करने के लाभ

- **अधिक फ्लेक्सिबिलिटी** : एसआईएफ में निवेशक विभिन्न निवेश रणनीतियों का उपयोग कर सकते हैं और अपने निवेश को अधिक फ्लेक्सिबल बना सकते हैं।
- **अधिक रिटर्न** : एसआईएफ में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल सकता है। लेकिन इसके लिए अधिक जोखिम उठाने की आवश्यकता होती है।

- फाइनेंशियल सफलता की पहली सीढ़ी है खर्चों पर रोक लगाना और भविष्य के लिए आय का 20 फीसदी बचाना
- अपने मंथली बिलों व खर्चों को कम कर बचा सकते हैं पैसे
- अपने बचे हुए पैसे को सही जगह निवेश करें, बढ़ेगा पैसा

पैसों का करें बेहतर मैनेजमेंट, नहीं होंगे परेशान

सैलरी को 'दीमक' की तरह खा जाते हैं बिल

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अक्सर लोगों को लगता है कि फाइनेंशियल रूप से मजबूत या फिर सफलता का मतलब बहुत ज्यादा पैसा कमाना है, लेकिन यह पूरी तरह सच नहीं होता है। असल में फाइनेंशियल सफलता की पहली और सबसे अहम सीढ़ी है अपने खर्चों पर रोक लगाना। जब आप अपने मंथली बिलों और खर्चों को कम करते हैं, तो फिर आपके पास बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए अधिक पैसा बचता है। तभी आप अपने पैसे को बढ़ा पाते हैं। असल में यह कोई मुश्किल काम नहीं है, जी हां कुछ आसान और सुनियोजित कदम उठाकर आप अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं और एक मजबूत वित्तीय फ्यूचर की नींव रख सकते हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे की कुछ टिप्स जो अपको आर्थिक सफलता की ओर ले जाएंगे।

पहला कदम : अपने खर्चों को पहचानें

सबसे पहले, आपको यह जानना होगा कि आपकी मेहनत की कमाई का पैसा कहां जा रहा है। इसके लिए, आप कम से कम एक महीने तक अपने हर छोटे-बड़े खर्च का हिसाब रखें। अपने सभी खर्चों को एक कॉपी में या मोबाइल ऐप में लिखें। इसमें किराए, किराने का सामान, ईएमआई, बिजली बिल से लेकर एक कप चाय का खर्च भी शामिल करें। यह कदम आपको यह समझने में हेल्प कर सकता है कि आप कहां-कहां फिजूलखर्ची कर रहे हैं।

दूसरा कदम बजट बनाएं

एक बात साफ है कि जब आप अपने खर्चों को पहचान लेंगे, तो अगला कदम होगा एक मासिक बजट बनाना है। अपनी इनकम के हिसाब से हर चीज के लिए एक लिमिट तय करें. बजट बनाने से आपको अपने खर्चों को कंट्रोल करने में मदद मिल सकेगी। अपने खर्चों को दो पार्ट में बांटें।

अहम खर्च : किराया, ईएमआई, राशन, दवाई आदि।

गैर-जरूरी खर्च : बाहर खाना, ऑनलाइन शॉपिंग, मनोरंजन आदि।

तीसरा कदम : गैर-जरूरी खर्चों में कटौती

अधिक पैसा बचाने के लिए अपने गैर-जरूरी खर्चों में कटौती करें। इससे आपको हर महीने पैसे बचने लगेंगे। इस पैसे को आप अच्छी जगह पर निवेश करें। धीरे धीरे इस निवेश औश्र अचत को बढ़ाते जाएंगा। इससे आपके हाथों में अधिक पैसा आएगा और आपकी बचत बढ़ती जाएगी। आप इन खर्चों में कर सकते हैं कटौती।

मनोरंजन : कई ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के सब्सक्रिप्शन लेने के बजाय, केवल एक या दो का ही यूज करें।

खान-पान : बाहर से खाना ऑर्डर करने की जगह, घर पर खाना बनाने की आदत डालें। इससे आपके पैसे और हेल्थ दोनों बचेंगे।

शॉपिंग : अनावश्यक और आवेगपूर्ण खरीदारी से बचें। जब कोई चीज जरूरी हो तभी खरीदें।

चौथा कदम : बड़े बिलों को कम करें

आपको अपनी बचत बढ़ाने के लिए अपने सबसे बड़े मासिक बिलों को कम करने के तरीके खोजने होंगे या कमाई को बढ़ाना होगा। कोई भी पार्टटाइम काम करें। फ्रीलॉन्सिंग भी कर सकते हैं। इससे आपको पैसे बचेंगे। बिजली का बिल ज्यादा है। गैर जरूरी उपकरणों को बंद कर दें। घर लाइट उतनी ही जलाएं, जितनी जरूरत हो। कुछ बिलों में ऐसे कर सकते हैं कटौती।

बिजली बिल : घर में एलईडी लाइट का यूज करें, पुराने और ज्यादा बिजली खाने वाले उपकरणों को बदलें और जरूरत न होने पर पंखे, एसी और लाइट बंद करें।

फोन और इंटरनेट : अपने फोन और इंटरनेट प्लान की तुलना करें। कई बार, कंपनियां बेहतर ऑफर दे रही होती हैं, जिनसे आपका बिल कम हो सकता है।

लोन की ईएमआई : अगर आपके पास पुराना लोन है, तो उसकी ब्याज दर को कम करने के लिए बैंकों से बात करें।

पांचवां कदम : बचत को प्राथमिकता दें

अपने मंथली खर्चों को कम करने के बाद, जो भी पैसा बचे उसे तुरंत बचत और इन्वेस्टमेंट में लगाएं। 'खुद को पहले भुगतान करें' के रूल को अपनाएं। इसका मतलब है कि सैलरी आने पर सबसे पहले बचत और इन्वेस्टमेंट के लिए पैसा निकालें, फिर बाकी बचे पैसों से खर्च करें। इससे साफ है कि मंथली बिलों को कम करना एक आदत है, जिसे लगातार कोशिश से अपनाया जा सकता है। यह कोई बड़ा काम नहीं होता है, बल्कि छोटे-छोटे कदमों का एक बड़ा रूप होता है। इन कुछ कदमों को उठाकर आप ना केवल अपने मंथली खर्चों को कम कर सकते हैं, बल्कि अपने वित्तीय लक्ष्यों को भी हासिल कर सकते हैं और एक सेफ फ्यूचर की नींव रख सकते हैं।

IN The Court Of XXIV Civil Judge Class-I, District Court, Bhopal

Presiding Officer: श्रीमती शीला मैना यादव
आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC SUC/0000049/2025)

प्रीता शर्मा ....आवेदक
Vs
श्रीमती मंजू शर्मा .... अनावेदक

Process Id-/2025
पेशी दिनांक: 16/09/2025

प्रेषिती-
(1) सर्वसाधारण पता- भोपाल
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रीता शर्मा पता-म.नं. 403, में मृतक स्व.श्री विवेक शर्मा आ.स्व.श्री विश्वनाथ शर्मा, निवासी -170 सेक्टर डी, सर्वधर्म कॉलोनी, महाबली गेट के पास, कोलार रोड, भोपाल-42 म.प्र.की बीमा क्लेम, बैंक में जमा, कर्मचारी मृत्यु दावा राशि शेयर, म्यूच्यल फंड में जमा राशि एवं चल संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/ संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक 16 September 2025 को नियत है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक 16 September 2025 को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें। सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।
यह आज तारीख 30 July 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश
(श्रीमती शीला मैना यादव)
चौबीसवें व्ययहार न्यायाधीश,
वरिष्ठ खण्ड भोपाल (म.प्र.)

स्टूडेंट लाइफ में फाइनेंशियल मैनेजमेंट घटा सकता है परेशानी
बजट बनाकर फ्यूचर प्लानिंग भी छात्रों के लिए बेहतर

इन्हें अपनाने से कम पैसों में भी जी सकते हैं बॉस वाली जिंदगी

स्टूडेंट लाइफ में करें मनी मैनेजमेंट, भविष्य में धन की नहीं रहेगी कमी, अमीर बनने के लिए हर छात्र कुछ अहम टिप्स को अपनाएं

प्लानिंग
बिजनेस डेस्क

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग्स की आदत डालना फ्यूचर के लिए सबसे मजबूत नींव हो सकती है। सेविंग्स को कभी भी जो बचेगा, वही बचाऊंगा की सोच से ना देखें, बल्कि इसे अपनी प्रायोरिटी बनाएं। छोटे-बड़े बचत लक्ष्य तय करें। जब कोई टारगेट तय होता है तो बचत करना आसान और प्रेरणादायक लगता है। हमेशा ट्राई करें कि आपकी आय का 10% या 20% हिस्सा सीधे बचत खाते में डालें।

विद्यार्थी लाइफ अक्सर उत्साह, सीखने और नए अनुभवों से भरा होती है, लेकिन इसी दौरान पैसों का मैनेजमेंट बहुत बड़ी चुनौती भी साबित हो सकता है। कॉलेज की फीस, किताबों का खर्च, हॉस्टल का किराया, खाना-पीना, और मनोरंजन के खर्चे इन सभी को मैनेज करना कभी बार मुश्किल हो जाता है, लेकिन अगर स्टूडेंट टाइम में ही बजट बनाना और पैसों का सही मैनेजमेंट सीख लिया जाए तो फ्यूचर आर्थिक परेशानियों से बच सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि छात्रों को शुरू से ही मनी मैनेजमेंट पर ध्यान देना चाहिए ताकि भविष्य की दिक्कतों से दूर रहा जा सके और छात्र आसानी से धनवान बन सकें। अच्छी फाइनेंशियल आदतें न केवल आपको कर्ज के जाल में फंसने से बचाती हैं, बल्कि आपको अपने टारगेट को प्राप्त करने में भी मदद करती हैं।

अपनी इनकम को ट्रैक करें

हर छात्र को अपने फाइनेंशियल लाइफ की शुरुआत सबसे पहले अपनी इनकम और खर्चों को ट्रैक करना चाहिए। चाहे पॉकेट मनी हो, स्कॉलरशिप या पार्ट-टाइम जॉब की आमदनी हो, सबका हिसाब रखना जरूरी होता है। इसके लिए आप एक छोटी डायरी, कोई बजटिंग ऐप या एक्सेल शीट का सहारा ले सकते हैं। स्टूडेंट रोजमर्रा के छोटे-छोटे खर्च जैसे स्नैक्स, ऑटो किराया या ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन को भी मेंशन करें।

एक्स्ट्रा इनकम के ऑप्शन खोजें

अगर आपका बजट लिमिटेड है तो खर्चों पर नियंत्रण के साथ-साथ इनकम बढ़ाने के ऑप्शन ढूंढें। आप पार्ट-टाइम जॉब जैसे ट्यूटरिंग, कैंपस असिस्टेंटशिप या फ्रीलांसिंग का ऑप्शन चुन सकते हैं। साथ ही आपकी हॉबी भी कमाई का जरिया बन सकती है।

होमी भाभा विज्ञान शिक्षा केंद्र
टाटा मूलभूत अनुसंधान संस्थान
राष्ट्रीय ओलंपियाड कार्यक्रम 2025-2026
खगोल विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, जूनियर विज्ञान में

इस कार्यक्रम में भाग लेने के इच्छुक सभी छात्रों को **22 और 23 नवंबर, 2025** को **भारतीय भौतिकी शिक्षक संघ (IAPT)** द्वारा आयोजित **राष्ट्रीय मानक परीक्षाओं (NSE)** (विज्ञान विषयों के लिए) में शामिल होना होगा।

NSE में योग्यता प्राप्त करना संबंधित **अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड 2026** में भाग लेने की दिशा में पहला कदम है।

नामांकन के लिए:
NSEs: https://www.iapt.org.in
(21 अगस्त – 14 सितंबर, 2025)

अधिक जानकारी के लिए: https://olympiads.hbcse.tifr.res.in
https://www.iapt.org.in

CBC 48143/12/0005/2526

भारत के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ वार अदावत का रुख अख्तियार करता जा रहा है। ट्रंप ने अपने टैरिफ वार से विश्व के देशों की आंखें खोली हैं कि अमेरिका किसी भी देश का हितैषी नहीं है, उसे बस अपने से मतलब है। ट्रंप ने विश्व में अमेरिका के लोकतंत्र के रक्षक, ग्लोबल ऑर्डर के नियंता और महाशक्ति होने के तिलिस्म को भी तोड़ दिया है। अब अमेरिका एक साधारण राष्ट्र है, जो अपने बेशुमार कर्ज से उबरने के लिए संघर्षरत है। भारत पर ट्रंप के 50 फीसदी शुल्क ऐलान के बाद नई दिल्ली ने संयमित रहते हुए वाशिंगटन को दो टूक संदेश दिया है कि वह अपने राष्ट्रीय हितों व ऊर्जा सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। भारत के लिए अमेरिका ने शुल्कात्याचार से ऐसी संकटपूर्ण स्थिति पैदा कर दी है कि वह नए वैश्विक ऑर्डर की तरफ सरक रहा है। पीएम मोदी एससीओ की बैठक में चीन जा सकते हैं, चीन ने इसका स्वागत किया है, वहां मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग मिल सकते हैं। मोदी व पुतिन ने बात की है, वर्ष के अंत तक रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत आएंगे। ब्राजील ने मोदी व शी के साथ सहयोग बढ़ाकर टैरिफ वार का हल निकलने की बात की है। यानी ब्रिक्स ध्रुवीकृति हो रहा है। मौजूदा परिस्थिति में भारत के लिए अपनी ट्रेडकूटनीति को आगे बढ़ाने के मौके का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

भारत के लिए ट्रेडकूटनीति का मौका

विश्लेषण
प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

> **अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का ट्रंप का दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए भारत को भी अपना निशाना बना डाला। इसमें कोई शक नहीं कि भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर**

सात अगस्त को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध अपने द्वारा ही घोषित किए गए आयात शुल्क को 25 प्रतिशत से दो गुना करके 50 प्रतिशत कर दिया। अधिक वक्त पुराना दौर नहीं था, जबकि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तक़रीर पर अमेरिका की संसद में जोरदार तालियां गूंज उठीं थी। एक ऐतिहासिक वक्त इस बात का गवाह रहा कि दो शक्तिशाली ध्रुवों के मध्य फिर से निरंतर विभाजित हो रही दुनिया में भारत वस्तुतः अमेरिका का एक भरोसेमंद पार्टनर बनता जा रहा था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बहुत ही खुले दिल और गर्म जोशी से नरेंद्र मोदी का खैरमक़दम किया था। इस शानदार खैरमक़दम के पीछे जो बाइडेन के दो रणनीतिक मक़सद थे। पहला मक़सद था कि यूक्रेन पर रूस के हमले के मामले में भारत को स्पष्ट कूटनीतिक रुख अख्तियार करने के लिए रजामंद करना। दूसरा मकसद था कि भारत को एक ऐसे गठबंधन में बाकायदा शामिल करना जो कि चीन के निरंतर बढ़ते हुए वैश्विक प्रभाव का बखूबी सामना कर सके।

प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा भारत

डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी दफा राष्ट्रपति पद पर सत्तासीन होने से ठीक पहले तक, भारत यकीनन अमेरिका की दृष्टि में केवल उसका सिर्फ एक व्यापारिक साझेदार ही नहीं था, वरन् एक प्रबल रणनीतिक साझेदार भी रहा। अमेरिका की नजरों में भारत एशिया में लोकतंत्र का सबसे प्रबल पैरोकार और ताकतवर स्तंभ भी रहा। राष्ट्रपति डब्ल्यू जार्ज बुश से लेकर जो बाइडेन तक अमेरिका के सभी राष्ट्रपतियों द्वारा भारत को रणनीतिक नजरिए से फ्री एंड ओपेन इंडो पैसेफिक के लिए अत्यंत आवश्यक सहयोगी करार दिया गया। अमेरिका और भारत द्वारा एकजुट होकर रक्षा, विज्ञान, तकनीक, नौसेनिक अभ्यास, और क्वाड फ्रंट में एक प्रबल सहयोगी के तौर पर शानदार काम अंजाम दिया। वर्ष 2024 में भारत और अमेरिका द्वारा दस वर्षीय रक्षा रोडमैप का सृजन किया गया और परस्पर व्यापार को 500 अरब डालर तक ले जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह संबंध को आगे ले जाने की पहल थी।

अमेरिका गंवा सकता है करीबी साझेदार

अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के विरुद्ध टैरिफ बम प्रयोग करने की जो आक्रामक व्यापारिक रणनीति अख्तियार की है, बाकायदा इसके चलते हुए अमेरिका द्वारा एशिया में भारत सरीखे एक करीबी साझेदार को निश्चित तौर पर गंवाया जा सकता है। दिल्ली स्थित आर्थिक मामलों के एक थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनीशिएटिव का तथ्यात्मक और तार्किक अनुमान है कि अमेरिका को भारत द्वारा निर्यात किए जाने वाले सामान 50 प्रतिशत तक गिर सकते हैं। इसी वर्ष 2025 के फरवरी महीने में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अमेरिका की यात्रा पर थे, तो उस वक्त भी राष्ट्रपति ट्रंप की नीतियों में अनेक अंतरराष्ट्रीय जानकार एक गहरी अंतरविरोधी रणनीतिक उलझन देख रहे थे। अमेरिका के जाने माने अर्थशास्त्री मिल्टन फ्रीडमैन का कथन है कि डोनाल्ड ट्रंप का बुनियादी चरित्र एक कुशल व्यापारी का रहा है, ना कि एक प्रखर दूरदर्शी राजनेता का। अतः राष्ट्रपति ट्रंप व्यापारिक संबंधों को कूटनीतिक हथियार को तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। राष्ट्रपति चुनाव से पहले डोनाल्ड ट्रंप ने मिथ्या दंभ से परिपूर्ण एक घोषणा की थी कि अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के 24 घंटे के अंदर ही यूक्रेन और रूस की जंग को खत्म करा देंगे, लेकिन ट्रंप को राष्ट्रपति पद की शपथ लिए हुए तकरीबन सात महीने व्यतीत हो चुके हैं और रूस-यूक्रेन जंग को समाप्त कराने का उनका दंभपूर्ण दावा एकदम खोखला साबित हुआ। अतः राष्ट्रपति ट्रंप ने युद्धरत रूस की अर्थव्यवस्था पर प्रबल प्रहार करने के लिए रणनीतिक मित्र राष्ट्र भारत को भी अपना निशाना बना डाला।

दोनों देशों को होगा आर्थिक नुकसान

आर्थिक संकट की इस विकट घड़ी में भारत के लिए आखिरकार आगे का क्या रास्ता है? चीनी कूटनीति के जाने माने विशेषज्ञ हुआंग का कहना है कि डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ बम हमले में भारत को तात्कालिक तौर पर जबरदस्त आर्थिक नुकसान उठाना ही होगा। भारत के विरुद्ध ट्रंप द्वारा प्रारम्भ की गई टैरिफ वार में अमेरिका को भारत से भी कहीं ज्यादा नुकसान उठाना पड़ेगा, क्योंकि विश्व पटल पर ट्रंप की विदेश नीति एक बेहद गलत दिशा में प्रस्थान कर चुकी है। डिप्लोमेट हुआंग को प्रतीत होता है कि अमेरिका की इस आक्रामक रणनीति से भारत और चीन कूटनीतिक तौर पर एकदम निकट आ सकते हैं। कूटनीतिक निकटता के इस प्रस्थान बिंदु से चीन और भारत एक साथ अमेरिका के व्यापारिक दबाव का जमकर मुकाबला करने के लिए खड़े हो जाएंगे। हुआंग के मुताबिक शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शिरकत करना तकरीबन तय हो चुका है। चीन स्वागत को तैयार है।

भारत का ट्रंप को ताकतवर पैगाम

एससीओ के शिखर मंच पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग का एक साथ खड़ा होना ही डोनाल्ड ट्रंप के लिए ताकतवर पैगाम होगा कि चीन की तरह से भारत भी किसी अंतरराष्ट्रीय अमेरिकन धौंस और दबाव के आगे कदाचित नहीं झुकेगा। पीएम मोदी ने न झुकने का ऐलान भी किया है। ट्रंप ने चीन पर प्रारंभ में 50 प्रतिशत टैरिफ आयद किया था। उसके प्रत्युत्तर में चीन द्वारा अमेरिका पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया तो चीन द्वारा भी अमेरिका पर 100 प्रतिशत टैरिफ आयद किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप के टैरिफ आक्रमण का चीन द्वारा ट्रंप को उन्हीं की टैरिफ रणनीति में कड़ा आक्रामक जवाब दिया गया। राष्ट्रपति ट्रंप अंततः चीन के विरुद्ध एकदम नरम पड़ गए और चीन पर केवल 10 प्रतिशत टैरिफ आयद करने पर आकर टिक गए। उल्लेखनीय है कि अपने विगत कार्यकाल में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा चीन के विरुद्ध ट्रेड वार संचालित करने का ऐलान किया गया था। आखिरकार क्या परिणाम निकला। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में चीन और अधिक ताकतवर होकर उभरा। राष्ट्रपति ट्रंप अपनी मिथ्या वाणी और दबाव परिवर्तित करने के लिए सारी दुनिया में जाने पहचाने गए हैं। अमेरिका के प्रति चीन का दृष्टिकोण और कार्यनीति से एकदम पृथक रही। अमेरिका द्वारा भारत पर आयद 50 प्रतिशत टैरिफ पर वस्तुतः भारत सरकार की प्रतिक्रिया अत्यंत संतुलित किंतु दो टूक रही है।

टैरिफ का फैसला अनुचित और बेबुनियाद

भारतीय विदेश मंत्रालय ने राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ आयद करने के फैसले को एकदम अनुचित और बेबुनियाद करार दिया है। भारत सरकार का कहना है कि भारत को अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं को मद्देनजर रखते हुए तेल आयात करने का निर्णय लेना है। यकीनन भारत ने टैरिफ आयद करने पर अमेरिका को चीन और ब्राजील के लहजे में कदाचित नहीं ललकारा है। भारत सरकार ने अत्यंत शालीन और संतुलित शब्दों में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भारत सरकार द्वारा अपने बयान में फिर से दोहरा दिया गया है कि अपने राष्ट्रीय हितों की हिफाजत करने की खातिर सभी आवश्यक फैसले ले लिए जाएंगे। भारत वस्तुतः अमेरिका से कोई कूटनीतिक तकरार में उलझना नहीं चाहता है। विगत दो दशक में निर्मित हुए भारत-अमेरिका संबंधों को कदाचित बिगाड़ना नहीं चाहता है। स्मरण करें कि जब एक ऐतिहासिक दौर में अमेरिका द्वारा पाकिस्तान को सैन्य संगठन सेंट्रल ट्रीट्री ऑर्गेनाइजेशन (सेंटो) का सदस्य बनाया, पाक के साथ सैन्य संधि अंजाम देकर भारत के विरुद्ध उसको आधुनिकतम हथियारों से सन्नद किया था। उस दौर में भी भारत ने अमेरिका के साथ अपने कूटनीतिक संबंधों को सदैव सहज और सामान्य बनाए रखा था। भारत द्वारा गुटनिरपेक्ष नीति का परिपालन करते हुए कोल्ड वार के विकट दौर में भी दो शक्तिशाली सैन्य ध्रुवों के मध्य अपने कूटनीतिक संतुलन को कायम बनाए रखा गया था। सन् 1956 में स्वेज कैनाल सैन्य संकट और सन् 1961 में क्यूबा सैन्य संकट के दौरान विश्वयुद्ध के कगार पर खड़ी दुनिया को बचाने और संकटों का निदान करने के लिए इतिहास भारत के किरदार को स्मरण करेगा। यही कारण था कि 1962 में जब भारत पर चीन ने सैन्य आक्रमण अंजाम दिया था, उस वक्त भारत के पक्ष में सोवियत रूस और अमेरिका एक साथ खड़े हो गए थे। भले ही लोकतांत्रिक भारत में सरकारें तब्दील होती रही हैं किंतु भारत अपनी कसौटी पर खरी उतरी स्वतंत्र विदेश नीति पर निरंतर कायम बना रहा है।

मोदी का चीन दौरा महत्वपूर्ण सिद्ध होगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संभावित चीन दौरा भी बहुत महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की विदेश नीति अपने मित्र देशों पर टैरिफ के जरिए केवल कूटनीतिक दबाव कायम करने की कुटिल रणनीति है। रूस-भारत-चीन (आरआईसी) कूटनीतिक त्रिकोण को निर्मित करने का प्रयास निरंतर गति से जारी है। यदि वास्तव में यह प्रस्तावित कूटनीतिक त्रिकोण व्यवहार में आकार ले लेता है तो फिर भारत-चीन के मध्य विद्यमान रहा तनाव समाप्त हो सकता है। पाकिस्तान के प्रति चीन द्वारा अंजाम दिया जा रहा अंध समर्थन खत्म हो सकता है। राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के लिए रेड कार्पेट के स्थान पर कांटे बिछा दिए गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को उम्मीद है कि टैरिफ आक्रमण से संभवतया रूस के साथ अपने गहरे व्यापारिक और सामरिक ताल्लुकात को तोड़ लेने के लिए भारत सरकार को विवश कर सकेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप को तनिक भी एहसास नहीं है कि भारतीय जनमानस में रूस के प्रति कितना गहन लगाव विद्यमान रहा है। जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अमेरिका सहित समस्त पश्चिम कश्मीर पर भारत के विरुद्ध एकजुट था, तब तत्कालीन सोवियत रूस ने भारत के पक्ष में छह दफा वीटो का इस्तेमाल किया था। भारत इसको कैसे भूल सकता है। बांग्लादेश युद्ध के दौर में जब अमेरिका खुलकर पाकिस्तान के पक्ष में खड़ा हो गया था तो केवल रूस की सक्रिय इमदाद और सैन्य समर्थन से भारत ने यह युद्ध निर्णायक तौर पर जीत लिया था। आजादी के बाद भारत की औद्योगिक प्रगति में सोवियत रूस द्वारा अविस्मरणीय योगदान प्रदान किया गया। केंद्र में कोई भी हुकूमत कायम रहे, वह भारतीय जनमानस के रूस के प्रति अगाध सम्मान और स्नेह की उपेक्षा करके अमेरिका के दबाव में रूस से भारत का ऐतिहासिक संबंध तल्ख करने का खतरा नहीं उठा सकती।

वैश्विक अर्थव्यवस्था हो सकती है प्रभावित

ट्रंप टैरिफ
प्रो. महेश चंद गुप्ता
शिक्षाविद्, विचारक एवं चिंतक

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक होने के कारण अमेरिका लंबे समय से वैश्विक आर्थिक नीतियों पर दबदबा बनाए हुए है। यह दबदबा अब खुलेआम दादागिरी का रूप ले चुका है, खासकर जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मनमाने टैरिफ लगाकर देशों को आर्थिक रूप से झुकाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ की घोषणा ने इस दादागिरी को और स्पष्ट कर दिया है। यानी कुल मिलाकर 50 फीसदी का टैरिफ। यह न सिर्फ व्यापारिक प्रतिस्पर्धा को प्रभावित करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापार संतुलन पर भी असर डालेगा। ट्रंप को भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर आपत्ति है, जबकि विडंबना यह है कि चीन भी यही कर रहा है और अमेरिका स्वयं रूस से यूरेनियम और खाद खरीद रहा है। यानी सिद्धांत और व्यवहार में अमेरिकी नीति दोहरे मानदंडों से भरी है। सवाल यह है कि भारत क्यों अपने हितों को ताक पर रखकर अमेरिकी दबाव में काम करे? कल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भारत पर टैरिफ बढ़ोतरी के एलान के बाद पहली बार एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिक्रिया ने भारत के अडिग रुख को और मजबूती से सामने रखा है। उससे भारत का अडिग रवैया परिलक्षित हो रहा है।

राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता

मोदी ने साफ कह दिया है कि हमारे लिए, हमारे किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है, चाहे उसके लिए कोई भी कीमत चुकानी पड़े। भारत किसानों, मछुआरों और डेयरी किसानों के हितों से कभी समझौता नहीं करेगा। यह वक्तव्य बताता है कि भारत अब वैश्विक दबावों के आगे नतमस्तक नहीं होगा। यूनाइटेड स्टेट्स ट्रेड रिप्रेजेंटेटिव (यूएसटीआर) के आंकड़ों के अनुसार भारत-अमेरिका के बीच वार्षिक व्यापार 11 लाख करोड़ रुपये का है। भारत अमेरिका को 7.35 लाख करोड़ रुपये का निर्यात करता है, जिसमें दवाइयां, दूरसंचार उपकरण, जेम्स-एंड-ज्वेलरी, पेट्रोलियम, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग उत्पाद और वस्त्र शामिल हैं। वहीं, अमेरिका से भारत 3.46 लाख करोड़ रुपये का आयात करता है, जिसमें कच्चा तेल, कोयला, हीरे, विमान व अंतरिक्ष यानों के पुर्जे शामिल हैं। लेकिन यहां चिंता की बात यह है कि चीन, वियतनाम, बांग्लादेश और इंडोनेशिया जैसे देशों पर अमेरिका ने इतना भारी शुल्क नहीं लगाया है, जिससे उनके उत्पाद भारतीय उत्पादों की तुलना में अमेरिकी बाजार में सस्ते पड़ेंगे। फिर भी, मोदी सरकार का रवैया दृढ़ है। साठ के दशक में हम गेहूं, दूध के लिए भी अमेरिका पर निर्भर थे लेकिन लगता है ट्रंप ने उन दिनों लिखी गई कोई किताब ताजा मानकर पढ़ ली है। उन्हें आज भी पुराना भारत दिख रहा है, जिसे वह झुकाने की सोच रहे हैं। उन्हें यह समझ में आ जाना चाहिए कि अब भारत पहले वाला भारत नहीं रहा है।

भारत बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था

भारत आत्मनिर्भर एवं विश्व में तेजी से बढ़ती हुई अर्थ व्यवस्था है। इसका पूरे विश्व में दबदबा बढ़ रहा है। उद्योग जगत भी इस दबाव को एक

अवसर के रूप में देख रहा है। उद्योगपति हर्ष गोयनका का कहना है कि अमेरिका निर्यात पर टैरिफ लगा सकता है, लेकिन हमारी संप्रभुता पर नहीं। आनंद महिंद्रा ने तो यह भी कहा कि जैसे 1991 के विदेशी मुद्रा संकट ने उदारीकरण की राह खोली थी, वैसे ही यह टैरिफ संकट भी हमें आत्मनिर्भरता की दिशा में गति दे सकता है। ललित मोदी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ट्रंप को 2023 की उस रिपोर्ट की याद दिलाई है, जो अमेरिका की कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने ही जारी की थी। गोल्डमैन सैक्स ने इस रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2075 तक दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, जो न केवल जापान और जर्मनी, बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। वर्तमान में, भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तेजी से आगे बढ़ रही है। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी कोई नई बात नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के बाद से ही वह वैश्विक आर्थिक नीतियों में अपनी शर्तें थोपता आया है, लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन पहले ही उसके दबाव में नहीं आ रहा और अब भारत भी साफ संकेत दे रहा है कि उसकी प्राथमिकता अपने राष्ट्रीय हित हैं। हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत-पाक युद्ध रोकने का श्रेय लेने की अमेरिकी कोशिश को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया। यही रुख अब टैरिफ विवाद में भी नजर आ रहा है। मोदी सरकार का लक्ष्य स्पष्ट है कि मेक इन इंडिया, वोकल फॉर लोकल और इंडिया फर्स्ट जैसी नीतियों के जरिये 2047 तक भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाना। ऐसे में ट्रंप की टैरिफ राजनीति भारत के आत्मनिर्भरता अभियान को और तेज कर सकती है। धैर्य और संयम के साथ नेतृत्व करना भारत की ताकत है। रामचरितमानस का वह प्रसंग याद आता है जब विभीषण ने युद्ध के समय श्रीराम से कहा कि रावण के पास सब कुछ है, पर आपके पास कुछ नहीं। तब श्रीराम ने उत्तर दिया कि सबसे बड़ी शक्ति धैर्य, शांति और सहनशीलता है। यही नीति आज भारत के नेतृत्व में झलक रही है, जहां ट्रंप अभिमान में हैं, वहीं भारत दृढ़ता और शांति के साथ आगे बढ़ रहा है। इतिहास ने साबित किया है कि अमेरिका कभी भी भारत का स्थायी मित्र नहीं रहा। ट्रंप की नीतियों का विरोध अमेरिका के भीतर भी हो रहा है। ऐसे में बदलते समीकरण भारत के लिए नए अवसर खोल सकते हैं। ट्रंप भले ही मनमाना रवैया अपनाए हुए हैं पर वह भी फंस रहे हैं। टैरिफ के मुद्दे पर उनका अमेरिका में भी विरोध हो रहा है। बदले परिदृश्य में नए वैश्विक समीकरण बनने की संभावनाएं हैं। ट्रंप का रुख चीन के साथ भारत के संबंधों को बदल सकता है। पीएम मोदी इस महीने के आखिर में सात सालों के बाद चीन के दौरे पर जा रहे हैं। वह वहां तिआनजिन में आयोजित होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) समिट में शामिल होंगे।

चीन से सुधर सकता है रिश्ता

मोदी का यह चीन दौरा ऐसे समय में होने जा रहा है, जब दोनों देशों के रिश्तों को सुधारने की कोशिशें चल रही हैं। भारत बहुत बड़ा बाजार है, जिसकी चीन को सख्त जरूरत है। भारत में जब भी स्वदेशी का मुद्दा उठता है तो चीन इसे अपने खिलाफ मानता है। स्वदेशी की अवधारणा का चीनी उत्पादों पर सर्वाधिक प्रभाव पड़ता है। ऐसे में चीन क्यों नहीं चाहेगा कि उसके भारत के साथ संबंध मधुर हों। खासकर, तब जब अमेरिका खुद ही भारत से दूरियां बढ़ा रहा है। चीन को भारत के विशाल बाजार की जरूरत है, और अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में दूरी बढ़ने से बीजिंग अपने संबंध सुधारने को उत्सुक होगा। अमेरिका की आर्थिक दादागिरी भले ही अभी भी जारी हो, पर बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत का आत्मविश्वास, अडिग रुख और दूरदर्शी नेतृत्व इसे न सिर्फ झेलने में सक्षम है, बल्कि इसे अपने विकास की सीढ़ी भी बना सकता है।

शुल्क युद्ध से एक हो रहे रूस, चीन व भारत

टैरिफ वार
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ पत्रकार

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप नीतिगत रूप से दिग्भ्रमित प्रतीत हो रहे हैं। पहल वे स्वयं डीप स्टेट के विरुद्ध अमेरिका और दुनिया में एक राजनीतिक विद्रोह छेड़े हुए थे, किंतु अब प्रतीत होता है कि वे भी व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं पूर्ण करने के चंगुल में फंसकर शुल्क युद्ध छेड़े हुए हैं। भारत के विरुद्ध दस-बारह से आरंभ हुआ अमेरिकी शुल्क युद्ध अभी 25 तथा अगस्त बीतने पर 50 प्रतिशत हो जाएगा। भारत और अमेरिका के बीच व्यापार की निर्धारित, प्रमान्य एवं एक दशक से चल रही लगभग संतुलित नीतियों को अमेरिका ने वास्तव में असंतुलित कर दिया है। वस्तु उद्योग, सेवा उद्यम और वस्तु व सेवा की अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति श्रृंखला को धरातल पर अमेरिकी पचास प्रतिशत शुल्क द्वारा वास्तव में कितनी हानि पहुंचेगी, यह तो बाद में ही पता चलेगा, लेकिन पचास प्रतिशत तक शुल्क बढ़ाने के अमेरिकी निर्णय ने भारत से संबंधों की गत एक दशक से बनी समझ, सामंजस्य तथा इसके परिणाम से उत्पन्न लाभ की स्थितियां लगभग समाप्त कर दी हैं। यह एक स्तर की हानि है। जैसे-जैसे समय व्यतीत होगा, दोनों देशों का व्यापार जगत, उपभोक्ता जगत, बैंकिंग, बीमा एवं शेयर बाजार का क्षेत्र भी भिन्न-भिन्न अज्ञात अर्थहानियों का सामना करेंगे।

रूस से तेल खरीद पर नाराज ट्रंप

राजनीतिक दृष्टिकोण के साथ भारतवासी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को कितना ही कोस लें, किंतु भारत पर शुल्क को पचास प्रतिशत तक बढ़ाने का निर्णय ट्रंप के व्यक्तिगत अहंकार, हठ एवं श्रेष्ठता के दंभ के आलोक में ही नहीं देखा जाना चाहिए। वास्तव में यह यही इंगित करता है कि अमेरिका को रूस से कच्चा तेल आयात करने के भारत के जिस कार्य व निर्णय से सर्वाधिक समस्या है, उससे भारत को 2022 के बाद अत्यधिक लाभ हुआ है। लगभग पूरे वर्ष तक संपूर्ण यूरोप भारत के उस परिशोधित ईंधन पर ही आश्रित रहा, जो समुद्र या धरती के विशेष स्थानों से उत्खन्न के बाद रूस द्वारा सीधे भारत को आयात किया जा रहा था। रूस से कच्चे तेल का आयात और परिशोधन के बाद यूरोप के 27 देशों समेत अनेक अन्य देशों को निर्यात, इस कार्य में भारत सिद्धहस्त हो चुका है। भारत से परिशोधित तेल मंगाने वाले देशों को दुनिया में सबसे निम्न मूल्य पर तेल उपलब्ध हो रहा है। तेल आयात एवं निर्यात आधारित यह पूरा चक्र एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसमें पहला बड़ा लाभार्थी भारत तो दूसरा रूस है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में रूस इसी अर्थव्यवस्था के बल पर संपूर्ण यूरोप में पश्चिमी यूरोप का एकमात्र देश था, जिसकी अर्थव्यवस्था यूक्रेन युद्ध के बाद भी सबसे समृद्ध थी।

भारत चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था

भारत ने इस आधार पर पहले फ्रांस, फिर इंग्लैंड और अब जापान को पीछे करके विश्व की चतुर्थ सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का स्वरूप ग्रहण कर लिया है। अब प्रथम स्थान पर 30.50 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ अमेरिका, 19.23 ट्रिलियन डॉलर के साथ द्वितीय स्थान पर चीन,

4.74 ट्रिलियन डॉलर के साथ तृतीय स्थान पर जर्मनी तथा 4.19 ट्रिलियन डॉलर के साथ भारत चतुर्थ स्थान पर है। भारत की आर्थिक स्थिति को अकस्मात, कोरोना महामारी के कारण अर्थजगत में मंदी के बाद भी, आगे बढ़ने का अवसर तब ही प्राप्त हुआ जब रूस से तेल आयात और फिर आशोधन के बाद उस तेल के निर्यात से भारत के लाभ व आरक्षितियों में अप्रत्याशित वृद्धि हुई। गत चार वर्ष में भारत इस उद्योग एवं व्यापार का एक अनुभवी देश बन चुका है। इस लाभार्जनकारी अनुभव के आधार पर भारत के उज्ज्वल आर्थिक भविष्य की नींव अत्यधिक शक्तिशाली हो चुकी है। रूस के साथ भारत का व्यापारिक एवं सामरिक संबंध हमेशा विश्वास व निष्ठा आधारित रहा है। दोनों देशों ने, विशेषकर रूस ने आसन्न संकटों के समय सदैव भारत का साथ दिया। दोनों देश पारस्परिक सहभागिता, सहकारिता एवं सहयोगपरक दृष्टिकोण के कारण ही कोरोना काल में भी अपनी-अपनी अर्थव्यवस्थाओं को तेल के कारोबार के कारण संतुलित रख पाए। कारोबार के सफल क्रियान्वयन को तीन-चार वर्ष व्यतीत हो चुके हैं, तो अमेरिका को टीस उभरी है। पहले पहल अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोचा कि भारत-अमेरिका के मध्य होने वाले व्यापार अनुबंध में वे व्यापक व लाभकारी अमेरिकी हितों के अनुरूप भारतीय प्रधानमंत्री मोदी को मनाकर उन्हें इसके लिए सहमत कर लेंगे और ऐसा होने पर अमेरिकी अर्थव्यवस्था भारतीय उपभोक्ताओं एवं बाजारों के आधार पर अभूतपूर्व लाभ अर्जित करेगी। तब उन्हें भारत व रूस के तेल कारोबार से उभरती नई वैश्विक अर्थव्यवस्था से अधिक समस्या नहीं थी। किंतु पाकिस्तान आधारित अपने सामरिक हितों को भारत के सैन्याक्रमण से हुई हानि के बाद तो अमेरिका के लिए भारत केवल रूस के साथ तेल का कारोबार करके लाभार्जित करने वाले देश के रूप में ही नहीं, अपितु रूस की सहायता से अस्त्रों-शस्त्रों की नवोन्नत प्रौद्योगिकी विकसित करने वाले ऐसे देश के रूप में भी उभरा है, जिसके हथियार अमेरिकी हथियारों से भी श्रेष्ठ सिद्ध हुए हैं। इन्हीं वास्तविक घटनाओं के परिप्रेक्ष्य में जब ट्रंप ने अनुभव किया कि मोदी उनके अनुरूप कुछ नहीं कर रहे हैं, तो वे कुंठित हो गये, और परिणामस्वरूप भारत पर अमेरिका की ओर से व्यापारिक शुल्क घोषित कर दिया। अमेरिका द्वारा उत्पन्न इस संकट की स्थिति में चीन ने भारत के आह्वान के बिना ही, स्वप्रेरित होकर भारत का पक्ष लेना आरंभ कर दिया है। उसके देशी-विदेशी मंत्रियों एवं भारत स्थित राजदूत की ओर से अमेरिका पर तरह-तरह के लांछन लगाये जाने लगे हैं। उसने रूस के साथ मिलकर अमेरिकी प्रतिरोध के लिए भारत का संबल बनने के हर संभव संकेत दे दिए हैं। इस वातावरण में भारत की रूस के साथ अनेक स्तरीय शिखर वार्ताएं हो रही हैं। संभावना है कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की संक्षिप्त यात्रा पर आएं। संभावना ये भी है कि चीन में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जाएं व शी से मिलें। इन दोनों संभावनाओं को दिनोंदिन बल मिल रहा है।

गुटसापेक्षता से सहमे ट्रंप

उधर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत विरोधी अपने शुल्क आरोपण अत्याचार की प्रतिक्रिया में आकार ले रही रूस, भारत व चीन (आरआईसी) की गुटसापेक्षता से सहम गये हैं। ब्रिक्स के प्रतिरोध में पहले उन्हें भारत के साथ स्वस्थ मैत्री के आधार पर कुछ यूएस हितैषी कार्य किये जाने की आशा थी भी, किंतु भारत पर शुल्कात्याचार के बाद तो अब अमेरिका तथा अमेरिकी डॉलर के समक्ष रूस, भारत व चीन के गठबंधन के बाद एक नवीन निरुपाय चुनौती खड़ी हो गई है। जिस दिन ये घोषणा हुई कि मोदी दुनिया के सबसे अधिक प्रिय नेता हैं और पहले पांच प्रिय नेताओं में ट्रंप अंतिम हैं, उसी दिन से अमेरिकी राष्ट्रपति किंकर्त्तव्यविमूढ़ होकर भारत विरोधी रणनीतियों को धरातल पर उतारने लगे थे।

रेल कोच इकाई से राजधानी के निकट होगी अधोसंरचना सशक्त, विकास की नई इबारत लिखेंगे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रेल कोच फैक्ट्री को प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में औद्योगिक विकास की नई इबारत लिखेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में मप्र सहित भारत के अन्य राज्यों के निवेशकों को आमंत्रित किया जा रहा है। इस क्रम में कुछ महीने पूर्व बैंगलोर में बीईएमएल संस्थान के भ्रमण के दौरान रायसेन जिले में रेल कोच फैक्ट्री की स्थापना के संबंध में निर्णय लिया गया।

खास बातें

- वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच से रेल व्यवस्था के नए युग का सूत्रपात होगा
- इस परियोजना से निकट स्थित औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप भी लाभान्वित होगा

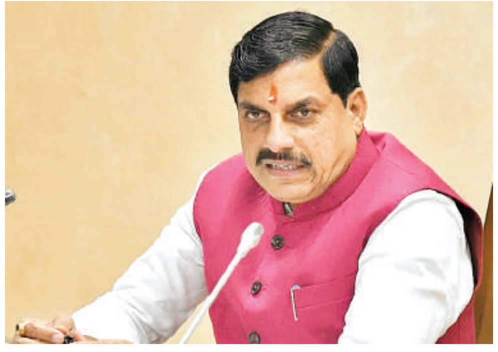

5 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भारत अर्थ मूवर्स परियोजना से इन जिलों के तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे। परियोजना में 5 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। मेट्रोपोलिटन सिटी के रूप में विकसित हो रहे भोपाल क्षेत्र को इस परियोजना से बहुत लाभ होगा। यहां बनने वाले वंदे भारत-अमृत भारत और मेट्रो ट्रेनों के कोच से सम्पूर्ण भारतीय रेल व्यवस्था के नए युग का सूत्रपात होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि न सिर्फ राजधानी क्षेत्र बल्कि प्रदेश के विकास को गति देने और रोजगार के नए अवसर सृजित करने वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना से निकट स्थित औद्योगिक क्षेत्र मंडीदीप भी लाभान्वित होगा।

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों के अनुरूप

'ब्राह्मा' संयंत्र पूरी तरह 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' के उद्देश्यों के अनुरूप कार्य करेगा। संयंत्र में उपयोग होने वाली अधिकांश तकनीक और सामग्री देश में विकसित व निर्मित की जाएगी, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी। यह परियोजना प्रदेश को रक्षा निर्माण के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस संयंत्र के निर्माण में पर्यावरणीय मानकों का विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां शून्य तरल अपशिष्ट प्रणाली, सौर एवं नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग, वर्षा जल संचयन और हरित लैंडस्केपिंग को अपनाया जाएगा। निर्माण में पुर्नवीनीकृत और टिकाऊ सामग्री का प्रयोग करते हुए इसे हरित फैक्ट्री मानकों के अनुरूप विकसित किया जाएगा।

जल्द ही रेल की सौगात भी मिलेगी, आगर-मालवा जिले को मिले दो आईएसओ प्रमाण-पत्र

भाई-बहन का स्नेहिल बंधन शाश्वत है और रहेगा, भाईदूज से लाड़ली बहनों को हर माह दिए जाएंगे 1500 रुपए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश की सभी बहनें हमारा मान हैं, सम्मान हैं, अभिमान हैं। बहनों के बिना यह संसार सूना है। उन्होंने कहा कि जीवन तो नश्वर है, पर भाई-बहन का ये स्नेहिल रिश्ता शाश्वत है और आगे भी रहेगा। जब तक संसार है, यह अनमोल और अटूट रिश्ता भी अजर-अमर ही रहेगा। उन्होंने कहा कि हमने बहनों को उनका हर वाजिब हक दिलाया है। बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए हमारी सरकार पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को आगर मालवा जिले के बाबा बैजनाथ महादेव धाम में श्रावण पर्व के अवसर पर आयोजित भव्य रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने सबकी राखी स्वीकार की और कहा कि आप सबके आशीर्वाद से ही मुझे प्रदेश के विकास के लिए प्राण-प्रण से जुटे रहने की असीम ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने बहनों और दिव्यांगजनों के प्रति गहरा स्नेह, सम्मान और इनके प्रति अपनी संवेदनशीलता व्यक्त की। उन्होंने दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार सहायक उपकरण भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को शैक्षणिक मदद, पेंशन राशि या शासकीय सेवा में आरक्षण देने की बात हो, हमारी सरकार ने इनके समग्र कल्याण के लिए सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए हैं।

मुख्यमंत्री ने आगर-मालवा में बहनों से बंधवाई राखी और दिए उपहार

डॉ. यादव ने सभी बहनों से राखी बंधवाई, उन्हें मिठाई खिलाई, उपहार दिए, सावन के झूले में झूलाया। उन्होंने प्रदेशवासियों को श्रावण एवं रक्षाबंधन पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्या नारी शक्ति कल्याण मिशन चलाया जा रहा है। इस मिशन से महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सरकार मिशन मोड पर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि हमारे दिव्यांगजन परमात्मा के दिव्य अंश हैं। इन्हें परमेश्वर ने विशेष शक्तियों से नवाजा है। इन्हें सिर्फ़ प्रोत्साहन की जरुरत है और हमारी सरकार हर कदम पर इनके साथ खड़ी है।

बहनों से राखी बंधवाई, उन्हें मिठाई खिलाकर उपहार दिए

बहनें चिंता न करें...आने वाला समय महिलाओं का है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बहनें चिंता न करें, आने वाला समय महिलाओं का ही है। राज्य की विधानसभा हो या देश की लोकसभा सबमें महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ने वाला है। उन्होंने कहा कि भारतीय तीज-त्यौहारों में एक संदेश छूपा होता है, जो समझने की जरूरत है। हम कुटुंब परम्परा के संवाहक है। भाई-बहन इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हैं। बहनों के आशीष से हर घर में बरकत है। हमारे आनंद के मूल में बहनें ही हैं। बहनें दो घरों को रोशन करती हैं। वे दो कुलों को जोड़ती हैं, उन्हें पालती-पोसती हैं।

विरोधियों की बातों में कभी न आएं...

मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोधी लोगों की बातों में कभी न आएं। प्रदेश की कोई भी जनकल्याणकारी योजना बंद नहीं होगी। अभी बहनों को हर महीने 1250 रुपए मिल रहे हैं। इसी रक्षाबंधन को 250 रुपए शगुन के रूप में दिए हैं। वहीं, दीपावली की भाईदूज से लाड़ली बहनों को हर महीने 1500 रुपए दिए जाएंगे। इसी तरह राशि बढ़ाते हुए वर्ष 2028 तक हमारी सरकार बहनों को 3000 रुपए महीने देगी। उन्होंने कहा कि बहनों के लिए सब कुर्बान है, बहनों के लिए हम कोई कमी नहीं रखेंगे।

सीएम ने दी विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को विश्व संस्कृत दिवस की शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभाषा संस्कृत समस्त भाषाओं की जननी है, इसमें लोकहित, संपूर्ण जगत के मंगल व कल्याण के पवित्र भाव निहित है। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा की शाश्वत विरासत को समर्पित यह अवसर हम सबको प्रेरणा देता है कि इसके संरक्षण और संवर्धन के प्रयासों में हम सभी सहभागी बनें।

राजभवन में राज्यपाल पटेल को राखी बांधकर मनाया गया रक्षाबंधन पर्व

भोपाल । राजभवन में रक्षाबंधन पर्व मनाया गया। इस मौके पर राज्यपाल मंगुभाई पटेल को भोपाल के एसओएस बालग्राम, नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की बालिकाओं और प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों ने राखी बांधी। राज्यपाल श्री पटेल ने इस अवसर पर बच्चों को मिठाई और संस्थाओं को उपहार स्वरूप सम्मान राशि भेंट की। कार्यक्रम में एसओएस बालग्राम अधीक्षक अर्पणा गुप्ता एवं निशांत राज, एमएस खान, अदिता असनानी व प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय भोपाल की प्रतिनिधि बीके रीना और अन्य सदस्य मौजूद थे।

1610 उम्मीदवारों ने ही किया ज्वाइन, खाली रह गए अधिकांश पद

पुलिस भर्ती में चयनित 1000 से अधिक चयनित ने एसएएफ की बटालियनों में नहीं दी आमद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश पुलिस की स्पेशल आर्म्ड फोर्स (एसएएफ) में नौकरी करने के लिए युवाओं की रुचि नहीं है। स्थिति यह है कि भर्ती के बाद भी इस बार एक हजार पद खाली रह गए। दरअसल हाल ही में हुई पुलिस चयन भर्ती परीक्षा के जरिए कुल 6423 उम्मीदवारों का चयन हुआ था। इनमें 5090 पुरुष और 1333 महिलाएं थीं। इनमें से लगभग 2600 पद एसएएफ के लिए थे और शेष जिला पुलिस बल और जीआरपी के लिए थे।

भर्ती प्रक्रिया पूरी होने के बाद चयनित अभ्यर्थियों में केवल 1610 उम्मीदवारों ने ही एसएएफ के आरक्षक पद पर अपनी ज्वाइनिंग दी। शेष 1000 से अधिक चयनित अभ्यर्थियों ने ट्रेनिंग के लिए एसएएफ की बटालियनों में आमद नहीं दी। देखा जाए तो प्रदेश पुलिस के लिए कुल 1 लाख 26 हजार पद स्वीकृत हैं, जिनमें एसएएफ के 23000 पद शामिल हैं।

विभाग के ही अफसरों की मानें तो एएसएफ में ज्वाइनिंग से कतराने का एक बड़ा कारण यह भी है कि जिला पुलिस बल और विशेष सशस्त्र बल (एसएएफ) के बीच मिलने वाली सुविधाओं को लेकर काफी अंतर है। जिला पुलिस बल के कर्मचारियों को अपने परिवार के साथ पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने की सुविधा मिलती है। डे और नाइट शिफ्ट में ड्यूटी लगाई जाती है। अपनी शिफ्ट पूरी करने के बाद पुलिसकर्मी घर जा सकते हैं।

वहीं एसएएफ का काम जिला बल से तुलनात्मक ज्यादा कठिन होता है। उन्हें बटालियन की लाइन में रहना पड़ता है। इसके अलावा, वीआईपी मूवमेंट, प्राकृतिक आपदाओं, चुनाव ड्यूटी और राज्य के साथ-साथ अन्य प्रदेशों तक में भी उन्हें तैनात किया जा सकता है। कई बार मंत्री और अफसरों के बंगले पर अर्दली के तौर पर भी इनकी ड्यूटी रहती है।

एसएएफ कर्मियों को बिना अनुमति के बटालियन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होती, जबकि जिला पुलिस के कर्मचारी अपनी ड्यूटी के बाद कहीं भी घूम सकते हैं। नाम न बताने की शर्त पर एसएएफ के एक जवान ने कहा कि जिला पुलिस बल की तरह हम लोग भी फील्ड में काम करते हैं, लेकिन हम लोगों को कभी थानों में पदस्थ नहीं किया जाता। अभी तक ऐसी नीति नहीं बनी जिससे थानों में एएसएफ कर्मियों का स्थानांतरण किया जा सके। यही कारण है कि एसएएफ के बजाय लोग पुलिस बल में जाना पसंद करते हैं।

अलग-अलग कारणों से नहीं किया ज्वाइन

स्पेशल आर्म्ड फोर्स के महानिरीक्षक इरशाद वली के अनुसार लगभग 1000 उम्मीदवारों ने अलग-अलग कारण बताते हुए ज्वाइन नहीं किया है। उनके अनुसार इनमें से कुछ उम्मीदवारों का चयन राज्य या देश की अन्य सेवाओं में हो गया है, जबकि कुछ का चयन अन्य पदों पर हुआ है। इनमें से अधिकांश ने एसएएफ की नौकरी करने से इनकार कर दिया है। उन्होंने बताया कि अब बची हुई रिक्तियों को भरने के लिए प्रतीक्षा सूची के खुलने का इंतजार है। इस संबंध में जल्द मुख्यालय की चयन एवं भर्ती शाखा निर्णय लेगी।

बोले-सब मिलकर परंपराओं को सम्मान दें

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए उमंग सिंघार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार शामिल हुए। उन्होंने कहा कि यह दिन न सिर्फ़ देश की समृद्ध आदिवासी विरासत का उत्सव है, बल्कि उनकी जीवनशैली, कला, संगीत, नृत्य और प्रकृति से जुड़ाव को समझने का एक अद्भुत अवसर भी है। कार्यक्रम में पारंपरिक वेशभूषा, लोकनृत्य और गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। आदिवासी संस्कृति में जो सादगी, आत्मीयता और प्रकृति के प्रति सम्मान है, वह हमें बहुत कुछ सिखाता है।

इस विशेष दिन पर हमने सिर्फ़ उत्सव नहीं मनाया, बल्कि यह भी जाना कि कैसे हमें इन समुदायों के अधिकारों, पहचान और अस्तित्व की रक्षा करनी है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। इसलिए हम सभी इन परंपराओं को सम्मान दें और उनके योगदान को स्वीकार करें।

फैक्ट चेक के नाम पर भ्रम फैला रहा निर्वाचन आयोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

2018 में कांग्रेस की शिकायत पर हटाने पड़े थे 24 लाख वोटर

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने एक ट्वीट के माध्यम से निर्वाचन आयोग को घेरा है। उन्होंने कहा कि भारतीय निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी द्वारा कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा में एक लाख से अधिक फर्जी वोटर होने के दावे के जवाब में कहा कि 2018 में कमलनाथ ने भी इलेक्शन कमीशन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी, लेकिन तब सुप्रीम कोर्ट ने यह याचिका खारिज कर दी थी।

निर्वाचन आयोग के फैक्ट चेक के नाम पर ट्वीट कर किए गए दावे पर पूर्व मुख्यमंत्री ने इस तरह के फैक्ट चेक को पूरी तरह भ्रामक बताया। उन्होंने ट्विटर पर कहा कि 2018 में जब कांग्रेस ने मप्र में फर्जी वोटरों की शिकायत की थी तो आयोग ने खुद 24 लाख फर्जी वोटरों को मतदाता सूची से हटाया था। वहीं, आयोग ने जवाबी हलफनामा सुप्रीम कोर्ट में दायर करते हुए इसे स्वीकार किया था। हलफनामे में इन विसंगतियों को स्वीकार किया गया था और सूची से नाम हटाने या कार्रवाई करने पर सहमति व्यक्त की गई थी। कोर्ट में अपने इस आश्वासन के बावजूद कि चुनाव आयोग इन विसंगतियों को दूर करने कदम उठाएगा, चुनाव आयोग अपने हलफनामे से पीछे हटता जा रहा है और मतदाता सूची में हेराफेरी से इंकार कर रहा है।

मप्र बनेगा रेयर अर्थ मैटेरियल हब दल ने अचारपुरा में रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क का किया दौरा

- स्वदेशी तकनीकों, अनुसंधान और प्रसंस्करण क्षमताओं का लिया जायजा
- आईआरईएल के साथ नीतिगत सहयोग और औद्योगिक संपर्क बढ़ाने पर हुई चर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दुर्लभ खनिजों के खनन और परिशोधन में सशक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के दृष्टिगत शुक्रवार को खनिज संसाधन के प्रमुख सचिव उमाकांत उमराव के नेतृत्व में उच्च-स्तरीय दल ने भोपाल के अचारपुरा इंडियन रेयर अर्थ लिमिटेड के रेयर अर्थ एवं टाइटेनियम थीम पार्क का अवलोकन किया। उच्च-स्तरीय दल प्रदेश में रेयर अर्थ खनिजों की संपूर्ण वैल्यू चेन के विकास और सहयोग के अवसर तलाश रहा है।

राज्य सरकार की इस टीम ने संयंत्र में स्वदेशी तकनीक से विकसित रेयर अर्थ धातु निष्कर्षण प्रक्रियाओं की जानकारी ली। टीम ने अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं का भी अवलोकन किया, जहां उन्नत अनुसंधान, परिशोधन (बेनीफिसिएशन) और प्रसंस्करण तकनीकों के माध्यम से भारत को इस रणनीतिक क्षेत्र में अग्रणी बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। खनिज विभाग और आईआरईएल के बीच भावी सहयोग पर भी चर्चा हुई, जिसमें नीतिगत सहयोग, तकनीकी विकास और औद्योगिक संपर्क को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। इससे प्रदेश में रेयर अर्थ खनिजों के अन्वेषण, प्रसंस्करण और संबद्ध उद्योगों का सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र (इको सिस्टम) विकसित किया जा सके। खनिज विभाग के उच्च-स्तरीय दल का यह दौरा प्रदेश को महत्वपूर्ण खनिज प्रसंस्करण और संबद्ध विनिर्माण के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे देश को रेयर-अर्थ-मटेरियल के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना कर वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सशक्त किये जाने के प्रयासों को सहायता मिलेगी।

भोपाल विवि के पूर्व अध्यक्ष मीसा बंदी विनय सेंगर का निधन

भोपाल। प्रदेश में अपने जमाने में सर्वाधिक चर्चित छात्र नेता और

भोपाल विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष विनय सिंह सेंगर का शनिवार को निधन हो गया। सेंगर 18 महीने मीसा बंदी रहे। उनकी अंतिम यात्रा रविवार 10 अगस्त को पूर्वान्ह 11 बजे उनके निज निवास 68- मधुबन सिटी, प्रियंका नगर, कोलार रोड से निकलेगी तथा भदभदा विश्राम घाट पर उनका अंतिम संस्कार होगा। एमवीएम पूर्व विद्यार्थी संगठन के अध्यक्ष सतीश रायजादा और अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने श्री सेंगर को श्रद्धांजलि दी है।

वैज्ञानिक विरासत पत्थर सफाई पर तीन दिनी व्यवहारिक कार्यशाला पहली बार मप्र में आयोजित

पत्थरों की सफाई वैज्ञानिक तरीकों से कैसे की जा सकती है, इस पर हुआ मंथन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय की आयुक्त उर्मिला शुक्ला ने कहा कि यह समझना जरूरी है कि पत्थरों की सफाई वैज्ञानिक तरीकों से कैसे की जा सकती है। यह कार्यशाला हमारे दृष्टिकोण को और सुदृढ़ बनाएगी तथा कार्य की गुणवत्ता में उल्लेखनीय वृद्धि करेगी। इंटैक के साथ अपने सार्थक सहयोग को आगे बढ़ाने के इच्छुक हैं। उन्होंने संरक्षण में वैज्ञानिक दृष्टिकोण की अहमियत पर जोर दिया।

राजधानी भोपाल स्थित संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय में विरासत संरक्षण से जुड़े पहल को लेकर लगातार सराहनीय कदम उठा रहा है। इसी क्रम में इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चरल हेरिटेज भोपाल चैप्टर के सहयोग से भोपाल में विरासत पत्थर सतह सफाई विषय पर तीन दिवसीय व्यवहारिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

खास बातें

- संचालनालय पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय के तीन दिवसीय व्यवहारिक प्रशिक्षण में सरंक्षण ठेकेदारों, पुरा छात्रों और एमपीटी के अफसरों ने लिया हिस्सा

मप्र अनंतकालीन विरासत का धनी

इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को पत्थर सतह सफाई की वैज्ञानिक विधियों की विस्तृत समझ प्रदान करना था, जो विरासत संरक्षण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। सैद्धांतिक सत्रों और व्यवहारिक प्रदर्शन को मिलाकर, प्रशिक्षण का लक्ष्य जागरूकता और तकनीकी कौशल दोनों में वृद्धि करना था। यह पहली बार था जब मप्र में केवल विरासत पत्थरों की वैज्ञानिक मैनुअल और मैकेनिकल सफाई पर केंद्रित ऐसी कार्यशाला आयोजित हुई। उद्घाटन सत्र में आयुक्त उर्मिला शुक्ला, संयोजक मदन मोहन उपाध्याय, संयुक्त निदेशक डॉ. मनीषा शर्मा, अधीक्षण पुरातत्वविद डॉ. मनोज कुमार कुर्मी समेत अन्य लोग मौजूद थे। संयोजक उपाध्याय ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से हमारा प्रयास है कि हितधारकों को पत्थर सतह सफाई की नई तकनीकों से अवगत कराया जाए। देश की विरासत संरक्षण में योगदान दिया जाए। मनीषा शर्मा ने कहा मप्र अनंतकालीन विरासत का धनी है। कार्यशाला में संरक्षण ठेकेदारों, पुरातत्व और विरासत अध्ययन के छात्रों और एमपी टूरिज्म के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की। तीन दिनों के दौरान, कार्यक्रम ने अकादमिक ज्ञान और फील्ड तकनीकों का संगम प्रस्तुत करते हुए एक केंद्रित शिक्षण वातावरण बनाया।

पुलिस के पहुंचते ही आरोपी अपने साथियों के साथ भागा, तीन पर प्रकरण दर्ज

इंजीनियरिंग छात्रा से तीन साल तक दुष्कर्म, मिलने से मना करने पर दोस्तों के साथ अपहरण करने घर पहुंचा, हाथ पकड़कर घसीटा, किया जमकर हंगामा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र में 21 साल की इंजीनियर से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपी तीन साल से इंजीलियर का दैहिक शोषण कर रहा था। आरोपी से परेशान होकर पीड़ति ने उसे मिलने से इंकार किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट कर दी। इतना ही नहीं आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे जबरन घर से ले जाने का प्रयास भी किया। हालांकि वह अपने मंसूबों में सफल नहीं हो सका। पुलिस ने आरोपी और उसके साथियों पर प्रकरण दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

घर के सामने किया हंगामा

गुरुवार रात आरोपी अरविंद अपने दो साथी रोहित व विजय के साथ पीड़िता के घर पहुंचा। उसे बाहर बुलाने के लिए आवाज देकर जोर-जोर से गाड़ी का हार्न बजाने लगा। शोर सुनकर युवती और उसके परिजन के अलावा पड़ोस के लोग भी घरों से बाहर आ गए। युवती ने अरविंद से पूछा कि इतना हंगामा क्यों कर रहे हो। तब वह बोला कि मेरे साथ चलो। युवती ने साथ चलने से इंकार किया तो अरविंद उसे अपने साथ ले जाने के लिए हाथ पकड़कर घसीटने लगा। विरोध करने पर रोहित व विजय ने युवती और उसके परिजन को धमकी देकर मारपीट की। इस बीच युवती ने डायल 100 को कॉल कर दिया। कुछ ही देर में डायल 100 मौके पर पहुंच गई। पुलिस के आते तीनों आरोपी मौके से भाग निकले। अगले दिन शुक्रवार को पीड़िता अपने माता-पिता के साथ थाने पहुंची और आरोपी अरविंद सूर्यवंशी के खिलाफ दुष्कर्म व दैहिक शोषण व रोहित और विजय के खिलाफ धमकी देकर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार खजूरी चौराहा स्थित एक कॉलोनी में रहने वाली 21 साल की युवती ने 2022 में निजी कॉलेज से इंजीनियरिंग कर रही थी। उसी कॉलेज में दीप मोहिनी कॉलोनी बिलखिरिया निवासी अरविंद सूर्यवंशी भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था। एक ही कॉलेज में होने के कारण दोनों में दोस्ती हो गई और दोनों साथ आने-जाने लगे। इस बीच नवंबर 2022 में अरविंद ने युवती से कहा कि आज में अपनी गाड़ी नहीं लाया हूं, तुम मुझे अपनी गाड़ी से घर तक छोड़ दो। पीड़िता उसे छोड़ने के लिए उसके घर पहुंची। आरोपी उसे पानी पीने का कहकर अपने घर ले गया। छात्रा उसकी बातों में आकर घर चली गई। उस समय घर पर कोई भी नहीं था। इस बीच मौके का फायदा उठाते हुए अरविंद ने छात्रा से शारीरिक संबंध बनाए। विरोध करने पर आरोपी ने धमकी दी कि घटना की जानकारी किसी को दी जो वह उसे बदनाम कर देगा। इसके बाद आरोपी उसका दैहिक शोषण करने लगा। पुलिस ने बताया कि साल 2025 में पढ़ाई खत्म होने के बाद छात्रा ने आरोपी अरविंद से मिलना-जुलना कम कर दिया। आरोपी उसे लगातार कॉल कर बातचीत करने का प्रयास करता था।

चौदह साल की किशोरी से चचेरी बहन के दोस्त ने किया दुष्कर्म

कोलार पुलिस ने 9वीं में पढ़ने वाली 14 साल की किशोरी की शिकायत पर बुआ की बेटी के दोस्त पर दुष्कर्म, पाक्सो और दैहिक शोषण की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। दरअसल, बुआ की बेटी के माध्यम से न्यू इयर पार्टी में नाबालिग की पहचान आरोपी से हुई थी। बुआ की गैरमौजूदगी में आरोपी ने उससे दुष्कर्म किया और न्यूड फोटो और वीडियो बना लिए। इसके बाद आरोपी उसे ब्लैकमेल कर बार-बार शारीरिक संबंध बनाने लगा। आरोपी से परेशान होकर नाबालिग गुमशुम रहने लगी थी। मां ने दबाव डालकर गुमशुम रहने का पूछा तो उसने आपबीती सुनाई। मां उसे लेकर थाने पहुंची और आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार 14 की किशोरी, अवधपुरी में रहती है और कक्षा नवीं में पढ़ती है। उसकी बुआ डीमार्ट के पीछे कोलार में रहती हैं। बुआ की पंद्रह-सोलह साल की बेटी है। दिसंबर 2024 को बुआ की बेटी के साथ वह न्यू ईयर पार्टी मनाने औरा मॉल गई थी। वहां उसकी पहचान बुआ की बेटी के दोस्त मनिमान से हो गई। मनिमान का बुआ के घर आना जाना था।

बुआ और बहन की गैरमौजूदगी में पहुंचा घर

नाबालिग ने बताया कि वह गर्मियों की छुट्टी में बुआ के घर गई थी। 7 जून 2025 की रात बुआ और उसकी बेटी मार्केट गई थी। इस बीच रात करीब दस बजे आरोपी मनिमान घर पहुंच गया। उसने नाबालिग को प्रेम प्रसंग का इजहार किया और उससे जबरन शारीरिक संबंध बनाए। इस दौरान आरोपी ने उसके न्यूड फोटो और वीडियो बना लिए। अगले ही दिन उसने न्यूड फोटो और वीडियो दिखाए और ब्लैकमेल करने लगा। वीडियो और फोटो होने के कारण नाबालिग डर गई थी। आरोपी ने उसे अपने घर बुलाया। नाबालिग ने आने से इंकार किया तो वीडियो और फोटो वायरल करने की बात कही। डर के कारण नाबालिग उसके घर दो बार पहुंची। दोनों बार आरोपी ने उससे डरा धमकाकर शारीरिक संबंध बनाए। आरोपी की हरकतों से नाबालिग गुमशुम रहने लगी। मां ने दबाव बनाकर उससे गुमशुम रहने का कारण पूछा। इस दौरान उसने आपबीती बताई। मां उसे लेकर थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई।

खबर संक्षेप

डॉ. नागर ने मुख्यमंत्री को मिलकर दी बधाई

औबेदुल्लागंज। भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को बधाई देते हुए कहा कि आपके नेतृत्व में रायसेन जिले के तामोट में उद्योगों स्थापित हो रहा है। आपके मार्गदर्शन में भूमि पूजन होने से क्षेत्र के लोगों को रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पटवा भी मौजूद रहे।

भुजरिया पर्व आज निकलेगा चल समारोह

मंडीदीप। औद्योगिक नगर में श्री हिन्दू उत्सव समिति द्वारा रविवार को भुजरिया महापर्व मनाया जाएगा। नगर में चल समारोह दोपहर 2 बजे शुरू होगा, जो मुख्स बाजार के पास राधेकृष्णा चौक से निकलेगा। बैंड-बाजे, ढोल-नगाड़ों के साथ पुरुष डंडे लड़ाते हुए चलेंगे। महिलाएं सिर पर भुजरिया रखकर प्रमुख मार्गों से गुजरेंगी। यात्रा भुजरीया तलाब पर विसर्जन के साथ समाप्त होगी। हिन्दू उत्सव समिति के अध्यक्ष अजीत सिंह चौहान ने बताया कि यह पर्व सामाजिक एकता और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण का प्रतीक है।

वरिष्ठ समाजसेवी गिल का मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। वरिष्ठ समाजसेवी, पूर्व जिला युवा मोर्चा

अध्यक्ष सुरजीत सिंह गिल का जन्मदिन शनिवार को केक काट कर मनाया गया। उनके जन्मदिन पर कन्हैया नंदवंशी, अशोक यादव, देवेंद्र सिंह राजू, लक्ष्मी चौकसे, नंदू शर्मा, मनोज चौरसिया, विधायक रामेश्वर शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रमाकांत भार्गव, विधायक सुरेंद्र पटवा ने बधाई दी।

20 को जिला परियोजना समन्वयक की होगी परीक्षा

भोपाल। प्रदेश के जिलों में रिक्त पड़े जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति के लिए राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा नोटिस जारी कर दिया गया है। इसके लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष तक निर्धारित की गई है। डीपीसी के लिए लिखित परीक्षा 20 अगस्त को आयोजित की जाएगी। वर्तमान में भोपाल डीपीसी का पद खाली है। उक्त पद पर डीईओ एनके अहिरवार को अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। इसी तरह भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी के पद खाली है। अब इन पदों को भरने तथा भविष्य में खाली होने वाले पदों को लेकर परीक्षा आयोजित कर रहा है।

शुभांक

कल्याण:	2738		
दिन:	123	69	379
रात:	124	79	180
तारा:			
दिन:	136	05	780
रात:	239	45	113

पेट्रोल पंप के सामने कान्हासइया में हुआ हादसा

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई बाइक, एक की मौत; साथी घायल

दोनों युवक बाइक से रक्षाबंधन पर्व मनाने अपने गांव जाने के लिए निकले थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित कल्याणपुर में पेट्रोल पंप के सामने सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक सवार जा घुसे। इस हादसे में बाइक चला रहे युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पीछे बैठे उसके साथी को मामूली चोट आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस ट्रक जब्त कर ड्राइवर पर कार्रवाई कर रही है।

पुलिस के अनुसार सुखदेव कीर पिता सीताराम कीर (33) देहगांव, सुल्तानपुर में रहता था। इन दिनों वह कल्याणपुर में मुकेश ठाकुर के खेत में हाली का काम कर रहा था। रक्षा बंधन का पर्व होने के कारण सुखदेव अपने साथी मनोज के साथ बाइक से अपने गांव जाने के लिए निकला था। दोनों बाइक से रात करीब साढ़े दस बजे खेत से निकले थे। कान्हासइया में अजीम प्रेम जी यूनिवर्सिटी से आगे बढ़े और साहू पेट्रोल पंप के सामने पहुंचे थे। बाइक सुखदेव चला रहा था। बाइक की रफ्तार अधिक होने के कारण सड़क किनारे खड़ा ट्रक एकाएक नजर आया और जब तक सुखदेव की बाइक ट्रक में घुस चुकी थी। इस हादसे में सुखदेव को सिर और नाक के पास गंभीर चोट थी। खून अधिक बहने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मनोज को मामूली चोट होने के कारण अस्पताल से इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है।

हादसे में सुखदेव को सिर और नाक के पास गंभीर चोट आई थी

पत्नी गई थी राखी पर मायके, लिवर की बीमारी से परेशान युवक ने लगाई फांसी

कमला नगर थाना क्षेत्र स्थित झुग्गी राहुल नगर में शुक्रवार शाम एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव फांसी पर लटका देख पड़ोसियों ने रिश्तेदारों को सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चूरी भेज दिया है। शनिवार को शव का पीएम के बाद परिजन को सौंपा गया। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि वह लिवर की बीमारी से परेशान था। पुलिस के अनुसार प्रशांत सतदिवे (32) झुग्गी नंबर- 454, राहुल नगर, कमला नगर में रहता था। वह बेरोजगार था और लिवर की बीमारी से परेशान था। उसका चार पांच साल का बच्चा और पत्नी है। रक्षा बंधन पर पत्नी बच्चे को लेकर मायके गई है। घर पर प्रशांत और मां थे। मां रेलवे स्टेशन पर सफाई का काम करती है। शुक्रवार सुबह वह काम पर चली गई। शाम करीब 5 बजे पड़ोसियों की नजर प्रशांत के घर पड़ी तो प्रशांत फांसी के फंदे पर लटका नजर आया। इसके बाद रिश्तेदारों को सूचना दी गई। प्रशांत का साढूभाई का बेटा विनोद मोरे उसे देखने घर पहुंचा तो उसने प्रशांत को फांसी के फंदे पर लटका देख पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। परिजन ने बताया कि प्रशांत पूर्व में अधिक शराब पीता था। इससे उसका लीवर खराब हो गया था। अनुमान है कि लीवर खराब होने से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया है।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

अशोका गार्डन थाने के सामने गजक वाली गली में रहने वाले एक युवक ने शुक्रवार रात कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही परिजन उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। पुलिस के अनुसार आदित्य रघुवंशी पिता स्वर्गीय हेमराज रघुवंशी (18) गजक वाली गली, अशोका गार्डन थाने के सामने रहता था। आदित्य के पिता का काफी समय पहले निधन हो चुका है। परिवार में मां और आदित्य के तीन अन्य भाई है। मां ने बताया कि आदित्य का बचपन से मानसिक संतुलन बिगड़ा हुआ था। परिजन उसे ठीक करने इलाज की जगह झाड़फूंक करवा रहे थे। शुक्रवार रात करीब 9 बजे आदित्य ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। नजर पड़ते ही वह उसे फंदे से उतारकर हमीदिया अस्पताल ले गई। वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद आदित्य को मृत घोषित कर दिया। आदित्य पढ़ा लिखा नहीं था। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है।

भोपाल आउटर और पुल पातरा के पास बदमाशों ने की वारदात

ओवर नाइट और पंजाब मेल में गेट पर बैठे दो यात्रियों के मोबाइल झपटे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्य रेलवे स्टेशन के नजदीक आउटर पर बदमाशों ने दो यात्रियों के मोबाइल झपट लिए। एक वारदात ओवर नाइट में सफर कर रहे यात्री के साथ आउटर पर हुई। बदमाश ने उसका आईफोन झपट लिया। इसी प्रकार दूसरी वारदात पंजाब मेल में रेलकर्मी के साथ हुई। उनके हाथ से पातरा पुल के पास नीचे खड़े बदमाश ने मोबाइल झपट लिया। पुलिस ने दोनों ही प्रकरणों में झपटमारी का प्रकरण दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

जीआरपी के अनुसार सौरभ लोधी निवासी जबलपुर ने शिकायत करते हुए बताया कि वह जबलपुर से इंदौर की यात्रा ट्रेन क्रमांक 22192 ओवर नाईट एक्सप्रेस से कर रहे थे। वे ट्रेन में पीछे की तरफ जनरल कोच में थे। ट्रेन में भीड़ थी और वह ट्रेन के गेट पर बैठ गए। इस दौरान उनके हाथ में आईफोन था। रेलवे स्टेशन भोपाल आने के पहले ट्रेन आउटर पर धीमी गति से चल रही थी। इसी बीच एक अज्ञात बदमाश ने हाथ पर झपट्टा मारकर आईफोन छीन लिया। झपटा गया आईफोन 14 था, जिसकी कीमत 40 हजार रुपए है।

रेलकर्मी का मोबाइल झपटा

सचिन रोर (30) शांति नगर न्यू इटारसी में रहते हैं। उन्होंने जीआरपी को शिकायत करते हुए बताया कि वह रेलवे में कोपरेटिव विभाग में नौकरी करते हैं। वे पंजाब मेल के कोच एस-2 में भोपाल से इटारसी की यात्रा कर रहे थे। यात्रा के दौरान वे गेट पर खड़े थे। ट्रेन रेलवे स्टेशन भोपाल से निकलने के बाद धीमी गति से चल रही थी। पुल पातरा पर ट्रेन पहुंची थी, तभी अज्ञात बदमाश ने हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल गिरा दिया। नीचे मोबाइल गिरने के बाद आरोपी ने मोबाइल उठाया और लेकर भाग निकला। झपटा गया मोबाइल मोटोरोला कंपनी का है, जिसकी कीमत 28 हजार रुपए है।

पुलिसकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित गौरी शंकर आवासीय परिसर में रहने वाले पुलिसकर्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उनका करीब दो साल से लीवर की बीमारी का इलाज चल रहा था। गत 26 जुलाई को उनकी तबीयत बिगड़ी और परिजन एम्स से हबीबगंज स्थित निजी अस्पताल ले गए थे, वहां शुक्रवार सुबह उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। परिजन शव लेकर उत्तर प्रदेश निकल गए। पुलिस के अनुसार मिथलेश कुमार यादव (34) गौरखपुर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले थे। वे पुलिस विभाग में सिपाही थे। उनकी पोस्टिंग पिपलानी थाने में थी।

ब्रह्मकुमारीज बहनों ने पुलिस अधिकारी और कर्मचारियों को बांधे रक्षा सूत्र

भोपाल। यातायात थाने में ब्रह्मकुमारीज बहनों द्वारा पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों को रक्षा सूत्र बांध कर रक्षाबंधन का त्यौहार मनाया गया, जिसमें भोपाल के चारों जोनों के अधिकारी कर्मचारियों ने भाग लिया। यातायात थाने की ओर से बहनों को उपहार दिया। इसके साथ ही उन्हें रक्षा और सुरक्षा का वचन भी दिया। एडिशनल डीसीपी वसंत कौल के निर्देशन पर सूबेदार देवेंद्र यादव, एएसआई रामावतार शर्मा और एजुकेशन सेल के हेड गिरीश सारस्वत ने कार्यकम सम्पन्न कराया।

विधायक पटवा ने अधिकारियों के साथ उमरिया में कोच फैक्ट्री के भूमिपूजन स्थिल का लिया जायजा

औबेदुल्लागंज। 1800 करोड रुपए से निर्मित होने जा रहे रेल कोच फैक्ट्री के भूमि पूजन कार्यक्रम रविवार को उमरिया ग्राम वार्ड 6 में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, जिला प्रभारी मंत्री नारायण सिंह पवार, मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, विधायक सुरेंद्र पटवा सहित रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी, रक्षा मंत्रालय के अधिकारी एवं आईजी, कमिश्नर आदि शामिल होंगे। यह कार्यक्रम रविवार सुबह 11 बजे से प्रारंभ होगा। भूमि पूजन स्थल की व्यवस्था का जायजा लेने शनिवार को विधायक सुरेंद्र पटवा, कलेक्टर, एसपी, एसडीएम, एसडीओपी ने व्यवस्था देखी।

जैन समाज के लोगों ने अभिषेक एवं शांतिधारा कर निर्वाण लाडू चढ़ाया

भगवान श्रेयांस नाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर में जैन समाज ने महावीर कॉलोनी स्थित श्री नेमीनाथ जैन मंदिर में भगवान श्रेयांस का निर्वाण महोत्सव मनाया। कमेटी के अध्यक्ष विमल जैन, राजदीप, सचिव आशु जैन ने बताया कि श्रद्धालुओं ने भगवान मुनिसुव्रतनाथ भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा कर निर्वाण लाडू चढ़ाया। श्रावकों ने आदिनाथ भगवान के समक्ष रक्षा सूत्र बांधकर सभी की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस दौरान जिनालयों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर धार्मिक कार्यों में शामिल हुए।

कमेटी के उपाध्यक्ष सत्येन्द्र जैन ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व पर मुनि विष्णु कुमार एवं सात सौ मुनियों की पूजा कर अर्घ्य चढ़ाने के साथ धर्म की रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कमेटी के रमेशचन्द्र जैन, सचिन जैन, पियुश जैन, अनिकेत जैन, विनय जैन, संजय जैन, सुमेरचन्द्र जैन, कमलकुमार जैन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मंडीदीप में धूमधाम से मनाया रक्षाबंधन का त्यौहार

बहनों ने तिलक लगाकर भाइयों की कलाई पर बांधी रखी, सुरक्षा का लिया वचन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडीदीप

औद्योगिक नगर में भाई-बहन के प्रेम का त्यौहार रक्षाबंधन बड़े ही धूमधाम से मनाया गया है। बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा, वहीं भाइयों ने भी बहनों की रक्षा के लिए वचन दिया। वहीं बहनों ने भाइयों की आरती कर लम्बी आयु की कामना की। इस दौरान प्रशासनिक गलियारों में भी रक्षा बंधन का पर्व उत्सव से मनाया गया।

शनिवार को सुबह से ही शुभ मुहूर्त पर भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधने के लिए उत्सुक नजर आईं। बहनों ने राखी की थाली सजाई, जिसमें रोली, कुमकुम, अक्षत, दीपक और राखी रखे थे। भाई को तिलक लगाकर हाथ में राखी बांधी और आरती उतारी कर मिठाई खिलाई। इसके साथ ही बहनों ने भाइयों से अपनी सुरक्षा और सम्मान का वचन भी लिया। वहीं भाइयों ने भी बहनों को उपहार दिया और सुरक्षा करना का संकल्प भी लिया।

आदिवासी रोहतास सामाजिक महासभा का कार्यक्रम

धूमधाम से मनाया विश्व आदिवासी दिवस सांस्कृतिक नृत्य व फैशन शो का अयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

आदिवासी रोहतास सामाजिक महासभा ओर आईकफ के द्वारा एक निजी स्कूल के ऑडिटोरियम में विश्व आदिवासी दिवस को धूमधाम से मनाया। इस दौरान आदिवासी संस्कृति को लेकर सांस्कृतिक नृत्य और वेशभूषा को लेकर फैशन शो, भाषा की लिपि तोलोंग सिकि की झलक जैसे विशेष कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

आदिवासियों को प्रकृति की मिली धरोहर जल, जंगल, जमीन के अधिकारों के साथ साथ सांस्कृतिक विरासत नृत्य, वस्त्र, खान पान, भाषा, परंपरा को जीवन में बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फादर स्टेन तिर्की ये.स. एवं विशेष अतिथि फादर निर्दोष एक्का ये.स. मौजूद थे। इस दौरान मप्र के विभिन्न क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय अपनी-अपनी लोक नृत्य व लोक कलां से अपनी प्रस्तुति दी। साथ ही इस दिन को एक उत्सव के रूप में धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम में युवा निर्देशक फादर रवीन्द्र बडा ये.स. आदिवासी रोहतास सामाजिक महासभा के अध्यक्ष पॉल एक्का महासचिव नोवीतुस एक्का उपाध्यक्ष असुंता टोप्पो सहित बड़ी संख्या आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

विधायक पटवा ने क्षेत्र के रहवासियों और बहनों को दी शुभकामनाएं

बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

हरिभूमि न्यूज ▶▶ औबेदुल्लागंज

नगर में रक्षाबंधन पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। कई बहनों ने भाइयों को राखी बांधकर नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। वहीं विधायक सुरेंद्र पटवा ने रक्षाबंधन पर्व की भोजपुर क्षेत्र के रहवासियों और बहनों को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर ने राखी बंधवाई। नपा अध्यक्ष लक्ष्मी चौकसे एवं उपाध्यक्ष नमीता अग्रवाल ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को राखी बाँधी और पार्षद विक्रम यादव ने भी राखी बंधवाई।

देशभर में दिखा रक्षाबंधन का उल्लास

राजनीतिक गलियारे से भी.... अटूट रिश्ते का प्रेमभरा संदेश

प्रदेश के कई मुख्यमंत्रियों के निवास व राजभवन में भी हुए रक्षाबंधन पर्व के आयोजन

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

देशभर में राखी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के प्रेम और बंधन का प्रतीक है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। बदले में भाई अपनी बहनों के प्रति प्रेम और देखभाल के प्रतीक के रूप में उपहार देते हैं। राखी सुरक्षा की भावना का प्रतीक है। रक्षाबंधन पर भाई अपनी बहनों की रक्षा करने का वचन देते हैं। इस दौरान राजनीतिक गलियारे में भी रक्षाबंधन का प्रेमभरा संदेश दिखाई दिया। हमारा सांस्कृतिक देश हर भाई-बहनों को अपने परिवार के सदृश्य मानता है। इसी की झलक राखी के त्योहार पर भी दिखाई दी।

खटीमा में महिलाओं ने उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी को उनके आवास पर राखी बांधी।

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सांखली में अपने आवास पर रक्षाबंधन मनाया।

गांधीनगर के राजभवन में महिलाओं ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल को राखी बांधी।

पूर्व राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी को राखी बांधी।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली में मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में स्कूली छात्रों के साथ रक्षाबंधन मनाया।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना में पेड़ों को राखी बांधी। कार्यक्रम के दौरान नीतीश ने एक पौधा भी लगाया।

खबर संक्षेप

मंदिर मामले में गिरफ्तारी देने पहुंचे दुबे, इनकार

देवघर। झारखंड की राजनीति में एक बार फिर देवघर केंद्र में आ गया है। भाजपा सांसद और देवघर मंदिर ट्रस्टी निशिकांत दुबे ने पुलिस और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया है कि बाबा मंदिर से जुड़े विवाद में गिरफ्तारी देने के लिए खुद थाने पहुंचे, लेकिन पुलिस ने गिरफ्तारी लेने से इनकार कर दिया।

धुआं निकलने पर चेन पुलिंग कर कूदे यात्री

गाजियाबाद। यहां से कानपुर की ओर जा रही फरक्का एक्सप्रेस की बोगियों में ग्रेटर नोएडा के दनकौर रेलवे स्टेशन के पास शुक्रवार देर रात अचानक धुआं उठने से हड़कंप मच गया। घबराए यात्रियों ने चेन पुलिंग करके ट्रेन रोक दी और कूदने लगे। कुछ यात्रियों व ट्रेन के स्टाफ ने फायर उपकरण से धुएं वाली जगह पर स्प्रे किया। इसमें कई घायल हो गए।

गहलोत के पीएसओ राजकुमार गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में एसआई भर्ती पेपर 2021 लीक प्रकरण से जुड़ी एक बड़ी खबर आई है। इसमें दो लोगों की गिरफ्तारी हुई है। ये गिरफ्तारी पूर्व सीएम अशोक गहलोत के करीबी की हुई है। राजस्थान एसओजी ने देर रात पेपर लीक से जुड़े एक मामले में गहलोत के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर राजकुमार यादव और बेटे भरत को गिरफ्तार किया है।

पति ने किया पत्नी और दो बेटियों का कत्ल

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली 3 हत्याओं से दहल उठी। एक शख्स ने पत्नी और 2 बेटियों को मार डाला। रक्षाबंधन के दिन हुई सनसनीखेज वारदात से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर फरार आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। प्रदीप ने पत्नी और 5 और 7 साल की दो बेटियों की हत्या कर दी।

गुजरात-राजस्थान में भूकंप के लगे झटके

अहमदाबाद। गुजरात-राजस्थान सीमा के आसपास शनिवार रात 9 बजकर 3 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.6 मापी गई, जिसका केंद्र बिंदु पालनपुर से 31 किमी उत्तर पूर्व में था। गुजरात के बनासकांठा जिले में और राजस्थान में माउंट आबू और आसपास के क्षेत्रों में भूकंप के झटके महसूस किए गए।

बंगाल सचिवालय 'नबान्न' तक मार्च के दौरान हंगामा, हालात बिगड़े

बैरिकेड्स को तोड़कर बढ़ी भीड़ तो पुलिस ने चलाईं लाठियां, 100 प्रदर्शनकारी जख्मी हुए

सुवेंदु, पॉल धरने पर बैठे, पीड़िता के माता-पिता भी घायल

आरजी कर कांड को लेकर प्रदर्शन किया

सुवेंदु की चेतावनी, और बड़ा प्रदर्शन करेंगे

एजेंसी ⏭ कोलकाता

पुलिस ने पश्चिम बंगाल सचिवालय नबान्न तक मार्च के दौरान मध्य कोलकाता में पार्क स्ट्रीट क्रॉसिंग पर प्रदर्शनकारियों पर लाठियां भांजीं है। यह मार्च सरकारी आरजी कर अस्पताल के अंदर एक ऑन ड्यूटी डॉक्टर के साथ क्रूर दुष्कर्म और हत्या के एक साल पूरे होने के मौके पर शनिवार को निकाली गई। रानी रश्मोनी रोड सभा स्थल से आगे न बढ़ने की पुलिस की चेतावनी को नजरअंदाज करते हुए प्रदर्शनकारियों ने विद्यासागर सेतु की ओर बढ़ने के लिए बैरिकेड्स तोड़ने की कोशिश की। इससे माहौल तनावपूर्ण हो गया।

इस दौरान विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी, भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल और अन्य भाजपा विधायकों के साथ पार्क स्ट्रीट-जेएल नेहरू रोड क्रॉसिंग पर धरने पर बैठ गए। आरोप लगाया कि पुलिस कार्रवाई में भाजपा नेताओं सहित 100 से अधिक प्रदर्शनकारी घायल हो गए। सुवेंदु ने यह भी दावा किया कि लाठीचार्ज के दौरान आरजी कार पीड़िता के माता-पिता घायल हो गए। सुवेंदु ने चेतावनी दी कि ममता बेनर्जी को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। यह विरोध प्रदर्शन आगे और भी बड़ा होने वाला है।

भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज करवाया गया

नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु ने दावा किया है कि बंगाल सचिवालय तक मार्च के दौरान पुलिस कार्रवाई में भाजपा विधायकों पर लाठीचार्ज कर गई। इस बवाल के दौरान आरजी कर पीड़िता के माता-पिता भी घायल हो गए हैं। खबर है कि भाजपा नेता अधिकारी और अग्निमित्रा पॉल पुलिस कार्रवाई के विरोध में वहीं धरने पर बैठ गए हैं।

पुलिस सभास्थल जाने से रोक रही चूड़ियां तोड़ दीः पीड़िता के माता-पिता

पीड़िता के पिता ने आरोप लगाया कि उच्च न्यायालय की ओर से हमें शांतिपूर्ण विरोध रैली आयोजित करने की अनुमति दिए जाने के बावजूद पुलिस हमारे साथ सहयोग नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने रास्ते में विभिन्न स्थानों पर लोगों के वाहनों को रोककर उन्हें सभा स्थल तक पहुंचने से रोकने की कोशिश की। पीड़िता की मां ने कहा कि वे हमें क्यों रोक रहे हैं? हमारी चूड़ियां तोड़ दी गईं।

पीड़िता के लिए न्याय ममता इस्तीफा दें

प्रदर्शनकारियों को 10 फीट ऊंचे बैरिकेडों को लांघने की कोशिश करते देखा गया। आंदोलनकारियों को लोहे की दीवारों को तोड़ने और उनमें छेद करने के लिए कुंद औजारों का इस्तेमाल करते हुए भी देखा गया, ताकि वे आगे बढ़ सकें। प्रदर्शनकारियों को तिरंगे के अलावा पोस्टर और बैनर लिए देखा गया। इन पर पीड़िता के लिए न्याय और मुख्यमंत्री ममता के इस्तीफे की मांग की गई थी।

सुवेंदु ने ममता सरकार पर धमकाने का लगाया आरोप

सुवेंदु ने घटना के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में 'नबन्ना' तक शांतिपूर्ण मार्च निकालने का संकल्प लिया। अधिकारी ने ममता बेनर्जी सरकार पर धमकाने और अत्यधिक प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों को गंतव्य तक पहुंचने से रोकने के लिए कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं।

लाठीचार्ज से भड़के भाजपा विधायक डिंडा

इतना मारेंगे कि पुलिस को ममता के आंचल में छिपना पड़ेगा

'नबन्ना अभियान' के दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई। प्रदर्शन में उनके साथ पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता और भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुवेंदु अधिकारी और पार्टी के अन्य विधायक भी शामिल हुए। ये पीड़िता के लिए न्याय की मांग लगातार कर रहे हैं।

अब दिन दूर नहीं जब पुलिस को पीटेंगे

प्रदर्शन के दौरान स्थिति इतनी बिगड़ गई कि पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस प्रदर्शन में भाजपा विधायक अशोक डिंडा भी शामिल थे, जिन्होंने मुख्यमंत्री ममता और बंगाल पुलिस पर निशाना साधा। अशोक डिंडा ने कहा कि वह दिन दूर नहीं है जब हम पुलिस को भी पीटेंगे। पुलिस की खूब पिटाई होगी।

राहुल के रात्रिभोज पर छिड़ गई जंग

उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठाया शरद ने अनावश्यक विवाद कहा

एजेंसी ⏭ नागपुर

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे को लेकर छिड़े विवाद को लेकर अपनी राय दी है। उन्होंने इस विवाद को बेतुका और गैर-जरूरी बताया है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आवास पर गुरुवार को विपक्षी गठबंधन इंडिया के नेताओं के लिए एक डिनर पार्टी आयोजित की गई थी। इस दौरान उद्धव को अंतिम पंक्ति में बैठा दिखाया गया। इसे लेकर सियासी घमासान छिड़ गया। कई लोगों ने इसे शिवसेना और महाराष्ट्र का अपमान बताया।

'वोट चोरी' का आरोप कागजों पर आधारित

शरद ने शनिवार को कहा कि राहुल का 'वोट चोरी' वाला आरोप अच्छी तरह से शोध और दस्तावेजों पर आधारित था। इस मामले की जांच करना चुनाव आयोग का काम है। नागपुर में शरद ने स्वीकार किया कि विपक्षी महा विकास अघाड़ी को महाराष्ट्र में चुनाव से पहले अधिक सावधान रहना चाहिए था। हमें पहले ही इस पर गौर करना चाहिए था।

160 सीटों पर जीत की दी थी गारंटी

शरद ने दावा किया कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले दो लोगों ने नई दिल्ली में उनसे मुलाकात की थी और 288 में से 160 सीटों पर विपक्ष की जीत की गारंटी दी थी। पवार ने कहा कि उन्होंने दोनों को राहुल से मिलवाया था।

फडणवीस-शिंदे ने कसा तंज

ठाकरे को गठबंधन में उनकी जगह दिखा दी

भाजपा ने उद्धव के पीछे बैठने को लेकर तंज कसा है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि डिनर पार्टी में उद्धव ठाकरे को सबसे पीछे बैठाकर उनका अपमान किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जब अविभाजित शिवसेना एनडीए का हिस्सा थी तो उद्धव हमेशा पहली पंक्ति में बैठते थे। लेकिन अब हमें पता चल गया है कि उन्हें गठबंधन में किस तरह का सम्मान मिलता है। उनको गठबंधन ने सही जगह बता दी है।

बाल ठाकरे के आदर्श त्यागे, कांग्रेस ने सही जगह दिखाई

उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी उद्धव का मजाक उड़ाया और कहा कि कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है। शिंदे ने कहा कि जो लोग आत्म-सम्मान को गिरवी रख देते हैं और बाल ठाकरे के आदर्शों को त्याग देते हैं, कांग्रेस ने उन्हें उनकी जगह दिखा दी है।

कांग्रेस ईसी की साख पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर रही

इसके साथ ही सोनिया पर भी साधा निशाना

चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं तो राहुल और प्रियंका गांधी लोकसभा से इस्तीफा दें: भाटिया

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने एक बार फिर शनिवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। पार्टी ने चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों को लेकर राहुल गांधी को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि अगर नेता प्रतिपक्ष को चुनाव आयोग पर भरोसा नहीं है तो उन्हें लोकसभा से इस्तीफा दे देना चाहिए, क्योंकि उन्होंने अपने 'वोट चोरी' वाले आरोप पर कोई लिखित बयान नहीं दिया।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने शनिवार को एक पत्रकार वार्ता में यह कहते हुए सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से भी इस्तीफे की मांग की कि कांग्रेस चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठाकर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर रही है। भाटिया ने कहा कि अगर कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी और सांसद प्रियंका गांधी को भी चुनाव प्रक्रिया में भरोसा नहीं है, तो उन्हें भी राज्यसभा और लोकसभा से इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, राहुल गांधी मीडिया के सामने बेबुनियाद आरोप लगाते हैं। जब संवैधानिक संस्था आपसे सबूत और लिखित बयान मांगती है, तो देने से इनकार कर देते हैं।

भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया

भाटिया ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला देते हुए कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत ने स्पष्ट कहा था कि चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर कोई शक नहीं है और यह एक सच्चाई है कि आयोग ने वर्षों में एक ईमानदार संस्था के रूप में पहचान बनाई है। भाटिया ने कहा कि राहुल आपको ईसी और सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों पर भरोसा नहीं है, तो पहले लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा दीजिए। प्रियंका आप भी इस्तीफा दीजिए। सोनिया गांधी, आप भी कम से कम नैतिक आधार पर इस्तीफा दीजिए। इसके बाद आप सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जनता के पास जाइए। कांग्रेस शासित राज्यों कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों को भी इस्तीफा देना चाहिए, क्योंकि उनके शीर्ष नेता चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं कर रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का विश्व संस्कृत दिवस पर संदेश

सरकार भाषा को बढ़ाने लगातार कर रही प्रयास

संस्कृत के महत्व को किया उजागर उसे ज्ञान का प्राचीन स्त्रोत बताया

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व संस्कृत दिवस पर कहा कि उनकी सरकार ने पिछले दस वर्षों में संस्कृत भाषा को आगे बढ़ाने कई काम किए हैं। उन्होंने बताया कि संस्कृत ज्ञान का एक बहुत पुराना स्त्रोत है और इसका असर हमारे जीवन के हर हिस्से में देखा जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि यह इस भाषा को सीखने और इसे लोकप्रिय बनाने के लिए प्रयासरत सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का अवसर है। यह दिवस प्रतिवर्ष 'श्रावण पूर्णिमा' के शुभ अवसर पर मनाया जाता है।

सरकार के कदमों की जानकारी दी

पीएम मोदी ने अपनी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों को उजागर करने के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की स्थापना, संस्कृत शिक्षण केंद्रों की स्थापना, भाषा के विद्वानों को अनुदान देने और प्राचीन संस्कृत पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण अभियान की शुरुआत जैसे उपायों का हवाला दिया।

प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गईं

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे अनगिनत छात्रों और शोधकर्ताओं को लाभ हुआ है। हिंदू महाकाव्यों सहित कई प्रभावशाली प्राचीन पुस्तकें संस्कृत में लिखी गई हैं, एक ऐसी भाषा जो अब मुख्यतः धार्मिक कार्यों में ही सीमित रह गई है।

सिब्बल ने गृहमंत्री शाह से पूछा सवाल

धनखड़ का न पता और न ही कोई सूचना, सुरक्षित तो हैं ना

धनखड़ की अनुपस्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने देश के पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की अनुपस्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की है। सिब्बल ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया और पूछा कि 22 जुलाई को इस्तीफा दिया था और 9 अगस्त तक कोई जानकारी नहीं है। सिब्बल ने इस पोस्ट के माध्यम से केंद्र सरकार पर निशाना साधने की कोशिश की है। निर्वाचन आयोग ने भी उपराष्ट्रपति पद के लिए नौ सितंबर को होने वाले चुनाव की अधिसूचना जारी कर दी है और इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया की शुरुआत हो गई।

एक्स पर पोस्ट डालकर देश के गृहमंत्री से जानकारी चाही

स्वास्थ्य कारणों का हवाला देकर दिया था इस्तीफा

उल्लेखनीय है कि जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से त्यागपत्र दे दिया था। उनके इस्तीफे के बाद से उपराष्ट्रपति का पद रिक्त है। धनखड़ का कार्यकाल 2027 में पूरा होने वाला था। धनखड़ के इस्तीफे के बाद नए उपराष्ट्रपति के लिए कयासों का दौर शुरू हो गया है।

सिब्बल का व्यंग्य और उनकी चिंता

सिब्बल ने कहा कि मैंने 'लापता लेडीज' फिल्म के बारे में सुना है, लेकिन 'लापता' उपराष्ट्रपति के बारे में कभी नहीं सुना। आगे उन्होंने कहा कि धनखड़ हमेशा सरकार का समर्थन करते रहे, लेकिन अब लगता है कि विपक्ष को ही उनकी खोज करनी पड़ेगी। सिब्बल ने यहां तक कहा कि क्या हमें 'हैबियस कॉर्पस' याचिका दाखिल करनी पड़ेगी?

यह देश के लिए चिंता की बात

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए कपिल सिब्बल ने लिखा कि क्या हमें बताया जा सकता है कि जगदीप धनखड़ कहां हैं? अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा क्या गृहमंत्री अमित शाह बताएंगे कि जगदीप धनखड़ सुरक्षित हैं? उनसे कोई संपर्क हो पा रहा है?सिब्बल ने आगे इस पोस्ट में लिखा कि देश के गृहमंत्री अमित शाह को पता होना चाहिए! वे (जगदीप धनखड़) हमारे देश के उपराष्ट्रपति थे, देश को चिंतित होना चाहिए।

दिल्ली के वसंत कुंज में हादसा

निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का हिस्सा 15 मीटर तक धंसा

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

वसंत कुंज स्थित मसूदपुर फ्लाईओवर के पास निर्माणाधीन मेट्रो लाइन का एक हिस्सा धंस गया। फ्लाईओवर के पास बैरिकेड लगाकर मरम्मत कार्य शुरू कर दिया गया है। मसूदपुर फ्लाईओवर के पास मेट्रो के खोदाई वाले क्षेत्र में फुटपाथ का लगभग 10 से 15 मीटर का हिस्सा धंस गया है। किसी भी व्यक्ति या सामग्री को कोई नुकसान नहीं हुआ है। सिके बाद पुलिस ने सुरक्षात्मक कदम उठाया है। लोगों की आवाजाही फिलहाल रोक दी गई है।

सड़क पर बैरिकेडिंग की

एहतियात के तौर पर फ्लाईओवर के नीचे फुटपाथ के पास की सड़क पर बैरिकेडिंग कर दी गई है। मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। डीएमआरसी दिल्ली यातायात पुलिस के साथ समन्वय कर रही है ताकि यातायात सुचारू रहे। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी को दुलारती नन्ही बच्ची

भाई की कलाई पर सजा बहन का प्यार

राष्ट्र की रक्षा के लिए राखी, सैनिकों को स्नेह विश्वास और कृतज्ञता का शाश्वत धागा बांधा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में रक्षाबंधन का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। इस पवित्र त्योहार पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती है और उनकी लंबी उम्र की कामना करती हैं, तो वहीं भाई अपनी बहन को उसकी रक्षा का वचन देते हैं। यह दिन भाई-बहनों के प्रेम, रिश्ते, विश्वास और उनकी ताकत को समर्पित है। रक्षाबंधन के मौके पर दिल्ली में थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने भी इस त्योहार को मनाया। यह एक भावुक और खास पल था, जो सेना और देश की जनता के बीच मजबूत रिश्ते का प्रतीक बना। इस दौरान छात्राओं ने सेना प्रमुख के माथे पर तिलक लगाया और उनकी कलाई पर राखी बांधकर अपने रक्षकों के प्रति प्यार, भरोसे और सम्मान का इजहार किया।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आशा स्कूल की छात्राओं से राखी बंधवाई

वायु सेनाध्यक्ष एपी सिंह ने छात्राओं से राखी बंधवाई और उन्हें मिठाई खिलाकर मुंह मीठा किया

सीडीएस अनिल चौहान को स्कूल की छात्राओं ने तिलक लगाकर उनकी कलाई पर बांधी राखी

लद्दाख में भारतीय सैनिकों को स्थानीय बहनों ने बांधी राखी और हाथ में तिरंगा लेकर खुशी इजहार की

सेना के प्रति प्रेम और अटूट विश्वास का प्रतीक

सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने कहा कि भारतीय सेना हमेशा देशवासियों की सुरक्षा और सेवा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक के लिए ये राखियां एक याद दिलाने वाली होती हैं कि वो अकेले नहीं हैं बल्कि पूरा देश उनके साथ खड़ा है। वहीं, सेना ने कहा कि रक्षाबंधन पवित्र और हार्दिक भाव राष्ट्र की प्रार्थनाओं को दर्शाता है, जो प्रत्येक नागरिक के भारतीय सेना के प्रति अटूट विश्वास और स्नेह के बंधन को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

अमेरिकी सेना को देश में घुसने नहीं देंगे: शिनबाम

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने कहा

कि वे अपने देश में अमेरिकी सेना का घुसना स्वीकार नहीं करेगी। अमेरिकी सेना मैक्सिको नहीं आएगी। यह किसी समझौते का हिस्सा नहीं है और पहले भी जब यह मुद्दा उठा, उन्होंने हमेशा 'नहीं' कहा है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि उन्होंने पेंटागन को मैक्सिको के उन ड्रग कार्टेल्स पर कार्रवाई का आदेश दिया है जिन्हें अमेरिका आतंकवादी संगठन मानता है। शिनबाम ने कहा कि अगर पेंटागन मैक्सिको या आसपास के देशों में सेना भेजने की योजना बनाता है, तो यह दोनों देशों के रिश्तों को और बिगाड़ सकता है।

न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर में गोलीबारी, 3 घायल

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर में शनिवार रात गोलीबारी

हुई, जिसमें तीन लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस के मुताबिक, यह घटना रात करीब 1:20 बजे वेस्ट 44वीं स्ट्रीट और सेवेंथ एवेन्यू पर हुई। यह इलाका दुनिया के सबसे मशहूर पर्यटन स्थलों में से एक है। घायल लोगों में एक 19 वर्षीय और एक 65 वर्षीय पुरुष शामिल हैं, दोनों को पैरों में गोली लगी है। एक 18 वर्षीय महिला की गर्दन पर खरोंच का घाव है। तीनों को बेलेव्यू अस्पताल ले जाया गया और उनकी जान को खतरा नहीं है।

भारत ने सैन्य क्षेत्र में दिखाई अपनी ताकत, दर्ज की ऐतिहासिक उपलब्धि

पीएम मोदी के नेतृत्व को सराहा

सालाना रक्षा उत्पादन सर्वकालिक उच्च स्तर डेढ़ लाख करोड़ को पार कर गया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विश्व में मची उथल-पुथल और पड़ोसी देशों से तनाव के बीच भारत ने अपनी धमक फिर से दिखाई है। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में रिकॉर्ड बढ़ोतरी दर्ज की है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर बताया कि भारत का सालाना रक्षा उत्पादन डेढ़ लाख करोड़ के ऊपर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है।

मंत्रालय की ओर से जारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, यह 2023-24 में दर्ज 1.27 लाख करोड़ रुपए से 18% और 2019-20 में दर्ज 79,071 करोड़ रुपए की तुलना में 90% की वृद्धि हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का रक्षा उत्पादन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का रक्षा उत्पादन 1,50,590 करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। यह 2023-24 में दर्ज 1.27 लाख करोड़ रुपए से 18% और 2019-20 में दर्ज 79,071 करोड़ रुपए की तुलना में 90% की वृद्धि हुई है

2019-20 की तुलना में 90% की आश्चर्यजनक वृद्धि

रक्षा निर्यात 2024-25 में बढ़कर 23,622

सार्वजनिक क्षेत्र का योगदान 77%

राजनाथ सिंह ने बताया कि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं ने कुल उत्पादन में लगभग 77% का योगदान दिया, जबकि निजी क्षेत्र का योगदान 23% रहा। यह सरकार पीएम नरेंद्र मोदी के नीतिगत सुधारों, व्यापार को आसान बनाने के प्रयासों और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशीकरण पर ध्यान केंद्रित करने से संभव हो सका है। इस पहल का उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और रक्षा निर्यात को बढ़ावा देना है।

एक दशक में 30 गुना बढ़ा रक्षा निर्यात

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, पिछले एक दशक में भारत का रक्षा निर्यात लगभग 30 गुना बढ़ गया है। 2013-14 में जो रक्षा निर्यात 686 करोड़ रुपए था वो 2024-25 में बढ़कर 23,622 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। पिछले एक दशक में भारत ने 88 हजार 319 करोड़ रुपए के रक्षा उपकरण निर्यात किए, जबकि 2004 से 2014 के बीच ये आंकड़ा 4 हजार 312 करोड़ रुपए था।

भारत बना आत्मनिर्भर: रिपोर्ट

हाल ही में आई स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार भारत अब रक्षा उपकरणों में आत्मनिर्भर बनने के साथ ही उन्हें निर्यात करने वाला एक उभरता वैश्विक खिलाड़ी बन चुका है। 2014 से 2024 तक भारत के रक्षा आयात में 34% की उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है, जबकि रक्षा निर्यात में 700% से अधिक की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत हथियारों के मामले में बहुत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

सामूहिक प्रयासों से मिली सफलता

केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में इस उपलब्धि को हासिल करने में रक्षा उत्पादन विभाग और सभी हितधारकों, जिनमें रक्षा क्षेत्र की सार्वजनिक इकाइयां और निजी उद्योग शामिल हैं। उन्होंने 'सामूहिक प्रयासों' की सराहना की, और इसे 'ऐतिहासिक उपलब्धि' बताया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बढ़ती हुई प्रगति भारत के मजबूत होते रक्षा औद्योगिक आधार का स्पष्ट संकेत है।

आतंकी विरोध अभियान जारी

कुलगाम में मुठभेड़ के दौरान पंजाब के 2 जवान 'बलिदान'

हरमिंदर सिंह प्रीतपाल सिंह

एजेंसी ▶▶ श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के कुलगाम के अखल इलाके में आतंकियों और जवानों के बीच मुठभेड़ चल रही है। मुठभेड़ के नौवें दिन रक्षाबंधन के पर्व पर सेना के दो जवान शहीद हो गए, जबकि पिछली रात की गोलीबारी में दो अन्य जवान घायल हुए हैं। दोनों जवान पंजाब के अलग-अलग जिलों के हैं।

- 1 अगस्त से चल रहा अभियान
- अब तक 10 जवान घायल

इनमें एक फतेहगढ़ साहिब के मंडी गोबिंदगढ़ का हरमिंदर सिंह और दूसरा खन्ना के समराला का लांस नायक प्रीतपाल सिंह है। फतेहगढ़ जिले के औद्योगिक शहर मंडी गोबिंदगढ़ से सटे गांव बदीनपुर का हरमिंदर सिंह पुत्र जसवंत सिंह सिख फोर्स ट्रेनिंग रेजिमेंट में तैनात था। इसके अलावा एक खन्ना जिले के समराला हलके के गांव मानुपुर का लांस नायक प्रीतपाल सिंह पुत्र हरबंस सिंह भी देश के लिए शहीद हुए हैं।

2 से 3 आतंकियों के छिपे होने की आशंका

भारतीय सुरक्षाबलों ने 1 अगस्त को जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों की तलाश में 'ऑपरेशन अखल' शुरू किया था। यह कार्रवाई इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खुफिया जानकारी मिलने के बाद शुरू हुई थी। माना जा रहा है कि यहां 2 से 3 आतंकी छिपे हो सकते हैं। भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स के अनुसार, सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की संयुक्त टीम ने दक्षिण कश्मीर के जंगल क्षेत्र में आतंकियों की मौजूदगी के इनपुट के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया था। अब तक मुठभेड़ में एक आतंकी का शव बरामद हुआ है, जबकि कुल मिलाकर दो जवान शहीद और दस जवान घायल हो चुके हैं। सूत्रों के मुताबिक, घने जंगल और प्राकृतिक गुफा जैसे ठिकानों का फायदा उठाकर कम से कम तीन या उससे ज्यादा आतंकी अब भी छिपे हुए हैं। यह मुठभेड़ पिछले कई दशकों में सबसे लंबा चला रहा आतंक विरोधी अभियान बन गया है।

सेनाध्यक्ष ने दी श्रद्धांजलि

मुठभेड़ में शहीद जवानों को सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने श्रद्धांजलि अर्पित की। भारतीय थल सेना के समस्त पद, लांस नायक प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने कश्मीर में ड्यूटी के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय थल सेना शोक की इस घड़ी में शोकाकुल परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है तथा उनके साथ दृढ़ता से खड़ी है। वहीं, चिनार कोर ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि चिनार कोर राष्ट्र के लिए अपने कर्तव्य का पालन करते हुए वीरों, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रितपाल सिंह और सिपाही हरमिंदर सिंह के सर्वोच्च बलिदान को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

पाकिस्तान को लगा बड़ा झटका

भारतीय विमानों के लिए हवाई क्षेत्र बंद करने से हुआ 4.1 अरब रुपए का नुकसान

एजेंसी ▶▶ इस्लामाबाद

भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद करने के बाद पाकिस्तान को 4.1 अरब रुपए का नुकसान झेलना पड़ा है। यह जानकारी पाकिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने नेशनल असेंबली में दी। पाक सरकार ने बताया कि यह घाटा 24 अप्रैल से 30 जून तक का है। यानी पाकिस्तान हवाई अड्डा प्राधिकरण को इससे भी बड़ा नुकसान हुआ है जो अभी भी जारी है क्योंकि पड़ोसी देश ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना हवाई क्षेत्र अभी भी नहीं खोला है।

पाक ने रद्द की थी अनुमति

पाकिस्तान ने भारतीय पंजीकृत विमानों और भारतीय एयरलाइंस द्वारा संचालित, स्वामित्व वाले या लीज पर लिए गए विमानों को अपने हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने की अनुमति रद्द कर दी। हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाने से प्रतिदिन 100 से 150 भारतीय उड़ानों पर असर पड़ा, जिसके चलते पाकिस्तान के हवाई यातायात में लगभग 20% की कमी आई।

भारतीय विमानों से होती थी कमाई

पाकिस्तान एयरपोर्ट्स अथॉरिटी की कमाई मुख्य रूप से हवाई क्षेत्र के उपयोग से होती है। जब कोई विमान पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुजरता है, तो एयरलाइंस को इसके लिए एक शुल्क देना पड़ता है, जिसे ओवरफ्लाइंग चार्ज या नेविगेशन फीस कहते हैं। यह फीस विमान के प्रकार, उड़ान की दूरी और हवाई क्षेत्र के उपयोग के आधार पर तय होता है। पीएए इस शुल्क को इकट्ठा करती है, जो उसकी आय का एक बड़ा हिस्सा है। जब पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध लगाया, तो रोजाना 100-150 उड़ानों से मिलने वाला यह शुल्क रुक गया।

मुंबई एयरपोर्ट पर डेटा नेटवर्क ठप, कई उड़ानों में देरी, लोग परेशान

मुंबई। शनिवार को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा और दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

मुंबई एयरपोर्ट पर डेटा नेटवर्क खराब होने की वजह से उड़ानों में देरी हुई और दिल्ली एयरपोर्ट पर भारी बारिश की वजह से हवाई यातायात प्रभावित हुआ। एयर इंडिया ने बताया कि थर्ड-पार्टी डेटा नेटवर्क में खराबी से एयरलाइनों के चेक-इन सिस्टम ठप हो गए। यात्रियों को चेक-इन काउंटरों पर लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ा।

यूएन महासचिव ने जताई चिंता, कहा

इजराइल के गाजा पर कब्जे से फिलिस्तीनियों को बड़ा खतरा

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

इजराइल के गाजा पर कब्जे के फैसले पर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि अगर इजराइल गाजा पर कब्जा कर लेता है तो फिलिस्तीनियों के लिए खतरा बढ़ जाएगा। गाजा में फिलिस्तीनी भयावह मानवीय आपदा झेल रहे हैं। अब अगर गाजा इजराइल पर कब्जा करता है तो जबरन विस्थापन, हत्याएं और व्यापक विनाश होगा। इससे गाजा में फिलिस्तीनी आबादी की अकल्पनीय पीड़ा और बढ़ जाएगी। उन्होंने स्थायी युद्धविराम, गाजा में निर्बाध मानवीय

पहुंच और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई की अपनी अपील दोहराई।

महासचिव ने एक बार फिर इजराइल सरकार से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए कहा। इजराइल सुरक्षा परिषद के गाजा पर कब्जा करने के फैसले की आलोचना को लेकर इजराइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने जवाब दिया है।

उत्तराखंड में आपदा

भूस्खलन और बारिश के चलते राज्य में 266 मार्ग बंद, 173 ही खुल सके

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड राज्य में भूस्खलन और बारिश के चलते शुक्रवार को प्रदेश में 150 मार्ग बंद हो गए। गुरुवार को भी 116 रास्ते बंद थे। ऐसे में बंद मार्गों की संख्या 266 तक पहुंच गई।

लोक निर्माण विभाग की टीम शुक्रवार शाम पांच बजे तक 173 मार्ग खोलने में सफल हो सकी है। अभी भी 93 मार्ग बंद हैं।

इसमें दो राष्ट्रीय राजमार्ग (पौड़ी व देहरादून जिला), 7 राज्यमार्ग (देहरादून 3, पौड़ी-टिहरी एक-एक, नैनीताल 2), 7 मुख्य जिला मार्ग, 2 अन्य जिला मार्ग और 75 ग्रामीण मार्ग शामिल हैं। लोनिवि ने बंद रास्तों को खोलने के लिए 514 मशीनों को तैनात किया हुआ है।

धराली में लोगों को तलाशना चुनौती

धराली हादसे के मलबे में कई फीट नीचे दबे लोगों को तलाशना बड़ी चुनौती बन गया है। मलबे में फंसे लोगों को खोजने के लिए कुछ अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग हो रहा है। इनमें थर्मल इमेजिंग कैमरा, रडार आदि शामिल हैं। ये सब तकनीकें जीवित लोगों को तलाशने में कारगर साबित होती हैं। मसलन थर्मल इमेजिंग कैमरा शरीर की गर्मी का पता लगाकर तस्वीरें बनाता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि 15 से 20 फीट नीचे मलबे में दबे लोगों को तलाशने में तकनीक भी ज्यादा कारगर साबित नहीं होगी।

यूएस के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बड़ा आरोप

ट्रंप की टैरिफ नीति 'बहुत बड़ी भूल' साबित होगी

भारत को रूस व चीन से दूर रखने की कोशिशों को खतरे में डाला

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने भारत के साथ टैरिफ प्रकरण पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका ने भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों पहले से चले आ रहे प्रयासों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए भारी शुल्कों पर बात करते हुए यह बात कही। बोल्टन ने भारत की तुलना में चीन के प्रति ट्रंप के पूर्वाग्रह की भी आलोचना की और कहा कि यह एक 'बहुत बड़ी भूल' हो साबित सकती है।

अमेरिका को 'सबसे खराब परिणाम' भुगतने पड़ेंगे

टैरिफ प्रकरण विडंबनापूर्ण

बोल्टन ने कहा कि टैरिफ के कारण अमेरिका को 'सबसे खराब परिणाम' भुगतने पड़े। उन्होंने टैरिफ प्रकरण को विडंबनापूर्ण बताया। बोल्टन ने कहा कि रूस को नुकसान पहुंचाने के इरादे से भारत पर लगाए जाने वाले प्रस्तावित जुर्माना भारत को रूस और चीन के करीब ला सकता है, और शायद उन्हें अमेरिका के खिलाफ मिलकर बातचीत करने पर मजबूर कर सकता है। बोल्टन ने जोर देकर कहा कि चीन के प्रति ट्रंप की नरमी और भारत पर भारी शुल्क, भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों से चले आ रहे अमेरिकी प्रयासों को खतरे में डाल रहा है।

पूर्व अमेरिकी उप विदेश मंत्री की सलाह

पीएम मोदी ट्रंप की शर्तों को नहीं मानें

पूर्व अमेरिकी उप-विदेश मंत्री कर्ट कैंपबेल ने भारत पर ट्रंप के टैरिफ की निंदा की। उन्होंने कहा कि टैरिफ के कारण अब अमेरिका-भारत के संबंधों पर खतरा मंडरा रहा है। कैंपबेल ने कहा कि 21वीं सदी में अमेरिका का भारत के साथ एक महत्वपूर्ण रिश्ता है। राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत और पीएम मोदी के बारे में जिस तरह की बातें की हैं, उसने भारत सरकार को मुश्किल में डाल दिया है। उन्होंने भारत को सलाह देते हुए कहा कि पीएम मोदी को ट्रंप की शर्तों को नहीं मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर आप भारत से कहेंगे कि उसे रूस के साथ अपने संबंधों का त्याग करना होगा, तो भारतीय रणनीतिकार ठीक इसका उल्टा करेंगे।

ब्रिक्स दे रहा डॉलर को चुनौती

ट्रंप की कार्रवाई के बाद भारत से लेकर रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका एक जुट हो रहे हैं। अगर ब्रिक्स देश अपनी मुद्रा में व्यापार शुरू करते हैं तो यह अमेरिका के लिए बड़ा झटका होगा। रूस ने सबसे पहले 2022 में एक नई अंतरराष्ट्रीय रिजर्व मुद्रा का प्रस्ताव रखा था और ब्रिक्स देश अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं (जैसे रुपए, युआन, रूबल) में व्यापार को बढ़ावा देने की ओर चल पड़े हैं। ब्रिक्स मुद्राओं में व्यापार होने से डॉलर की मांग कम हो सकती है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका होगा।

शुभमन की लॉर्ड्स वाली जर्सी पर लगी लाखों की बोली, 5.41 लाख में बिकी

पंत की टोपी का 1.76 लाख रुपए लगा मोल

नई दिल्ली। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में शुभमन गिल की टीशर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी है। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल का पहला इंग्लैंड दौरा काफी शानदार रहा। इस मैच में भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने अपनी बैटिंग और कप्तानी से सबका दिल जीत लिया। पांच मैचों की सीरीज में शुभमन गिल ने 10 पारियों में 754 रन बनाए, जिसमें एक दोहरा शतक और चार शानदार शतक शामिल है। भारतीय टीम ने इस सीरीज को 2-2 की बराबरी के साथ खत्म किया। सीरीज खत्म होने के बाद भारत और इंग्लैंड के खिलाड़ियों के इस्तेमाल किए गए कई सामान की चैरिटी ऑक्शन में नीलामी की गई। इस नीलामी में गिल की टी-शर्ट ने सबसे ज्यादा दाम में बिकी। ये नीलामी 'रेड फॉर रूथ' नामक चैरिटी फाउंडेशन ने आयोजित की थी, जिसमें खिलाड़ियों की टी-शर्ट के साथ-साथ कैप, बैट और मैच टिकट जैसे कई अन्य क्रिकेट स्मृति चिन्ह भी शामिल थे।

बुमराह और जडेजा की जर्सी करीब 4.94 लाख में बिकीं

लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट के दौरान शुभमन गिल की पहनी और साइन की गई टीशर्ट को नीलामी में लगभग 5.41 लाख रुपए में खरीदा गया। इस नीलामी में गिल की जर्सी सबसे मंहगी बिकी थी। गिल के अलावा जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा की साइन की हुई जर्सी करीब 4.94 लाख रुपए में बिकीं और संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि केएल राहुल की जर्सी करीब 4.70 लाख रुपए में तीसरे स्थान पर रही।

जो रूट के जर्सी भी रही महंगी : इंग्लैंड की ओर से जो रूट की जर्सी सबसे महंगी रही, जो करीब 4.47 लाख रुपए में बिकी, जबकि बेन स्टोक्स की जर्सी करीब 4 लाख रुपए में नीलाम हुई।

क्या है 'रेड फॉर रूथ' अभियान

लॉर्ड्स टेस्ट में हर साल एक दिन "रेड फॉर रूथ" अभियान के लिए रखा जाता है, जिसे इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एंड्रयू स्ट्रॉस ने अपनी पत्नी रूथ स्ट्रॉस की याद में शुरू किया था, जिनका निधन कैंसर से हुआ था। इस दिन क्रिकेटर, कमेंटेटर और दर्शक सभी लाल कपड़े पहनते हैं। अब यह पहल क्रिकेट के सालाना कैलेंडर का अहम हिस्सा बन चुकी है। भारत-इंग्लैंड मैच से पहले फाउंडेशन ने बताया कि पिछले छह सालों में फैंस के सहयोग और उदारता से उसने 3,500 से ज्यादा परिवारों को अपने प्रियजनों के खोने के दुख से उबरने में मदद की है और 1,000 से ज्यादा कैंसर देखभाल एक्सपर्ट को शोक से निपटने की ट्रेनिंग दी है।

खबर संक्षेप

अहलावत 25वें स्थान पर, शुभंकर कट से चूके

एबेरडीन (स्कॉटलैंड)। भारतीय गोल्फर वीर अहलावत ने डीपी वर्ल्ड टूर पर नेक्सो चैंपियनशिप के दूसरे दौर में इवन पार के कार्ड के साथ कट हासिल किया। अहलावत ने अपने पहले दौर के 73 के कार्ड में 72 के कार्ड का इजाफा किया, जिससे दो दिन में उनका स्कोर एक ओवर हो गया। इससे वह संयुक्त 25वें स्थान पर हैं। अहलावत ने दूसरे दौर में तीन बर्डी लगाईं और तीन बोगी कर बैठे।

अमेरिकी ओपनः पाउला बडोसा ने नाम लिया वापस

न्यूयॉर्क। पाउला बडोसा ने पीठ की चोट के कारण शुक्रवार को अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। वह 30 जून को विंबलडन में पहले दौर में हार के बाद से चोट से जूझ रही थीं। अमेरिकी टेनिस संघ ने बडोसा के हटने की घोषणा की और कहा कि उनकी जगह जिल टेचमैन को मुख्य ड्रॉ में शामिल किया गया है। अमेरिकी ओपन के मुख्य ड्रॉ के मैच 24 अगस्त को शुरू होंगे। स्पेन की 27 वर्षीय बडोसा 2022 में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग नंबर दो पर पहुंची थी। वह अभी विश्व रैंकिंग में 12वें स्थान पर हैं।

लंदन चैंपियनशिपः दीक्षा संयुक्त 10वें स्थान पर

लंदन। भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने डबल बोगी से उबरते हुए आखिरी चार होल में दो बर्डी लगाकर पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के पहले दिन तीन अंडर 70 का कार्ड खेला। लेडीज यूरोपियन टूर टूर्नामेंट के पार-73 कोर्स में इस कार्ड से वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर थीं। वहीं अन्य भारतीयों में अदिति अशोक (73) संयुक्त 37वें, प्रणवी उर्स (75) संयुक्त 67वें और अवनि प्रशांत (76) संयुक्त रूप 75वें स्थान पर रहीं।

एशियाई सर्फिंग के फाइनल में पहुंचे बुधियाल

चेन्नई। भारत के रमेश बुधियाल ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप के ओपन पुरुष फाइनल में प्रवेश किया। रमेश ने दिन की शुरुआत क्वार्टरफाइनल हीट रेस में 14.84 अंक के साथ शीर्ष स्थान से की। वह फिलीपींस के नील सांचेस (12.80 अंक) से आगे रहे। सेमीफाइनल में रमेश ने अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए 11.43 अंक हासिल किए और इंडोनेशिया के पजार एरियाना 13.83 के बाद दूसरे स्थान पर रहे। इस तरह किसी भारतीय सर्फर ने पहली बार फाइनल में जगह पक्की की।

टेस्ट सीरीज 2-0 से जीता, जिम्बाब्वे को एक पारी और 359 रन से रौंदा

न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे को हराकर दर्ज की इतिहास की सबसे बड़ी जीत

एजेंसी ▶▶| बुलावायो

न्यूजीलैंड ने दूसरे टेस्ट मैच में जिम्बाब्वे को पारी और 359 रन से रौंदकर अपनी अब तक की सबसे बड़ी टेस्ट जीत दर्ज करने के साथ श्रृंखला 2-0 से अपने नाम की। जिम्बाब्वे की टीम 476 रनों से पिछड़ रही थी और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने तीसरे दिन पहले सत्र में दूसरी पारी में जिम्बाब्वे टीम 117 रन पर सिमट गई। टेस्ट क्रिकेट इतिहास में ये पारी और रनों के अंतर के मामले में अब तक की तीसरी सबसे बड़ी जीत भी है।

जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में दिखाया गेंद से कमाल

दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की टीम ने अपनी पहली पारी 3 विकेट के नुकसान पर 601 रन बनाकर घोषित कर दी थी, जिसके बाद तीसरे दिन के खेल में कीवी टीम की तरफ से अपना डेब्यू टेस्ट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज जकारी फाउलकेस ने शानदार बॉलिंग करते हुए अपने टेस्ट करियर का पहला 5 विकेट हॉल लिया और जिम्बाब्वे टीम की दूसरी पारी को 117 रनों के स्कोर पर समेटने में अहम भूमिका अदा की। जकारी फाउलकेस ने दूसरी पारी में 9 ओवर्स की गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 37 रन देने के साथ 5 विकेट हासिल किए। इसके अलावा मैट हेनरी और जैकब डफी ने भी 2-2 विकेट अपने नाम किए। कीवी टीम की ये जहां उनके टेस्ट क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी अब तक की जीत है तो वहीं जिम्बाब्वे की सबसे बड़ी हार है।

जिम्बाब्वे के सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंचे

तेज गेंदबाज मैट हेनरी (16 रन देकर दो विकेट), जैकब डफी (28 रन देकर दो विकेट) और मैथ्यू फिशर (22 रन देकर एक विकेट) ने जिम्बाब्वे को 28.1 ओवर में श्रृंखला में उसके न्यूनतम स्कोर पर आउट कर दिया। जिम्बाब्वे के लिए सिर्फ दो बल्लेबाज दोहरे अंक तक पहुंच सके। तीसरे नंबर के बल्लेबाज निक वेल्च 71 गेंद पर 47 रन बनाकर नाबाद रहे। कप्तान क्रेग इर्विन (17) दोहरे अंक तक पहुंचने वाले दूसरे बल्लेबाज रहे। न्यूजीलैंड ने दूसरे दिन के अंत में तीन विकेट पर 601 रन के विशाल स्कोर पर अपनी पहली पारी घोषित की थी, जिसमें रचिन रविंद्र (नाबाद 165) और हेनरी निकोल्स (नाबाद 150) ने चौथे विकेट के लिए 256 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी की।

डेवोन कॉनवे (153) ने भी दो साल से ज्यादा समय बाद अपना पहला टेस्ट शतक बनाया। यह जिम्बाब्वे के खिलाफ न्यूजीलैंड का अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। न्यूजीलैंड की टेस्ट मैचों में पिछली सर्वश्रेष्ठ जीत भी 2012 में जिम्बाब्वे के खिलाफ ही थी जब नेपियर में उसने पारी और 301 रन से जीत दर्ज की थी। यह इस साल जिम्बाब्वे की टेस्ट मैचों में लगातार छठी हार भी थी। यह श्रृंखला विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप का हिस्सा नहीं है। लेकिन न्यूजीलैंड ने जिम्बाब्वे का अपना दौरा जीत के साथ समाप्त किया क्योंकि उसने जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के साथ टी-20 त्रिकोणीय श्रृंखला भी जीती थी।

अब तक की सबसे बड़ी जीत

- इंग्लैंड- पारी और 579 रन (बनाम ऑस्ट्रेलिया, साल 1938)
- ऑस्ट्रेलिया - पारी और 360 रन (बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2002)
- न्यूजीलैंड - पारी और 359 रन (बनाम जिम्बाब्वे, साल 2025)
- वेस्टइंडीज - पारी और 336 रन (बनाम भारत, साल 1958)

न्यूजीलैंड के तीन बल्लेबाजों ने खेली शतकीय पारी

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड की तरफ से बल्लेबाजी में भी शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिसमें तीन बल्लेबाज शतकीय पारी खेलने में कामयाब रहे। डीवोन कॉन्वे ने जहां 153 रनों की पारी खेली तो वहीं रचिन रवींद्र के बल्ले से 165 रनों की नाबाद पारी देखने को मिली इसके अलावा हेनरी निकल्स ने भी 150 रनों की पारी खेली, जिसके दम पर कीवी टीम अपनी पहली पारी में 601 रनों के स्कोर तक पहुंचने में कामयाब रही।

आईपीएल

ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कोहली लौटे पिच पर, लंदन में शुरू की ट्रेनिंग

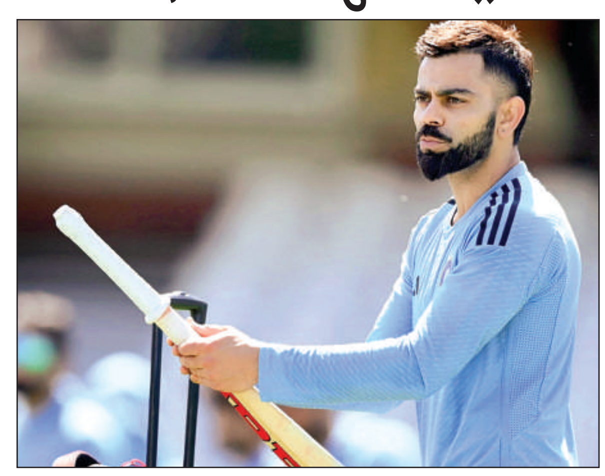

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम इंडिया के रन मशीन के नाम से मशहूर विराट कोहली पिच पर लौट आए हैं। उन्होंने गुजरात टाइटंस के सहायक कोच नईम अमीन की मौजूदगी में अभ्यास किया। कोहली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा, "हिट में मदद के लिए शुक्रिया, भाई। आपको देखकर हमेशा अच्छा लगता है।" उन्होंने सेशन के दौरान अमीन के साथ अपनी एक तस्वीर भी शेयर की। अमीन ने अपने अकाउंट पर स्टोरी दोबारा शेयर करते हुए कहा, भाई, आपको देखकर अच्छा लगा! जल्द ही मिलते हैं।

302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए

कोहली का ध्यान अब पूरी तरह से भारत के लिए वनडे और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की प्रतिबद्धताओं पर है। कोहली ने 302 वनडे इंटरनेशनल मैचों में 14,181 रन बनाए हैं। उन्होंने आखिरी बार आईपीएल 2025 के फाइनल में शानदार पारी खेली थी। विराट कोहली ने 43 रनों की पारी खेली थी, जिससे आरसीबी ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में पंजाब किंग्स को छह रनों से हराकर आखिरकार अपनी पहली ट्रॉफी जीती थी। कोहली और रोहित शर्मा, जो टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों से भी दूर हैं, दोनों के भारत के ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे के एकदिवसीय चरण के लिए वापसी करने की उम्मीद है। 19 अक्टूबर से पर्थ स्टेडियम में यह टूर्नामेंट शुरू होगा। इसके बाद 23 और 25 अक्टूबर टूर्नामेंट के अन्य मैच खेले जाएंगे।

महिला टी20 : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 114 रन से हराया

मैकॉय (ऑस्ट्रेलिया)। तेज गेंदबाज किम गार्थ की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की मदद से ऑस्ट्रेलिया ए ने भारत ए को दूसरे अनधिकृत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 114 रन से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। भारत ए ने टॉस जीता और क्षेत्ररक्षण का फैसला किया, लेकिन यह सही साबित नहीं हुआ और ऑस्ट्रेलिया ए की टीम चार विकेट पर 187 रन बनाने में सफल रही। उसकी पारी का आकर्षण कप्तान एलिसा हीली की 44 गेंद पर खेली गई 70 रन की पारी थी।

इसके जवाब में बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम किसी भी समय लक्ष्य

तक पहुंचाने की स्थिति में नहीं दिखी और 15.1 ओवर में 73 रन पर आउट हो गई।

हीली की ताहलिया विल्सन (35 गेंदों पर 43 रन) के साथ 95 रन की साझेदारी से ऑस्ट्रेलिया की टीम ने मजबूत नींव रखी। इन दोनों के अलावा अनिका लियरॉयड (35) और कोर्टनी वेब (नाबाद 26) ने भी उपयोगी योगदान दिया।

महिला हॉकी : सेमीफाइनल में पहुंचे छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और यूपी

एजेंसी ▶▶| काकीनाडा

छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा और उत्तर प्रदेश ने शनिवार को हॉकी इंडिया जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप के डिवीजन ए के सेमीफाइनल में जगह बनाई। हरियाणा ने दिन के पहले क्वार्टर फाइनल में ओडिशा पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। उसकी तरफ से काजल, सुप्रिया, कप्तान शशि खासा और सादी ने गोल किए। ओडिशा के लिए एकमात्र गोल अमीषा एक्का ने किया। छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से जीत हासिल की, जबकि चार क्वार्टरों के निर्धारित समय में उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा था। झारखंड ने पंजाब को 3-1 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। एक अन्य क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश ने महाराष्ट्र पर 2-1 से जीत दर्ज की।

- छत्तीसगढ़ ने मध्य प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में 2-1 से हराया

ऑस्ट्रेलिया का ऐलान, हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे मार्श

एजेंसी ▶▶| डार्विन (ऑस्ट्रेलिया)

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम के कप्तान मिशेल मार्श ने पुष्टि की है कि वह निकट भविष्य में ट्रेविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे क्योंकि उनकी टीम अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आदर्श संयोजन तैयार करना चाहती है। मार्श का 2021 में टी20 विश्व कप में तीसरे नंबर पर उतरना निर्णायक साबित हुआ था। उन्होंने फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को अपना पहला खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। डेविड वॉर्नर ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद संन्यास ले लिया था। उसके बाद से

ऑस्ट्रेलिया टी20 इंटरनेशनल में कई ओपनर आजमाए हैं। इसमें कप्तान मिचेल मार्श के साथ मैथ्यू शॉर्ट, ग्लेन मैक्सवेल और जेक फ्रेजर-मैकगर्क शामिल हैं। लेकिन इनमें से कोई भी उस भूमिका में फिट नहीं बैठ पाया है। इस बीच आगामी टी-20 वर्ल्ड कप को लेकर मिचेल मार्श ने कहा कि आने वाले समय में मैं और ट्रैविस हेड पारी की शुरुआत करेंगे। जाहिर है, हमने साथ में काफी खेला है, हमारे बीच बहुत अच्छा रिश्ता है तो शुरुआत वहीं से करेंगे।

आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

जेन ने आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

बेलफास्ट। पाकिस्तान की महिला टीम इन दिनों आयरलैंड दौरे पर है। दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेली जा रही है। सीरीज का दूसरा मैच सिविल सर्विस क्लब बेलफ़ास्ट में खेला गया, जहां आयरलैंड की टीम ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। इस मैच में आयरलैंड महिला टीम की बल्लेबाज जेन मैग्वायर ने वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया है। जेन महिला टी-20 इंटरनेशनल में आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। इस मैच को जीतकर आयरलैंड ने तीन मैचों की टी-20 सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

पाकिस्तान महिला टीम के बल्लेबाज नहीं खेल पाए बड़ी पारी : मैच की बात करें तो दूसरे टी20I में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान की महिला टीम 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाने में कामयाब रही। मेहमान टीम की ओर से ओपनर शवाल जुल्फिकार सबसे ज्यादा रन बनाए। वह 27 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 33 रन बनाने में कामयाब रही। उन्होंने विकेटकीपर बल्लेबाज मुनीबा अली (27) के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 48 गेंदों में 62 रनों की साझेदारी की।

ओरला प्रेंडरगैस्ट ने बनाए आयरलैंड के लिए सबसे ज्यादा रन

लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेजबान टीम ने आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत दर्ज की। 169 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और एमी हंटर केवल 6 रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। इसके बाद कप्तान गेबी लुइस (21) और ओरला प्रेंडरगैस्ट ने पारी को आगे बढ़ाया। प्रेंडरगैस्ट ने आयरलैंड के लिए 34 गेंदों में 4 चौकों और 2 छक्कों की मदद से सबसे ज्यादा 51 रन बनाए। लौरा डेलानी ने 34 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली।

मैच में किया रोमांच पैदा

अंत में रेबेका स्टोकेल ने 16 गेंदों में 34 रन बनाकर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। वहीं आखिरी गेंद पर जेन मैग्वायर ने छक्का लगाकर टीम को शानदार जीत दिला दी। आयरलैंड ने 20 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 171 रन बनाकर 4 विकेट से दूसरे टी 20I मैच को भी अपने नाम कर लिया। पाकिस्तान की तरफ से रमीन शमीम ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए। जेन महिला टी20I इतिहास की पहली खिलाड़ी बन गईं, जिन्होंने लक्ष्य का पीछा करते हुए आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर मैच जिताया हो। उन्होंने सादिया इकबाल की गेंद पर छक्का लगाया था।

गौहर महल में सावन मेले की तीसरी शाम चित्रपट संगीत के रंग में रंगी

हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के सदाबहार गीतों से सजी संध्या, दी मधुर प्रस्तुतियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

गौहर महल में आयोजित सावन मेले में राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर केंद्रित उत्सव की तीसरी शाम शुक्रवार को चित्रपट संगीत प्रस्तुति के नाम रही। इस अवसर पर भोपाल के शौकिया कलाकारों ने मंच पर आकर हिंदी सिनेमा के स्वर्णिम दौर के सदाबहार गीतों को अपनी मधुर आवाज में प्रस्तुत किया और श्रोताओं को बीते जमाने की संगीतमय यादों में ले गए।

मोहम्मद रफी के अमर गीतों से हुई शुरुआत

कार्यक्रम का शुभारंभ सुरमयी धुनों के साथ हुआ, जहां कलाकारों ने एक के बाद एक प्रसिद्ध गीतों की श्रृंखला पेश की। सबसे पहले दर्शकों को मोहम्मद रफी के अमर गीतों का आनंद मिला, जिन्होंने अपने समय में लाखों दिलों पर राज किया था। चौदहवीं का चांद और तेरी आँखों के सिवा जैसे नगमों पर श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। इसके बाद किशोर कुमार के जोशीले और रोमांटिक गीतों ने माहौल को और भी रंगीन बना दिया। पल-पल दिल के पास और जीवन से भरी तेरी आँखें जैसे गीतों पर दर्शक भी गुनगुनाने लगे। अजीब दास्तां है ये और लग जा गले जैसे भावपूर्ण गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।

आज मेले का अंतिम दिन

कलाकारों की सधी हुई आवाज़ और भावपूर्ण प्रस्तुति ने दर्शकों को ऐसा अनुभव दिया मानो वे पुराने दौर के किसी लाइव शो में बैठे हों। इस मौके पर मंच पर मौजूद दर्शकों में बुजुर्ग से लेकर युवा तक सभी उम्र के लोग थे, जिन्होंने न सिर्फ गीतों का आनंद लिया। सावन मेले के प्रबंधक और प्रभारी अरविंद शर्मा ने बताया कि यह विशेष उत्सव 10 अगस्त तक जारी रहेगा, जिसमें हर शाम अलग-अलग विषयों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

नूतन कॉलेज में वाणिज्य दिवस मनाया

छात्राओं को बताया कॅरियर के लिए एआई का उपयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी स्थित शासकीय सरोजिनी नायडू कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय (नूतन कॉलेज) में अंतरराष्ट्रीय वाणिज्य दिवस के उपलक्ष्य में वाणिज्य विभाग द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसकी शुरुआत महाविद्यालय की प्राचार्य ने की। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग की डीन डॉ. रेणुका राणा, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. अशोक नेमा और सभी वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक उपस्थित रहे।

प्रशासनिक अधिकारी डॉ . अशोक नेगा ने कहा कि वाणिज्य में भारतीय ज्ञान परंपरा और (एआई) ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। इसी क्रम में प्राचार्य द्वारा छात्राओं को अपने कॅरियर को सुधारने के लिए (एआई) का उपयोग करना बताया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। इनमें पोस्टर प्रतियोगिता का विषय डिजिटल ट्रान्सफर्मेशन इन कॉमर्स रहा। इसमें प्रथम पुरस्कार कांची लोखडे, द्वितीय पुरस्कार-अंकिता सतनानी, तृतीय पुरस्कार-खुशी राठौर ने प्राप्त किया। वाद-विवाद प्रतियोगिता का विषय (एआई) रहा। इसमें पक्ष और विपक्ष का आयोजन भी किया गया, जिसमें पक्ष प्रथम पुरस्कार अलीशा खान, द्वितीय पुरस्कार कृतिका ठाकुर और तृतीय पुरस्कार खुशी तिवारी ने प्राप्त किया।

इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम में किया सर्वे

एनएचएम ने वर्ष 2024 और जनवरी से जून 2025 तक किया सर्वे

भोपाल में सबसे कम डॉग बाइट्स मामले, रतलाम पहले नंबर पर

राष्ट्रीय रैबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के निर्देश पर मप्र के छह बड़े शहरों में किया सर्वे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी भोपाल में कुत्ते के काटने (डॉग बाइट्स) के मामले में (जनवरी-जून 2025) तक काफी गिरावट आई है। प्रदेश के छह शहरों में भोपाल में डॉग बाइट्स के सबसे कम मामले दर्ज हुए, जबकि रतलाम इस मामले में पहले स्थान पर रहा। यह खुलासा नेशनल हेल्थ मिशन (एनएचएम) के सर्वे में हुआ है। यह सर्वे वर्ष 2024 और जनवरी से जून 2025 की अवधि को लेकर किया गया। एनएचएम द्वारा राष्ट्रीय रैबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भारत सरकार के निर्देश पर मध्य प्रदेश के छह बड़े शहरों इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन और रतलाम में डॉग बाइट्स के मामलों का सर्वे किया गया। रिपोर्ट के अनुसार छह शहरों में भोपाल में डॉग बाइट्स के सबसे कम मामले दर्ज हुए जबकि रतलाम इस मामले में पहले स्थान पर रहा।

भोपाल में 2024 में 19 हजार आए थे डॉग बाइट्स के मामले

एनएचएम द्वारा किए सर्वे मे उज्जैन दूसरे, इंदौर तीसरे, जबलपुर चौथे और ग्वालियर पांचवें स्थान पर रहा। वर्ष 2024 में भोपाल में कुल 19 हजार 285 डॉग बाइट्स के मामले सामने आए, जो औसत 0.8 प्रतिशत रहा। वहीं 2025 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में यह औसत घटकर मात्र 0.07 प्रतिशत रह गया। यह आंकड़ा बताता है कि शहर में डाग बाइट्स के मामलों में उल्लेखनीय कमी आई है।

हर साल कर रहे 22 हजार श्वानों की नसबंदी

रैबीज मुक्त शहर-2030 कार्यक्रम के तहत भोपाल नगर निगम ने विस्तृत कार्य योजना तैयार कर भारत सरकार को भेजी है। वर्तमान में मध्य प्रदेश में यह योजना भेजने वाला भोपाल ही एकमात्र शहर है। नगर निगम शहर में तीन एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) सेंटर संचालित कर रहा है, जहां हर साल लगभग 22 हजार आवारा श्वानों की नसबंदी की जा रही है।

प्रत्येक 10 वार्ड पर होना चाहिए एक नसबंदी केंद्र

भारत सरकार के दिशा-निर्देशों के अनुसार प्रत्येक 10 वार्ड पर एक नसबंदी केंद्र होना चाहिए, लेकिन भोपाल में मानक से कम केंद्रों के बावजूद अधिक से अधिक आवारा श्वानों की नसबंदी की जा रही है। उपलब्ध संसाधनों की तुलना में नसबंदी ऑपरेशन की संख्या काफी अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप डाग बाइट्स के मामलों में कमी दर्ज की गई है।

330 से अधिक कोर्सेस में प्रवेश की अंतिम तिथि बढ़ी

इग्नू: 15 अगस्त तक हो सकेंगे विभिन्न कोर्सेस में प्रवेश, ऑनलाइन भरने होंगा आवेदन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने जुलाई 2025 सत्र के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, पोस्ट-ग्रेजुएट डिप्लोमा और छह माह की अवधि वाले प्रमाण-पत्र कार्यक्रमों सहित 330 से अधिक कोर्सेस में प्रवेश की अंतिम तिथि अब 15 अगस्त 2025 तक बढ़ा दी है। विद्यार्थी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही, जुलाई सत्र में द्वितीय वर्ष अथवा सेमेस्टर में पुनः प्रवेश की अंतिम तिथि भी 15 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। सभी पाठ्यक्रमों की जानकारी कॉमन प्रॉस्पेक्टस जुलाई 2025 में उपलब्ध कराया गया है, जिसे इग्नू की वेबसाइट से डाउनलोड किया जा सकता है। वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ. उमेश चंद्र पाण्डेय, इग्नू भोपाल के अनुसार इग्नू भोपाल क्षेत्रीय केंद्र ने मध्य प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों में उच्च शिक्षा के प्रचार-प्रसार के लिए टॉक शो एवं साक्षात्कार आयोजित करने की योजना बनाई है। इसके लिए जनजातीय कार्य विभाग द्वारा पत्र जारी किया गया है। इस पहल का उद्देश्य युवाओं को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा से जोड़ना है। क्षेत्रीय निदेशक ने बताया कि इग्नू राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत स्नातक स्तर पर बहु-विषयक दृष्टिकोण के साथ नवीन कार्यक्रम शुरू किए हैं। स्नातक कार्यक्रमों में 3 वर्षीय बैचलर ऑफ आर्ट्स एवं बैचलर ऑफ साइंस शामिल हैं, जिसमें छात्र 120 क्रेडिट अर्जित कर ऑनर्स डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

एसीटी अप्रेंटिस के अधिकारों के लिए पीएमआरकेपी-बीआरएमएस की केंद्रीय मंत्री से बातचीत

भोपाल। पीएमआरकेपी-बीआरएमएस वर्ष 2004 से पहले नियुक्त एसीटी अप्रेंटिस साथियों के लंबित मुद्दों के समाधान के लिए लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में जीईएनसी-बीआरएमएस का एक प्रतिनिधिमंडल, अशोक शुक्ला एवं अजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में, कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह से मिला। बैठक में एसीटी अप्रेंटिस से जुड़े जटिल मुद्दों और समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को मामले की गंभीरता से अवगत कराते हुए आवश्यक कार्रवाई के लिए सहमत कराया। उल्लेखनीय है कि इस समस्या की पहचान सबसे पहले पीएमआरकेपी ने की थी और समय रहते ठोस पहल की। बीआरएमएस के शीर्ष नेतृत्व के इस प्रयास के लिए पीएमआरकेपी ने अशोक शुक्ला और अजय त्रिपाठी के प्रति विशेष आभार व्यक्त किया।

मानस भवन में आयोजित किया गया कार्यक्रम

इंडीजेनस-डे पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंडिजिनस-डे ऑर्गेनाइजिंग कमेटी भोपाल के तत्वावधान में मानस भवन में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि तिरुमाल- वेड़मा भोज्जू पटेल (विधायक) तेलंगाना से आए अपनी पाना पारसी, लेंग, सेंग को लेकर सहजता से अपनी बात रखी। तो वहीं विशिष्ट अतिथि तिरुमाल धनंजय शाह उइके, आरडी भलावी, कोटनाके कोसेराव, मानिकराव अरका, डॉ. राजेश गोंड, डॉ. आनंद सिंह वाल्के ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। इस मौके पर समाज के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत की गई। संजू वाड़ीवा द्वारा स्वागत गीत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गई, समाज की बेटी प्रेमलता आर्मो ने गोंडवाना की लहर चली गीत की बोल के साथ सभागार को भावविभोर कर दिया। हेमसिंह वरकड़े ने भोपाल की रानी कमलापति की प्रतिमा पर गोंगों के बाद रैली निकाली गई। जो कि रानी कमलापति पार्क से शुरू होकर पॉलीटेक्निक चौराहा होते हुए मानस भवन के सभागार तक पहुंची।

स्थानीय खेल समाचार

जयपुर में 11 से 15 अगस्त तक होगी प्रतियोगिता

सीबीएसई वेस्ट जोन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में कैंपियन स्कूल के 22 स्केटर्स लेंगे भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

एस एन आर इंटरनेशनल स्कूल जयपुर के स्केटिंग रिंग में आयोजित होने वाली सीबीएसई वेस्ट जोन रोलर स्केटिंग स्पर्धा में भाग लेने के लिए कल 10 अगस्त को रवाना होंगें। यह पांच दिवसीय सीबीएसई वेस्ट जोन रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता सीबीएसई द्वारा आयोजित की जा रही है।

कैम्पियन स्कूल में कक्षा दूसरी से बारहवीं में से चयनित स्केटर्स की बालक वर्ग सूची में विराट, प्रणव, मो. अब्दुल्लाह, आरव सिंह, ज्वेल, राहुल, प्रतीक, संभव, अर्जुन, मो. अबान, सनमीत, दिव्यांश, सुशमीत, शॉन सेल्विन, यशनील, निश नेमा और बालिका वर्ग सूची में जफीरा, अनविता, काश्वी, अमाया, रिश्का शिंदें, रिशिका चावड़ा शामिल हैं। यह सभी स्केटर्स विभिन्न आयु वर्गों में क्वाडस व इनलाईन कैटेगरी में स्कूल का प्रतिनिधित्व करेंगे। कैम्पियन स्कूल के इन सभी स्केटर्स का चयन भोपाल में उनके शानदार प्रदर्शन व उनकी योग्यता के आधार पर हुआ है। ये सभी खिलाड़ी कैम्पियन स्कूल के शारीरिक शिक्षा शिक्षक एवं कोच संजय मिश्रा के मागदर्शन में स्केटिंग रिंग में नियमित प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस स्पर्धा में विभिन्न राज्यों मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, दादर नगर हवेली, दमन दीयू के सी.बी.एस.ई विद्यालयों के लगभग 1000 खिलाड़ी भाग लेंगे।

इंदौर जिला सीनियर बैडमिंटन टीम को प्रदान की किट

मप्र राज्य सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा 11 से भोपाल में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन ने 63वीं अंतर जिला और 78 वीं मप्र राज्य सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में हिस्सा लेने वाली इंदौर जिला बैडमिंटन टीम को किट और यात्रा भत्ता प्रदान किया। नेहरु स्टेडियम बैडमिंटन हाल में हुए औपचारिक कार्यक्रम में इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन अध्यक्ष डॉ. अनिल भंडारी और सह सचिव धर्मेश यशलहा, मनीष त्रिवेदी और प्रशिक्षक गौरव नमन सिंह मौजूद थे। मप्र राज्य सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा भोपाल में 11 से 17 अगस्त तक होगी, इंदौर जिला टीम पिछले साल मिश्रित टीम अंतर जिला स्पर्धा में उपविजेता रही है। इंदौर जिला बैडमिंटन संगठन सचिव आरपी सिंह नैयर ने बताया कि 63वीं अंतर जिला मिश्रित टीम स्पर्धा 11 और 12 अगस्त को होगी, इंदौर जिला टीम का नेतृत्व अनिकेत परदेशी करेंगे। 78 वीं खुली मप्र राज्य सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा में 11 से 14 अगस्त तक योग्यता चक्र मुकाबले और 15 से 17 अगस्त तक मुख्य चक्र के मुकाबले होंगे। खुली स्पर्धा के लिए इंदौर टीम में स्वाति सोलंकी, आध्या जैन और अनुष्का शाहपुरकर आदि इंदौर से खेलेंगे।

इन खिलाड़ियों ने भी जीते मुकाबले

पिछले दिनों उज्जैन में हुई मप्र राज्य जूनियर बैडमिंटन स्पर्धा में इंदौर के नैवेद्य तोंड़े ने 19वर्ष बालक एकल खिताब जीता है। कृति तिवारी ने ओम पटेल के साथ मिश्रित युगल और आस्था शर्मा के साथ बालिका युगल खिताब जीतकर दोहरी सफलता हासिल की। अनुष्का शाहपुरकर 19वर्ष बालिका एकल और मिश्रित युगल में उपविजेता रही। भव्य पुरोहित 19वर्ष बालक युगल में उपविजेता रहे। नौदिता गुप्ता और आरोही शुक्ला 19वर्ष बालिका युगल उपविजेता रही हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादकः प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930